धनबाद, रविवार 15.07.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-144 पृष्ठ- 12
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-10
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

मणिपुर में सुरक्षाबलों पर हमला, एक जवान शहीद, 3 घायल

इम्फाल/नई दिल्ली (एजेंसी): हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में रविवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर हमला हो गया. जिसमें सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया. जबकि तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए. जानकारी के मुताबिक, ये हमला मणिपुर के जीरीबाम में हुआ है. बताया जा रहा है कि कुछ अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के राज्य पुलिस की संयुक्त टीम पर हमला कर दिया.

जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने घात लगाकर वारदात को अंजाम दिया. जानकारी के मुताबिक, सीआरपीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम पर रविवार सुबह करीबन ९.४० बजे हमला किया गया.

बताया जा रहा है कि, रविवार सुबह २० बटालियन सीआरपीएफ और जीरीबाम जिला पुलिस की संयुक्त टीम एक साथ ऑपरेशन में लगी थी. इसी दौरान घात लगाकर बैठे बदमाशों ने संयुक्त टीम पर हमला कर दिया. इस हमले के तीन जवान घायल भी हुए हैं. पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त सुरक्षा दल शनिवार को हुई एक गोलीबारी की घटना के बारे में तलाशी अभियान के लिए मोनबंग गांव जा रही थी. ये गांव जीरीबाम जिला पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है. जहां १३ जुलाई को गोलीबारी की घटना हुई थी.

बिहार का रहने वाला था जवान

बताया जा रहा है कि इस हमले में शहीद हुआ जवान बिहार का रहने वाला था. जिसकी पहचान अजय कुमार झा (४३) के रूप में हुई है. इस हमले में जिरीबाम पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर (डब) सहित राज्य को तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं.

पिछले साल मई में शुरु हुई थी मणिपुर में हिंसा

बता दें कि मणिपुर पिछले साल से हिंसा की आग में जल रहा है. तब से लेकर अब तक राज्य में कई लोगों की मौत हो चुकी है. जबकि कई सुरक्षा बल भी शहीद हुए हैं. राज्य में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हुए संघर्ष से पैदा हुई हिंसा का दौर अब भी जारी है, और आए दिन दोनों समुदाय के बीच झड़प होती रहती है. इसी साल अप्रैल में भी सशस्त्र उपद्रवी समूहों के बीच गोलीबारी हुई थी. जिसमें कुकी समुदाय के दो लोगों की मौत हो गई थी.

डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला, रैली में चली गोलियां

खतरे से बाहर, 20 साल का शूटर मारा गया ✪ जानलेवा हमला...सुरक्षा में चूक या साजिश?

वॉशिंगटन (ईएमएस): अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर हुए जानलेवा हमले से हर कोई स्तब्ध है। उनके दाएं कान पर गोली लगी है, लेकिन वो सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दी जा चुकी है। घटना भारतीय समय के मुताबिक रविवार सुबह ४ बजे की है। तब अमेरिका में शनिवार के शाम करीब ६.३० बज रहे थे। ट्रम्प अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के बटलर शहर में चुनावी रैली कर रहे थे। ट्रम्प मंच पर आए उन्होंने बोलना शुरू किया कि 'टेक अ लुक एट वॉट हैपंड' और फायरिंग की आवाज आनी शुरू हुई। चीख-पुकार मचती है, ट्रम्प चौंकते हुए दायां हाथ कान पर रखते हैं और झुक जाते हैं। इस बीच सुरक्षा गार्ड घेरा बना लेते हैं। गोलीबारी में रैली में मौजूद एक व्यक्ति की मौत हुई है। २ गंभीर रूप से घायल हैं। पेंसिल्वेनिया पुलिस ने बताया कि ट्रम्प पर करीब ४०० फीट दूर मौजूद इमारत की छत से फायरिंग की गई। एआर-१५ राइफल से ८ राउंड गोलियां चलाई गई। पहले राउंड में ३ और दूसरे राउंड में ५ गोलियां चलीं। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध शूटर मारा गया है। उसकी उम्र २० साल थी। अब तक हमले के मकसद की जानकारी नहीं है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर हुए जानलेवा हमले की तस्वीरें जिसने भी देखी, उसे यकीन नहीं हो रहा है। चुनावी रैली में ताबड़तोड़ गोलियां चलीं और एक गोली ट्रंप के कानों को छूती हुई निकल गई। इस जानलेवा हमले में उनकी जान बाल-बाल बच गई, लेकिन पेंसिलवेनिया की रैली में हुई ये घटना तमाम सवाल भी खड़े कर गई है। सबसे बड़ा ▶▶ 4

नेपाल के राष्ट्रपति ने केपी. शर्मा ओली को नियुक्त किया नया प्रधानमंत्री, आज लेंगे शपथ

काठमांडू (एजेंसी): नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड की सरकार गिरने के बाद राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सीपीएन-यूएमएल पार्टी के अध्यक्ष के.पी.शर्मा ओली को नयी गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए रविवार को चौथी बार देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। ओली को चीन समर्थक माना जाता है। बता दें कि ओली (७२) ने पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' की जगह ली है, जो शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हार गए थे। इसके बाद संविधान के अनुच्छेद ७६ (२) के अनुसार नयी सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। अब ओली १५ जुलाई (सोमवार) को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने ओली को नेपाल-यूनीफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस गठबंधन सरकार का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया। ओली संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के समर्थन से प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रपति भवन के मुख्य भवन शीतल निवास में सोमवार को पूर्वाह्न ११ बजे ओली का शपथग्रहण समारोह होगा। शुक्रवार देर रात ओली ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के समर्थन से सरकार बनाने का दावा पेश किया और प्रतिनिधि सभा के १६५ सदस्यों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र सौंपा, जिस पर उनकी पार्टी से ७७ तथा नेपाली कांग्रेस से ८८ सदस्यों के दस्तखत थे। सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के अध्यक्ष प्रचंड शुक्रवार को शक्ति परीक्षण के दौरान के विश्वासमत हासिल नहीं कर पाए थे। शेर बहादुर देउबा को ▶▶ 4

मांडर में खुला रांची का पहला ग्राम न्यायालय, चीफ जस्टिस ने किया उद्घाटन

रांची (सस): झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डॉ बीआर सारंगी और झालसा (झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार) के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने रविवार को राज्य में दो अलग अलग जगहों पर ग्राम न्यायालय का उद्घाटन किया.

रांची के मांडर और जमशेदपुर के बहरागोडा में ग्राम न्यायालय का उदघाटन किया गया. उदघाटन समारोह में हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश और महाधिवक्ता समेत अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे.

क्या है ग्राम न्यायालय-झारखंड में पहला ग्राम न्यायालय कोडरमा जिले के झुमरीतिलैया में हुआ था. ग्राम न्यायालय में २५ हजार रुपये तक के दीवानी मामले और समन ट्रायल (छोटे-मोटे) आपराधिक मामलों की सुनवाई होगी. ग्राम न्यायालय की शुरुआत होने के बाद मांडर प्रखंड के १९ पंचायतों के उक्त मामलों की सुनवाई होगी. ग्राम न्यायालय में जिन पंचायत से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी उसमें मंज़ो, सरबा, बिसहा खटंगा, महुआजाड़ी, कैम्बो, बड़ाीला, कंजिया, मांडर, मलती, टीगोड़ अंबाटोली, करगे, बरगडी, ब्राम्बे, मुडमा सुरसा, नगड़ा, टांगरबसली, लोयो और झिंझरी पंचायत को शामिल किया गया है. फिलहाल दो प्रखंडों में शुरू हो रहे ग्राम न्यायालय के कॉनसेप्ट को भविष्य में अन्य जिलों के प्रखंडों में भी लागू किया का सकता है. इसके लिए छह जगहों का चयन किया गया है.

ग्राम न्यायालय के पीछे यह सोच है कि दूर दराज के ग्रामीणों को छोटे मामलों की सुनवाई के लिए सिविल कोर्ट न आना पड़े. ग्राम न्यायालय में खझउ की धारा ३०४-, ३१०, ३१८, ३२३, ३३४, ३३७, ३३८, ३४१, ३४२, ३४३, ३४५, ३४६, ३५३, ३५४, ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ४०३, ४१७, ४२१, ४२२, ४२३, ४२४, ४२७, ४३४, ४४७, ४४८, ४५१, ४५३, ३६१, ४६५, ४८२, ४८३, ४८६, ४८९, ४८९ए, ४९१, ४९८, ५००, ५०१, ५०२, ५०४, ५०६, ५०९ और ५१० से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी.

बसपा चीफ की हत्या के आरोपी का एनकाउंटर

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी चीफ के आर्मस्ट्रांग की हत्या के एक मुख्य आरोपी की रविवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई।

३० साल के आरोपी का नाम के तिरुवेंगदम था। वह आर्मस्ट्रांग मर्डर केस में गिरफ्तार ११ संदिग्धों में शामिल था। पुलिस ने बताया कि आरोपी तिरुवेंगदम ने रविवार सुबह पुलिस कस्टडी से भागने की कोशिश की।

उसने एक पुलिसकर्मी पर हमला भी किया। इस दौरान एक पुलिस ऑफिसर ने उस पर गोली चलाई। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। हिस्ट्रीशीटर तिरुवेंगदम पर पहले से कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

एनडीएके के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी जेडीयू

बैठक में विधानसभा चुनाव लड़ने व सीटों को लेकर हुआ मंथन

रांची (ईएमएस): झारखंड जदयू के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद खीरु महतो ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हाल ही में आयोजित की गई प्रदेश कार्य समिति के बैठक में हम लोगों ने चयन किया कि एनडीए गठबंधन में झारखंड में कहां से विधानसभा चुनाव लड़ना है. सांसद खीरु महतो ने कहा कि इसकी सूची राष्ट्रीय स्तर पर १५ जुलाई तक मिल जानी चाहिए। सभी जिलाध्यक्ष ने अपनी सूची दी है कि कहां-कहां से चुनाव लड़ना है और कितने सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि १५ तारीख तक हमें यहां की सूची केंद्रीय स्तर पर दे देने हैं। सांसद खीरु महतो ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान हमें कहा गया था, विधानसभा में झारखंड में सीटें मिलेंगी तालमेल कर ही चुनाव लड़ेंगे। वहीं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर उन्हें बधाई दी है। सांसद खीरू महतो ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता की और संचालन प्रदेश महासचिव श्रवण कुमार ने किया। इसमें २ प्रस्ताव पारित किए गए। दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में पार्टी अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा सांसद संजय झा को जदयू का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का झारखंड जदयू ने स्वागत किया और आगामी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन, सीटों के चयन, झारखंड में एनडीए गठबंधन एवं ▶▶ 4

एक्शन में नायडू सरकार : 37 आईपीएस अफसरों के किए तबादले

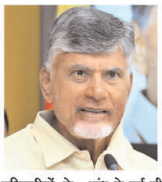

हैदराबाद (ईएमएस): आंध्र प्रदेश मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू अपने पूरे रंग में दिखाई पड़ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन की बेहतर व्यवस्था के लिए ३७ पुलिस अफसरों के तबादले किए हैं। वो राज्य में पूरी तरह से अधिकारियों को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसफर करने के लिए प्रयासरत हैं। यही वजह की नायडू सरकार ने राज्य के ३७ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले कर दिए। नायडू ने यह फेरबदल सत्ता में आने के ठीक एक महीने बाद नायडू ने किया है। मुख्य सचिव नीरभ कुमार प्रसाद द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अनकापल्ली जिले के पुलिस अधीक्षक केवी मुरली कृष्ण को इसी पद पर अनंतपुर जिले में स्थानांतरित किया गया है। बापटला जिले के एसपी वकुल जिंदल को विजयनगरम जिले में स्थानांतरित किया गया है, जहां एम दीपिका को अनकापल्ली भेजा गया है। इसी तरह, कृष्णा जिले के एसपी अदनान नईम असमी को पश्चिम गोदावरी जिले में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां वे अजीता वेजेंडला की जगह लेंगे, जिन्हें पुलिस उपायुक्त (डीसीपी)- १ विशाखापत्तनम शहर के रूप में तैनात किया गया है। इस बीच, नौ आईपीएस अधिकारियों को आगे की पोस्टिंग के लिए डीजीपी चौधरी द्वारा तिरुमाला राव के कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया।

नायडू के सत्ता संभालते ही जगन की बढ़ने लगी मुश्किलें

नायडू के सत्ता संभालते ही आंध्र के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। उनके खिलाफ टीडीपी विधायक के हत्या के प्रयास का गंभीर आरोप लगा दिया है। पूर्व सीएम के साथ-साथ भारतीय पुलिस सेवा के दो वरिष्ठ अधिकारियों और दो सेवानिवृत्त अधिकारियों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। शिकायत करने वाले टीडीपी विधायक का नाम के रघुराम कृष्ण राजू है।एक अधिकारी ने ही इस मामले की जानकारी देते हुए बताया है कि उन्हें विधायक द्वारा मेल के जरिए शिकायत भेजी थी, फिर कानूनी सलाह लेने के बाद अब केस दर्ज कर लिया गया है। पूर्व सीएम के अलावा वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पीवी सुनील कुमार और पीएसआर सीतारमणजनेयुलु पर भी गंभीर ▶▶ 4

हंदवाड़ा में भीषण आग से कई मकान स्वाहा, पालतू जानवर झुलसे

जम्मू (ईएमएस): कश्मीर के हंदवाड़ा के शातिगाम राजवार इलाके के यंगेरहर वाडर में भीषण आग लगने के बाद कई आवासीय मकान जलकर राख हो गए। इस आग में पालतू जानवर जिंदा जल गए हैं। फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की २१ आरआर, नागरिक प्रशासन और स्थानीय लोग आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। कम से कम आठ आवासीय घर जलकर खाक हो चुके हैं और दर्जनों की संख्या में पालतू जानवर झुलस गए हैं।

बता दें कि आग की लपटें भयावह हैं। घटनास्थल पर लकड़ी से बने मकान हैं, जो पेड़ों से घिरे हैं और सड़कें भी तंग हैं। इस वजह से आग बुझाने में मुश्किल हो रही है। खबर लिखे जाने तक आग बुझाने की कोशिश जारी थी। अभी आग के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

नहीं रहे गेल इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन सीआर प्रसाद

नई दिल्ली (ईएमएस): गेल इंडिया लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सीआर प्रसाद का निधन हो गया है। वह ८३ वर्ष के थे। गेल ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में कहा कि सीआर प्रसाद का शनिवार को निधन हो गया। हालांकि, इसमें मौत का कारण नहीं बताया गया। गेल ने लिंक्डइन पोस्ट के मुताबिक डॉ. सीआर प्रसाद १९९४ में निदेशक के रूप में गेल के साथ जुड़े थे। इन्होंने १९९६ गेल के सीएमडी का कार्यभार संभाला और रिटायर होने तक कंपनी के अध्यक्ष और सीएमडी रहे। प्रसाद २००१ में रिटायर्ड हुए थे। लिंक्डइन पोस्ट के मुताबिक गेल को आगे बढ़ाने और रणनीतिक रूप से कंपनी को बदलने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

डॉ. सीआर प्रसाद के दूरदर्शी नेतृत्व ने एक मजबूत नींव स्थापित की, जो आज कंपनी के मूल्यों और दक्षताओं की विशेषता है। प्रसाद ने लगातार समय पर और बजट के अंदर ही परियोजनाएं बनाईं, जिससे एलपीजी, लिक्विड हाइड्रोकार्बन और पेट्रोकेमिकल सेक्टर में कंपनी ने अपनी प्रतिष्ठा मजबूत की है।

3 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू (ईएमएस): अमरनाथ यात्रा में पिछले १५ दिनों में करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। रविवार सुबह ४,८८९ तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कहा कि पिछले १५ दिनों के दौरान लगभग तीन लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं।

आईएएस पूजा खेडकर की ऑडी जब्त

पुणे (ईएमएस): महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने रविवार को ट्रेनी आईएएस अफसर पूजा खेडकर की ऑडी कार जब्त कर ली है। पूजा पुणे में असिस्टेंट कलेक्टर के तौर पर पोस्टिंग के दौरान लग्जरी कार पर अवैध तरीके से लाल-नीली बत्ती लगाकर घूमने के बाद विवादों में आई थीं। उनके दबंग रवैये और मनमानी की भी काफी चर्चा है। पुणे पुलिस ने बताया कि खेडकर परिवार के ड्राइवर ने पुणे के चतुरश्रंगी पुलिस स्टेशन के ट्रैफिक डिवीजन में कार जमा करवाई है। कार पर लगी लाल-नीली बत्ती और महाराष्ट्र प्रशासन का स्टिकर हटा दिया गया है। पुलिस कार के डॉक्यूमेंट्स की जांच कर रही है।

लोकसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर होंगे गौरव गोगोई

केरल से सांसद के सुरेश बनाए गए मुख्य सचेतक

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस लीडर गौरव गोगोई को लोकसभा में पार्टी का डिप्टी लीडर बनाने का फैसला किया गया है। इस फैसले के बारे में एक पत्र अध्यक्ष ओम बिरला को भेज दिया गया है। एआईसीसी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के लिए डिप्टी लीडर, मुख्य सचेतक और दो सचेतकों की नियुक्ति के बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि गौरव गोगोई निचले सदन में पार्टी के डिप्टी लीडर होंगे। वहीं, केरल से आठ बार के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश पार्टी के मुख्य सचेतक होंगे। उन्होंने बताया कि विरुधुनगर के सांसद मणिकम टैगोर और किशनगंज के सांसद मोहम्मद जावेद लोकसभा में पार्टी के सचेतक होंगे। इससे पहले पार्टी ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनाया था, जिन्हें बाद में इस पद पर नियुक्त किया गया।केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मार्गदर्शन में कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की पार्टियां लोकसभा में जनता के ▶▶ 4

अब ऊंचे इलाकों में तैनात रहेगी भारतीय सेना, आतंकियों पर रखेगी पैनी नजर

जम्मू (ईएमएस): कई बार देखने में आया है कि आतंकी किसी ऊंची पहाड़ी पर बैठ जाते हैं और वहीं से फायरिंग करते हैं। इससे भारतीय सेना को उन्हे ध्वस्त करने में काफी कठिनाई होती है। इससे निजात पाने के लिए अब सेना ऊंचे पहाड़ों पर तैनात रहेगी और वहीं से गतिविधियों पर पैनी नजर रखेगी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों में हालिया वृद्धि के लिए केवल पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने अवैध गतिविधियों को भी इसके लिए लिए जिम्मेदार ठहराया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार एक नई रणनीति लागू कर रही है, जिसमें कठुआ में एक हफ्ते के भीतर शांति बहाल करने के लिए ऊंचे इलाकों में सेना की तैनाती शामिल है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कठुआ में पत्रकारों से कहा, पाकिस्तान से घुसपैठियों द्वारा हाल ही में (जम्मू क्षेत्र में) की गई आतंकवादी घटनाएं निंदनीय हैं। लेकिन बार-बार यह कहना कि पाकिस्तान ने ऐसा किया है, पर्याप्त नहीं है। हमें खुद से और अपनी अंतरात्मा से पूछना होगा कि हमने उन सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए क्या किया है, जिनसे आतंकवाद को फायदा हो रहा है।

जितेंद्र सिंह ने कहा, जब कश्मीर में (आतंकवादियों पर) दबाव बढ़ा, तो उन्होंने अपना ध्यान जम्मू पर केंद्रित कर दिया। हमारा प्रयास सेना को लाने का था जबकि अर्धसैनिक बल पहले से ही वहां मौजूद हैं। सेना की तैनाती के बाद (आतंकवाद से लड़ने के लिए) एक नई रणनीति बनाई जा रही है। सेना ने पहाड़ियों पर मोर्चा संभाल लिया है ताकि आतंकवादी आगे हमले नहीं कर सकें।

जितेंद्र सिंह ने कहा, सरकार पहले से ही (आतंकवाद के खिलाफ) सख्त कार्रवाई कर रही है लेकिन समाज की भी अपनी जिम्मेदारी है। यह दोहराना कि वे पाकिस्तान से आए हैं, पर्याप्त नहीं है। पाकिस्तान १९४७ से ही शरारतें करता आ रहा है और आगे भी करता रहेगा यह नहीं सुनेगा। लेकिन सवाल यह है कि हम क्या कर रहे हैं और हमें यह खुद से पूछना होगा? जितेंद्र सिंह ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खनन, गोवंश तस्करी के साथ-साथ सरकार और गरीबों की जमीन पर कब्जा करने का उभरता नया फैशन एक दुष्चक्र है जो कुछ हद तक आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कठुआ को बदनाम करता है। मंत्री ने कहा कि वह गृह मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में हैं और हाल के ▶▶ 4

काला हीरा में बही सांस्कृतिक व शास्त्रीय नृत्य की रसधारा

धनबाद (कासं) : सामुदायिक भवन कोयला नगर में आयोजित ८वीं सांस्कृतिक कार्यक्रम काला हीरा में द्वितीय दिन काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने एहसास अनुभूति की निर्देशिका सरसी चंद्रा नाट्य संघ की मिताली मुखर्जी एवं अन्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

द्वितीय दिन के कार्यक्रमों की शुरुआत शिवानी पंडित द्वारा गणेश वंदना नृत्य से की गई, जिसके उपरांत स्थानीय एवं अन्य राज्य के कलाकारों ने भारतनाट्यम, ओडीसी, वेस्टर्न, शास्त्रीय, समूह शास्त्रीय नृत्य आदि नृत्य में एक से बढ़कर एक खास प्रस्तुतियां देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रस धारा बहाई और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। सबसे दिलचस्प नन्हे कलाकारों ने जिसमें आजमगढ़ की पाखी गुप्ता का हरियाणवी लोकगीत घुंघरू तोड़ के मानूंगी, रिमझिम प्रजापति, आस्था दुबे परी सिंह, वैश्णवी जायसवाल, प्रिया यादव, मानस्वी मिश्रा की समूह शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति, आर्यन डांस ऑफ ग्रुप धनबाद और क्रेडेंजा ग्रुप ऑफ क्रेडो स्कूल समेत अन्य नन्हे कलाकारों ने अपनी कला प्रदर्शन पूरे दमखम जोश और उत्साह के साथ अपनी मनोहारी मासूम नृत्यम अदाओं से दर्शकों को मंच की ओर ध्यानाकर्षित व भाव विभोर कर खूब तालियां बटोरी। द्वितीय दिन के निर्णायक मंडली में अलका सिंह शर्मा (अंतर्राष्ट्रीय रंग महोत्सव की आयोजक, डायरेक्टर नाटरांजलि थियेटर आर्ट्स) फिल्म मेकर एंड सिंगर गौरव शर्मा (डायरेक्टर डी मीडिया प्रोडक्शन आगरा) थे। काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा देश के कई राज्यों के कलाकारों के जुटान अब काला हीरा देश का बड़ा राष्ट्रीय मंच बनता जा रहा है।

काला हीरा कार्यक्रम के तीसरे एवं चौथे दिन भी स्थानीय एवं अन्य राज्यों से आए कलाकार धनबादवासियों के समक्ष अपने शानदार व मनोरम नृत्य, नाट्य एवं लोक कलाकृति की प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति की छटा बिखरेंगे। आजमगढ़ के हुनर संस्था के निदेशक सुनील दत्त विश्वकर्मा ने कहा पिछले ७ सालों से निरंतर काला हीरा में हमारी टीम आ रही है। काला हीरा कार्यक्रम के कारण कोयला नगरी अब कला नगरी भी बनती जा रही है। साथ ही कई राज्यों के कलाकार कोयला नगरी से रूबरू हो रहे हैं। धनबाद में स्वागत सम्मान व प्यार से सभी बहुत खुश है। यहां एक अपनापन का एहसास हो रहा है।

वाराणसी के वैष्णवी रूपम कला संगम संस्था के निदेशक ने कहा हर वर्ष आता हूं पहले काला हीरा एक आयोजन था अब यह त्योहार हो चुका है। यहां सारे कलाकार आने को आतुर रहते हैं और यहां आकर मिले अपनापन और सम्मान से लगता है अपने परिवार में आ गए है। उन्होंने कहा काला हीरा की सबसे बड़ी बात अपनी कला का प्रदर्शन और दूसरे की कला के प्रदर्शन में भाग लेकर प्रोत्साहित करना। ये भाव सबसे बड़ा कला के प्रति समर्पण है। काला हीरा प्रबंधन ने कार्यक्रम स्थल कोयनानगर, सामुदायिक भवन में रविवार को पारस हॉस्पिटल रांची के सौजन्य से स्थानीय एवं समस्त राज्य से आए कलाकारों, अतिथियों व अभिभावको के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रेंडम ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, एसपी २, वेट की जांच पारस हॉस्पिटल के डॉ. सुल्तान मोईन ने की। स्वास्थ्य जांच टीम में मैनेजर वैभव प्रसाद और सहयोगी शास्त्री आनंद, मनीला और शर्मिष्ठा थे।

आठवीं काला हीरा को महासफल बनाने में राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुंदन, काला हीरा के निर्देशक राजेंद्र प्रसाद एवं उनकी धर्मपत्नी, ९९ ग्रुप ऑफ कंपनीज के महेश मोदी, काला हीरा के एसोसिएट सह कला निकेतन के निर्देशक वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा एवं उनकी धर्मपत्नी, क्लब इंडिया के निर्देश संतोष रजक व अनुभूति एक एहसास की महासचिव सरसी चंद्रा तथा नाटक संघ के उपाध्यक्ष यू.सी. मिश्रा, सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय, काला हीरा की उपाध्यक्ष मिताली मुखर्जी राय, कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र गिरी, रविकांत कुमार, शिवानी पंडित, आगरा की अलका सिंह जुटे हैं। कार्यक्रम के अंतराल में काला हीरा के सदस्य रविकांत कुमार व सीने आर्टिस्ट गौरव शर्मा ने अपनी गायिकी से लोगों का दिल जीता। कार्यक्रम के दौरान मंच से आफताब राणा की बेहतरीन उद्घोषणा दर्शकों का मनोरंजन करती रही।

राष्ट्रीय सूड़ी समाज महिला मोर्चा का खुला कार्यालय

धनबाद (कासं) : कोलाकुसमा के मंडल मार्केट में रविवार को राष्ट्रीय सूड़ी समाज महिला मोर्चा कार्यालय का उद्घाटन जिला अध्यक्ष सोनाली मंडल, जिला उपाध्यक्ष महुआ मंडल और जिला महामंत्री कल्पना मंडल ने संयुक्त रूप से विधिवत फीता काट कर किया गया। रणबीर भारतीय ने कहा कि झारखंड प्रदेश में सूड़ी जाति को अनुसूचित जाति घोषित न किये जाने से हमारा हक मारा जा रहा है और अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र न मिलने से सरकारी नौकरियों में छूट से वंचित हो जा रहें है।

मौके पर युवा मोर्चा जिला

जिला अध्यक्ष सोनाली मंडल ने कहा कि महिलाओं के मजबूती और सशक्तिकरण के लिए कार्यालय खोला गया है। धनबाद जिला में ११ हजार पेड़ लगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक रणबीर मंडल, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश मंडल, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रामू मंडल, प्रदेश विधि प्रमुख सागर मंडल, प्रदेश मंत्री विकाश मंडल उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सूड़ी समाज के राष्ट्रीय संयोजक अध्यक्ष हिमांशु मंडल, जिला महामंत्री नाविक मंडल, जिला उपाध्यक्ष माथुर मंडल, जिला उपाध्यक्ष प्रकाश मंडल, जिला प्रवक्ता अजय मंडल, राजा मंडल, जिला कोषाध्यक्ष विकाश मंडल, जिला मंत्री रूप मंडल, नगर अध्यक्ष कल्पना मंडल, मोनिका मंडल, बुलू मंडल, जिला कार्य समिति सदस्य सुबल मंडल, विमल मंडल, शुभंकर मंडल, अशोक मंडल सहित क्षेत्र के लोग उपस्थित हुए।

ईसीआरकेयू ने पुरानी पेंशन को लेकर किया प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : एआईआरएफ और ईसीआरकेयू के आह्वान पर धनबाद शाखा एक के प्रांगण में शाहिद दिवस सह पुरानी पेंशन बहाली के लिए धरनाप्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसपर शाखा के लोगों ने अपनाअपना मंतव्य दिया। इस कार्यक्रम में शाखा द्वारा जोर सोर से पुरानी पेंशन बहाली की आवाज उठाई। शाखा सचिव बी. के. दुबे का कहना है कि रेलवे कर्मचारियों के लिए जो पुरानी पेंशन थी उस पेंशन को पुनः बहाली करने की माँग की है।जिसको लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।यदि अभिलंब इसपर विचार नही की गई तो कर्मचारी यूनियन आंदोलन करने के लिए बाध्य हो जाएगी। प्रदर्शन में मुख्य रूप से शाखा अध्यक्ष उपेन्द्र मंडल,कार्यकारी अध्यक्ष शिव प्रसाद,वाइस प्रेसिडेंट आर. एन.विश्वकर्मा, शाखा सचिव बी. के. दुबे, अशोक प्रसाद, नवनीत, मिथिलेश राय, एमडी शब्बीर एवं अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

रिटायर्ड कर्मियों को भी मिलेगा आवास

धनबाद (कासं) : देश की कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया ताबड़तोड़ राहत भरा निर्णय ले रही है। कर्मचारियों के आश्रित को नौकरी में रियायत की घोषणा की है तो अधिकारियों के आश्रितों को भी नौकरी में रियायत दी गई है। रिटायर्ड कर्मियों को भी आवास आवंटित करने के नियम की चर्चा चल रही है। इस बीच कोल इंडिया ने कोयले के ईऑक्शन को

आकर्षक बनाने के लिए भी रियायत देने की घोषणा की है।

श्रद्धा के साथ मनाई गई आषाढ़ी पूजा

केंदुआ (ससे) : वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत रविवार को खैरा नं० ४ शिव मंदिर मुहल्ला में श्री श्री सार्वजनिक वार्षिक आषाढ़ी पूजा पूरी श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाई गई। इस अनुष्ठान में मोहल्ले के भक्तों के द्वारा मां महारानी के प्रति असीम आस्था रखते हुए अपनीअपनी मन्नत के अनुसार पूजाअर्चना विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। वही मुहल्ले की ओर से महारानी माता, काली माता, शीतला माता, बिर्धिन देवी, डीहवाल बाबा, जखराज बाबा, नट बाबा, कुटुंब बाबा के नाम पर सर्व प्रथम धूप अगरबत्ती, फूल, बताशा, लड्डू का प्रसाद चढ़ाने के बाद खस्सी, मुर्गा, कबूतर की बलि दी गई।

मां महारानी की परंपरागत तरीके से बली चढ़ाने के प्रथा है। महिलाएँ मां महारानी की गीत गाकर गांव को खुशहाल रखने की कामना की। इस अनुष्ठान को लेकर स्थानीय पुजारी सह बलिकर्ता देवमुनी पासवान ने बताया कि प्रत्येक वर्ष यह पूजा मुहल्ले में मनाया जाता है। इसमे माता महारानी देवी एवं मां काली व् अन्य देवीदेवताओं की पिंडी स्वरूप में पूजा की जाती है। इस पूजा के होने से गांव में सभी लोग हर दुःख संकट से दूर रहते है। माता महारानी सबकी रक्षा करती है। इसलिए इस अनुष्ठान को मुहल्ले में वार्षिक आषाढ़ी पूजा सार्वजनिक तौर पर धूमधाम से मनाया जाता है। मौके पर पुजारी सह बलिकर्ता देवमुनी पासवान, सहायक पुजारी सनोज पासवान, कमलेश पासवान, अरुण कुमार सैनी, छोटन पासवान, वकील पासवान, देवेंद्र मालाकार, संजय मालाकार, सुनील मालाकार, अवधेश मालाकार, छोटू मालाकार, रंजीत यादव, संदीप ठाकुर, रौनक पासवान, रौशन पासवान, गरीब पासवान, महेश पासवान, कपिल पासवान, राहुल कुमार पासवान, सुनील पासवान, रंजीत पासवान, राहुल शर्मा, सुनैना देवी मालाकार, सपना देवी, शामा देवी, सबुज्वा देवी, सीमा देवी, अंजलि कुमारी, सुनीता देवी, रीता देवी, बसंती देवी, रंजना देवी, सुलेखा देवी आदि मौजूद थे।

बालेश्वर गोस्वामी के निधन पर शोक संवेदना

गोविंदपुर (ससे) : आसनबनी पंचायत के खिलकनाली गांव निवासी श्री राम जानकी रामनवमी अखाड़ा के लाइसेंसी ६४ वर्ष का निधन शनिवार को हो गया। उनके परिवार में पत्नी, पुत्र वार्ड सदस्य राजू गोस्वामी एवं एक पुत्री है। वह सामाजिक कार्यों में आगे रहते थे। गोस्वामी समाज के भी सक्रिय सदस्य थे। उनके निधन की खबर सुनकर मुखिया गयासुद्दीन अंसारी, पूर्व मुखिया सुभाष गिरि, गोस्वामी समाज के अध्यक्ष बैजनाथ गोस्वामी, दुर्गादास गोस्वामी, निरंजन गिरि समेत बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचे और संवेदना जताई। अंतिम क्रिया में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

लालमणि आश्रम में मनी मनोरंजन सिंह की पुण्यतिथि

धनबाद (कासं) : रविवार को लोहार बरवा रोड आसन डाबर टुंडी रोड में लालमणि आश्रम के संस्थापक स्व. मनोरंजन सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। सर्वप्रथम स्व. मनोरंजन सिंह की पत्नी नीतू सिंह आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी, सह सचिव सुरेन्द्र यादव, समाजसेवी कुमार मधुरेंद्र सिंह, रोहित कुमार, सुबल सिंह, शांति देवी सहित आश्रम में निवास करने वाले माता पिता तुल्य मौके पर आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी ने कहा हम तीन दोस्तों स्व. मनोरंजन सिंह स्व. रामजी यादव और मैंने २००६ इस वृद्धा आश्रम की नीव असहाय वृद्ध माता-पिताओं के आश्रय एवं सेवा के लिए रखी थी। उस समय आश्रम में महज दो खपड़े के कमरे थे। लेकिन आज स्व. मनोरंजन सिंह, स्व. रामजी यादव और मेरा संघर्ष प्रयास रंग लाई, जिससे आश्रम का विकास, उन्नति और धनबाद वासियों का आश्रम के प्रति खास ख्याल और सेवा बढ़ता ही गया।

उन्होंने कहा स्व. मनोरंजन सिंह की स्व. माता के नाम पर ही लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम रखा गया था। मौके पर आश्रम के अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद गद्दी, कोषाध्यक्ष प्रशांत वर्मा, सहसचिव सुरेंद्र यादव, सक्रिय सदस्य ओमकार मिश्रा, समाजसेवी कुमार मधुरेंद्र सिंह, रोहित कुमार, अजय ठाकुर, सीताराम चौधरी, बाबू जान सोरेन, विमला देवी, कमली देवी, नूरजहां खातून, फइम अंसारी, अजीत चक्रवर्ती, मनमोहन सरकार सुबल सिंह, शांति देवी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कंप्यूटर ऑपरेटरों ने मंत्री बेबी देवी को सौंपा मांग पत्र

धनबाद (कासं) : रविवार को झारखंड अन्तर्गत सभी जिलों के प्रखण्ड एवं अंचल कार्यालय में कार्यरत सामाजिक सुरक्षा विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर के द्वारा महिला बाल विकास सुधार एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग मंत्री बेबी देवी के आवास पर अपने मांग के समर्थन में ३ सूत्री माँग पत्र सौपा गया। मांगों में समान काम, समान वेतन, वर्ष तक नियोजन सुनिश्चित करना और स्वीकृत पद के विरुद्ध समायोजन करना है। ज्ञापन देने हेतु अनुज सिन्हा, मोतीलाल

महतो, टिंकू, केशव, जमील, उपल हेम्ब्रम, लक्ष्मी कुमारी, दीपक कुमार, जगरनाथ महतो, सुनील कुमार, बासुदेव महतो, राज सिन्हा, केशव कुमार आदि उपस्थित थे।

टीचर्स ट्रेंनिंग कॉलेज में सेमिनार

गोविंदपुर (ससे) : अलइकरा टीचर्स ट्रेंनिंग कॉलेज के सेमिनार हॉल में प्रशिक्षुओं के बीच रविवार को क्विज कंपटीशन का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को महात्मा गांधी हाउस एवं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हाउस में बांटा गया था। जिसमें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हाउस विजयी रहा। प्रश्नों का चयन एवं संचालन प्रो. अब्दुल्लाह एवं प्रो. ममता कुमारी सिन्हा ने किया। प्रभारी प्राचार्य प्रो. अशरफ अली ने विजेता टीम की घोषणा की। क्विज कंपटीशन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्राचार्य डॉ. शमीम अहमद ने कहा कि इससे बच्चों में पढ़ने के प्रति रुचि बढ़ती है एवं स्वस्थ प्रतियोगिता का विकास होता है। मौके पर डॉ. अनवर फातमा, नादरा रहमान, प्रेमशीला पाठक आदि मौजूद थे।

स्व. ए.के. राय की पुण्यतिथि मनाने की तैयारी

धनबाद (कासं) : रविवार को झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक एल. सी. रोड हीरापुर में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने की। बैठक को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि आगामी २१ जुलाई को धनबाद के पूर्व सांसद स्व. ए. के. राय का पुण्यतिथि लिंडसे क्लब हीरापुर में मनाने को लेकर बैठक की गई। सम्राट चौधरी ने कहा कि राय साहब धनबाद ही नहीं पूरे देश में एक अलग पहचान रखते थे। उन्होंने कभी सिद्धांत से समझौता नहीं किया। अपना पूरा जीवन किसान और मजदूरों के लिए न्यौछावर कर दिया। सांसद रहने के समय जितना भी सरकारी सुविधा था वह नहीं लेते थे। अपना पेंशन भी राष्ट्रपति कोर्स में दान दे दिया था, बैठक में मुख्य रूप से जिला सचिव राणा चट्टराज, कल्याण घोषाल, कल्याण भट्टाचार्य, बादल सरकार, सुशोभन चक्रवर्ती, जयदीप बनर्जी, कल्याण राय, सुमंतो मुखर्जी अमिताभ बैनर्जी, रघुनाथ राय, टोनी बनर्जी आदि लोग शामिल थे।

साइबर क्राइम पर सिविल कोर्ट में जागरूकता कार्यशाला

धनबाद (कासं) : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा के निर्देश पर डालसा द्वारा सिविल कोर्ट धनबाद में साइबर क्राइम उसके प्रकार, रोकथाम और बचाव के उपाय पर कार्यशाला का आयोजित हुई। कार्यशाला में साइबर सेल के प्रशिक्षित अधिकारी गौरव कुमार एवं जगरनाथ पंडित साइबर एक्सपर्ट ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्ताओं को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

साइबर एक्सपर्ट गौरव कुमार ने कहा कि यदि हम जागरूक रहें, लालच में न आएं और डरने की बजाय सावधानियां बरतें तो साइबर अपराधी न तो ठग सकेंगे और न ही निजता को प्रभावित कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि बैंक वाले पासवर्ड या फिर खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी नहीं पूछते हैं। विद्युत निगम के कर्मचारी अचानक रात में कनेक्शन नहीं काटते हैं। बिना डाले लॉटरी नहीं निकलती है और बेवजह पैसा आपके खाते में नहीं आ सकता है। सरकार का आपके खाते पर स्ट्रांग लॉक लगा है। साइबर क्राइम को कैसे रोकें?इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करते समय साइबर अपराध के प्रकारों और रोकथाम के बारे में जागरूक होना उपयोगकर्ताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिसके पास व्यक्ति, संगठन या सरकार के वेब खातों तक पहुंच है, उसे संदिग्ध गतिविधियों से सावधान रहना चाहिए। साइबर अपराध को रोकने और अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए अपने ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें। अपडेटेड सॉफ्टवेयर्स/ एप्लीकेशन्स का इस्तेमाल करें। इंटरनेट एक्सेस के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों पर हमेशा एंटीवायरस का उपयोग करें और उन्हें अपडेट रखें। केवल वैध वेबसाइटों तक पहुंचने के लिए वेब ब्राउज़िंग रेलिंग सेट करें। मजबूत पासवर्ड का प्रयोग करें और उन्हें बदलते रहें। अलगअलग प्लेटफॉर्म के लिए कभी भी एक ही पासवर्ड का इस्तेमाल न करें। स्पैम ईमेल में अटैचमेंट/यूआरएल खोलने से बचें।

ऐसे लिंक न खोलें जिनका सोर्स अज्ञात हो। संदिग्ध संदेश/ईमेल के मामले में सीधे स्रोत से संपर्क करें। बैंक खाते की शेष राशि और गतिविधियों से अवगत रहें। कार्यशाला के विषय में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन ने कहा कि इंटरनेट की दुनिया अब साइबर अपराधियों के कारण सुरक्षित नहीं है। भले ही इंटरनेट लोगों के जीवन में बड़े बदलाव लाए हो लेकिन अब उतना ही खतरनाक साबित हो गया है। हर साइबर अपराधी लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

बीबीएम कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

बलियापुर (ससे) : बीबीएम कॉलेज में रविवार को इश्यू एण्ड चैलेंजज इन मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च एंड प्रेक्टिस विषय पर दो दिवसीय नेशनल सेमीनार आयोजित किया गया। जिसमें बिहार, झारखंड, बंगाल, तमिलनाडु समेत अन्य कई राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बीबीएमकेयू के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉक्टर पवन कुमार पोद्दार बतौर मुख्य अतिथि थे।

सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि पवन कुमार पोद्दार, पूर्व विधायक आनंद महतो, भाजपा नेत्री तारा देवी, सिद्धू कान्हू बिरसा यूनिवर्सिटी के डॉक्टर अपूर्व शाहा, सिवान के डॉक्टर सुनील कुमार, बेंगलुरु के चेतन कुमार मिश्रा, बोकारो कॉलेज के प्रोफेसर नरेंद्र सिंह, बाघमारा कॉलेज के डॉक्टर राजीव पांडेय, बीबीएम कॉलेज के सचिव अधिवक्ता राहुल कुमार महतो, विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि लीलावती कुमारी, डॉक्टर एसके सिन्हा, प्राचार्य डॉक्टर पीसी मंडल, प्रोफेसर सुकुमार महतो ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि डॉ पोद्दार ने देश एवं समाज के विकास के लिए कार्यक्रमों के सराहना की। कहा कि प्रत्येक विषयों में अपने-अपने विशेषज्ञ एवं विद्वान होते हैं। विशेषज्ञों के द्वारा भी किसी भी कार्य को संपन्न कराया जाता है। अलगअलग विषयों के विशेषज्ञों को साथ लेकर सामुहिक रिसर्च के द्वारा किसी भी समस्या का हल किया जा सकता है। कॉलेज की छात्रा मुस्कान ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान प्रस्तुत किया। अतिथियों को मोमेंटो प्रदान किया गया। सेमिनार का संचालन प्रो एपी भंडारी ने किया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन इंटर नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीच्यूट धनबाद व बीबीएम कॉलेज बलियापुर की ओर से किया गया।

कतरास हटिया में पूर्व मुखिया के साथ मारपीट

धनबाद (कासं) : कतरास हटिया में मामूली विवाद को लेकर रविवार को हटिया के संवेदक और रघुनाथपुर के पूर्व मुखिया गणेश महतो उर्फ वीरू महतो की कुछ लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। उनके सिर में गहरी चोट है। वीरू महतो ने बताया कि वह सुबह में अपने काम से हटिया आए थे। उस समय हटिया में जहांतहां गाड़ियां खड़ी थीं, जिन्हें हटावा दिया गया। तभी हीरालाल महतो उनके पास आये और कहा कि हटिया का ठेकेदार तुम हो और जहांतहां रोड पर गाड़ी लगवा देते हो। हीरालाल महतो और उनके साथ आए ४५ लोगों ने गालीमलौज शुरू कर दी। हटिया में रशीद काट रहे स्टाफ से भी उलझ गए। कहने लगे कि रशीद नहीं काटने देंगे। इनमें से कुछ लोगों ने वहां मौजूद वीरू महतो के भाई हीरा महतो की गर्दन पकड़ ली, जबकि कुछ लोग वीरू महतो को भी पकड़े हुए थे। तभी किसी ने नुकीले हथियार वीरू के सिर पर वार कर दिया, जिससे सिर फट गया। भाई के साथ भी मारपीट की। उन्होंने बताया कि जब से हटिया का टेंडर लिये हैं, तब से वो लोग रशीद काटने में बाधा पहुंचा रहे हैं। वीरू महतो ने घटना की लिखित शिकायत कतरास थाने में की है. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया है।

जमीन विवाद में हत्या, बिनोद बिहारी चौक किया जाम

धनबाद (कासं) : धनबाद के बारामुड़ी में जमीन विवाद में स्थानीय निवासी मोती यादव की मौत से गुस्साए लोगों ने बिनोद बिहारी चौक के पास सड़क जाम कर दी। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन बिनोदबिहारी चौक पहुंचे और बीच सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। टायर जलाकर सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया।

लोगों के आक्रोश को देखते हुए आसपास की दुकानें और कई मॉल बंद हो गए। कई घंटे तक जाम लगा रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया, इसके बाद मोती यादव के परिजन धनबाद थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। मारपीट की घटना शनिवार को हुई थी। घायल मोती यादव को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बताया जाता है कि मोतीलाल यादव ने करीब तीन महीने पहले ही जमीन खरीदी थी। गुरुवार को वे अपनी जमीन पर चारदीवारी का निर्माण करा रहे थे। पुत्र सुभाष यादव भी साथ था। आरोप है कि विशुनपुर बस्ती के शिबू, शंकर, अभिषेक व प्रफुल्ल ने उनके साथ मारपीट की। सभी लाठी और डंडा से लैस थे।

जमीन पर पहुंचते ही युवकों ने वार करना शुरू कर दिया। इस घटना में पिता और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गये थे। मोती यादव के सिर में गंभीर चोट लगी थी। सिर की हड्डी टूट गई थी और महत्वपूर्ण नसों को भी नुकसान पहुंचा था। उन्हें अस्पताल के सेंट्रल इमरजेंसी की एसआईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया था, जहां उनकी मौत हो गई।

आदर्श सेवा समिति ने किया पौधारोपण

धनबाद (कासं) : मैथन आदर्श सेवा समिति (मास) ने रविवार को मैथन क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया। समिति के सचिव शंकर गांगुली ने बताया कि डीवीसी प्लस टू उच्च विद्यालय, रांची कॉलोनी, मिनी मार्केट, नेताजी नगर, गोगना छठघाट आदि स्थानों पर आम, पीपल, बेल, मेहगनी आदि के पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान समिति के पदाधिकारियों ने गरीब, प्रतिभावान व मेधावी छात्रा प्रियंका कर्मकार को आगे की पढ़ाई के लिए किताब, कॉपी, कलम व सामाग्री उपहार के स्वरूप में दी। साथ ही आगे भी पढ़ाई में मदद का आश्वासन दिया। मौके पर मैथन ओपी प्रभारी आकृष्ट अमन, सीडब्ल्यूसी निदेशक शशि राकेश, डीवीसी के पूर्व महाप्रबंधक रूद्र प्रताप सिंह, समिति के अध्यक्ष अशोक मंडल, डीवीसी प्लस टू उच्च विद्यालय के प्राचार्य आईबी झा, अर्जुन पाठक विकल, गोराचंद मंडल, अभिषेक राय, सम्पा राय, अंजना मुखर्जी, संगीता गांगुली, रेवा सेनगुप्ता, प्रमोद देवी, कोमल कुमारी, अंजली लाल, आईबी चौधरी, सुदामा शर्मा आदि उपस्थित थे।

नव निर्वाचित पदाधिकारियों की पहली बैठक

धनबाद (कासं) : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के धनबाद जिला कमिटी के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की पहली बैठक ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा के आवासीय कार्यालय मां वाणी एनक्लेव बरवाअड्डा में जोन अध्यक्ष हरेंद्र रजक की अध्यक्षता में हुई। नव निर्वाचित धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो के द्वारा नवनिर्वाचित धनबाद नगर जिलाध्यक्ष शक्तिनाथ महतो, धनबाद ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा केंद्रीय सचिव दीपक रवानी और सभी पदाधिकारियों को अभिनंदन किया गया। बैठक का संचालन धनबाद जिला प्रवक्ता नीरज शर्मा के द्वारा किया गया जिलाध्यक्ष और सभी पदाधिकारियों के द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत प्रखंड कमिटी विस्तार बूथ कमिटी मजबूतीकरण कैसे हो। इस विषय में रणनीति तैयार किया गया और केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो के निर्देशानुसार एक सप्ताह के दौरान प्रखंड कमिटी पंचायत कमिटी बूथ कमिटी विस्तार का निर्णय लिया गया।

मौके पर डिम्पल चौबे महिला मोर्चा नगर जिलाध्यक्ष भारती कुमारी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष भाग्यवती देवी, कोषाध्यक्ष बसंती देवी, उपाध्यक्ष जोशना देवी, महासचिव विद्यासागर महतो, सलाउद्दीन अंसारी, महासचिव धीरज सिंह, कोषाध्यक्ष पप्पू पहाड़ी महतो, प्रवक्ता नीरज कुमार राय, विमल कुमार पाठक, महानंद महतो, महामंत्री भागीरथ महतो, इकलाख अंसारी, शंकर महतो, मनोहर महतो, अर्जुन महतो आदि मौजूद थे।

चिटाही मामले में एसआईटी से जांच कराएं सरकार : सरयू राय

धनबाद (कासं) : धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो के समर्थकों ने जमीन विवाद में ४ दिन पहले बाघमारा की चिटाही बस्ती की महिलाओं के साथ मारपीट की थी। पीड़ित पक्ष के समर्थन में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय रविवार को धनबाद पहुंचे। उन्होंने एसआईटी गठित कर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की। धनबाद जिला प्रशासन पर अविश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस मामले में वह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर एसआईटी गठन की मांग करेंगे। केवल एक्स पर प्रतिक्रिया देकर एफआईआर करवा देना ही काफी नहीं है। मुख्यमंत्री को यह भी बताना होगा कि एसआईटी कितने दिनों में अपनी जांच रिपोर्ट देगी। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मिलकर कार्रवाई की मांग करेंगे। मालूम हो कि ढुल्लू महतो के समर्थकों की मारपीट में डोमन महतो की पत्नी नीरा देवी, बेटी व घर की दो अन्य महिलाएं घायल हो गईं। गंभीर रूप से घायल नीरा देवी का एसएनएमएमसीएच में इलाज चल रहा है। उनके खेत पर बुलडोजर चला दिया था। मुख्यमंत्री ने इस मामले में संज्ञान लेकर डीसी और डीजीपी को जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया था, इसके बाद एफआईआर दर्ज की गई।

धनबाद परिसदन में आयोजित प्रेसवार्ता में सरयू राय ने कहा कि सांसद के समर्थकों ने जिस प्रकार डोमन महतो के परिवार के साथ मारपीट की है, यह घटना रोंगटे खड़े करने वाली है। पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस मामले में बरोरा थाना प्रभारी की भूमिका शर्मनाक है। घायल महिला तड़पती रही और थाना प्रभारी मोबाइल देखते रहे। घायल को अस्पताल ले जाना भी जरूरी नहीं समझा। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को हर कानूनी सहायता मुहैया कराएंगे। जरूरत पड़ी तो मुकदमा लड़ने के लिए क्राउड फंडिंग कराएंगे।

बिरसा फोर्स प्रखंड कमिटी का किया गठन

धनबाद (कासं) : तोपचांची झील के लीची बागान में रविवार को बिरसा फोर्स की प्रखंड कमिटी का विस्तार किया गया। बिरसा फोर्स के संस्थापक अजमुल अंसारी ने कहा कि संस्था क्षेत्र की जन समस्याओं को उठाकर उनका समाधान करा रही है। झामुमो से निष्कासित किए जाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि आज भी वह झामुमो का सच्चे सिपाही हैं। पार्टी से निष्कासन की बात निराधार है। क्योंकि इसकी औपचारिक सूचना नहीं दी गई है। कुछ लोगों ने एक षड्यंत्र के तहत ऐसा किया है। कहा कि मैं सीएम हेमंत सोरेन व पार्टी सुप्रीमो गुरुजी का सिपाही हूं, किसी के बोल देने से पार्टी से नहीं निकल जाऊंगा। जिला अध्यक्ष को सोकॉज करने का अधिकार है। निष्कासन का अधिकारी पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को है। पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता चुनाव लड़ने की दावेदारी पेश कर सकता है।

महिला की मौत के बाद लक्ष्मी क्लिनिक का घेराव

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत गोड़तोपा गांव निवासी मुश्ताक अंसारी की पत्नी सोनी खातून २८ वर्ष की मौत प्रसव के बाद शुक्रवार देर रात हो गई। उसे गोविंदपुर ऊपर बाजार के एक क्लिनिक से असर्फी अस्पताल रेफर किया गया था। प्रसव के बाद रक्तस्राव बंद नहीं हो रहा था। इसके बाद उसे असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद जिप सदस्य सोहराब अंसारी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने लक्ष्मी क्लिनिक का घेराव कर दिया। घेराव शुक्रवार आधी रात के बाद से शनिवार सुबह तक जारी रहा। इसके बाद समझौता हुआ। इसके तहत मृतक के परिवार को क्लीनिक की ओर से आठ लाख का मुआवजा दिया जाएगा। मृतका पूर्व मुखिया लुकमान अंसारी की पुत्री थी। उसकी शादी गांव में ही हुई थी तथा उसे पहले से दो पुत्रियां हैं। शुक्रवार को एक पुत्री के जन्म के बाद मां की मौत हो गई। इस संबंध में किसी भी पक्ष ने थाना में कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई है।

दर्जनों युवकों ने मोहर्रम का पेग बांधा

बलियापुर (ससे) : मोहर्रम कमिटी द्वारा ब्राह्मणडीहा के हुचुकटांड़ टोला दरगाह में रविवार को कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष ईदू अंसारी के नेतृत्व में एक दर्जन युवकों को पेग बांधे गए। इस दौरान युवकों ने हुचुकटांड़ करबला मैदान पहुंचे। इसके बाद ही विभिन्न इलाकों के सात दरगाहों में तीन दिनों तक हाजरी देंगे। मौके पर मोहम्मद मोहसीम अंसारी, समीम अंसारी आदि मौजूद थे।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के बिग बी ने छूए पैर

मुंबई (ईएमएस) : अनंत राधिका की शादी के बाद १३ को आशीर्वाद सेरेमनी रखी गई थी, जहां बॉलीवुड के साथ टॉलीवुड, हॉलीवुड, राजनीतिक, धार्मिक गुरु और बिजनेस इंडस्ट्री से कई नाम हस्तियां कपल को आशीर्वाद देने पहुंचीं। वहीं, समारोह में जगद्गुरु रामभद्राचार्य भी शामिल हुए, जहां सदी के महानायक अमिताभ बच्चन उनके चरण छूते दिखाई दिए। अब उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बिग बी से परिचय होने पर रामभद्राचार्य अपनी सीट से उठे और उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। कुछ देर तक उन्होंने बातचीत की और इसके बाद अमिताभ गुरू के चरणों में झुक गए और पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। बता दें, अमिताभ अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के आशीर्वाद समारोह में दामाद निखिल नंदा और नातिन नव्या के साथ पहुंचे थे। बाद में बहू ऐश्वर्या और पोती आराध्या भी नजर आई।

मोहर्रम शांतिपूर्ण से मनाने का लिया निर्णय

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के २४ अखाड़ा में मोहर्रम निशान झंडा उर्दू सप्तमी के दिन लहराया गया है। जिसमें शामिल है भागा, जामाडोबा, जीतपुर, डिगवाडीह, बरारी आदि हैं। थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने बताया है कि शांति समिति के सहयोग से मोहर्रम को शांति पूर्व मनाया जाएगा। बुधवार को दशमी के दिन में सभी अखाड़े में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया जाएगा। थाना प्रभारी ने कहा है कि बेहतर खेल का प्रदर्शन करने वाले को इनाम दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे सहायक अध्यापक

धनबाद (कासं) : जबजब राज्य के सहायक अध्यापक अपने मांगों को लेकर आंदोलन पर रहें है। आंदोलन को कमजोर बनाने के लिए, परियोजना परिषद् रांची के द्वारा कल्याण कोष का लॉलीपॉप निरंतर १० वर्षों से दिखाया जा रहा है। इस बार संघर्ष मोर्चा के साथी कल्याण कोष की बैठक को बहिष्कार किया। पिछले १० वर्षो से सहायक अध्यापकों का कल्याण कोष का लाभ अब तक नहीं मिल पाया। सहायक अध्यापकों को कल्याण कोष के नाम पर विगत १० वर्षों से केवल समय पार कर रही है। इसलिए झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के राज्य सदस्यों ने कल्याण कोष की बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। उक्त बातें संघर्ष मोर्चा के राज्य सदस्य निरंजन कुमार दे व सुशील पाडेय ने संयुक्त बयान जारी कर कहा। इस बार मुख्यमंत्री आवास घेराव ऐतिहासिक होगी। हेमंत सरकार सहायक अध्यापकों से किए गए वादे को अभिलंब पूरा करना होगा, अन्यथा आंदोलन को उग्र किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से जिला सदस्य नरेश महतो, इकबाल सईद, प्रखंड सदस्य संतोष महतो, बिशु महतो, जैनुल अंसारी, कल्याण चक्रवर्ती, राबीय खातून, श्याम सुन्दर गोस्वामी, कमल भंडारी, हलधर कुम्भकार, मार्गुबुल ओला खान, रीजवान, गिरीश सज्jाद, निमाई गोराई, श्रीकांत दता, अमजद अन्सारी, संजय उपाध्याय, उस्मान अन्सारी, राजु रविदास, गणेश कुम्भकार, हाजी इल्यिास, अनादी मंडल, भीम बाऊरी, हाक़िम अन्सारी, मृत्युंजय मंडल, सुभाष रविदास, ताहीर अन्सारी, काली चरण, मरांडी, मनोज रजक आदि उपस्थित हुए।

बीडीओ ने किया बीएलओ संग समीक्षा बैठक

बलियापुर (ससे) : उपायुक्त धनबाद के निर्देशानुसार सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा ने रविवार को सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर के साथ ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के प्रगति हेतु समीक्षा बैठक की।

देश के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस) : दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में बारिश से माहौल खुशगंवार हो गया है। इस बारिश के बाद उमस ने लोगों को परेशान कर दिया है। वहीं, देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से आई बाढ़ से लाखों लोग बेघर हो गए हैं और लोगों का जीवन अस्तब्यस्त हो गया है। हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश के कारण १५ सड़कें पूरी तरह बंद हैं। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र में कई जिलों में भी भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक आज दिल्ली में बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण दिल्ली के तापमान में गिरावट आ सकती है। आज दिल्ली का न्यूनतम तापमान २५२६ डिग्री रह सकता है। वहीं, अधिकतम तापमान ३५ डिग्री रहने की उम्मीद है। दिल्लीएनसीआर में अगले कुछ दिनों तक हल्की बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि १७ जुलाई तक दिल्ली और नोएडा में हल्की बारिश जारी रहेगी। आईएमडी ने पश्चिमी महाराष्ट्र के तटीय जिलों रायगढ़ और रत्नागिरी तथा कोल्हापुर और सतारा में रेड अलर्ट जारी कर १४ जुलाई को भारी बारिश की चेतावनी दी है।

मनरेगा मजदूरों को खुदाई में मिल गया खजाना

कन्नूर (ईएमएस) : केरल के कन्नूर जिले में रबड़ के बागान में बारिश के पानी को जमा करने के लिए गड्ढे खोद रहे मनरेगा मजदूरों के हाथ 'बड़ा खजाना' लगा। जमीन को कुछ फीट खोदने पर मजदूरों को लगा कि जमीन के नीचे कुछ गड़ा हुआ है। मिट्टी हटाने पर भी कुछ दिखा नहीं कि क्या है। इससे मजदूर को लगा कि यह बम है। लेकिन,कुछ देर बाद हिम्मत करके बाहर निकालकर देखा तब वो मिट्टी का मटका था। मटके को तोड़ने पर उसमें से सोनेचांदी के आभूषण और चांदी के सिक्के निकले। दूसरे दिन जब फिर से उस स्थान की खुदाई की गई, फिर सोनेचांदी के सिक्के मिले। पुरातत्व विभाग इसकी जांच करने की योजना बना रहा है कि इस क्षेत्र में और भी खजाना है या नहीं। वे खोजी गई वस्तुओं की प्रामाणिकता की भी पुष्टि करने में लगे हैं। अधिकारी ने कहा, जिस स्थान से प्राचीन वस्तुएं बरामद हुई हैं, उसका कोई ऐतिहासिक महत्व नहीं है। इसलिए ये वस्तुएं किसी निजी संग्रह का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि, हम जांच के बाद ही सही निष्कर्ष निकल सकते है। रबड़ के बागान में वर्षा जल संरक्षण के लिए मनरेगा मजदूरों को एक समूह खुदाई कर रहा था। तभी जमीन के नीचे एक मिट्टी का बर्तन उन्हें मिला। पहले श्रमिकों ने बर्तन को बम समझ लिया. लेकिन, बाद में जब हिम्मत कर इसकी जांच की तब पता चला कि यह मिट्टी का बर्तन है। जब फोड़ा तब इसमें से १७ मोती की माला, १३ सोने के पदक, चार पारंपरिक आभूषण 'कशुमाला' पदक, एक जोड़ी बालियां और चांदी के सिक्के मिले। एक श्रमिक ने बताया कि सोने और चांदी की वस्तुओं को देखकर, हम हैरान और भ्रमित हो गए कि क्या करें।

गुजरात में दुनिया का एक मात्र शहर जहां मांसाहार पर है पूर्ण प्रतिबंध

भावनगर (ईएमएस) : गुजरात में दुनिया का एक मात्र ऐसा शहर है जहां मांसाहार पर पूर्ण प्रतिबंध है। यह शहर है सौराष्ट्र के भावनगर जिले का पालीताणा। जहां मांस तो क्या अंडे तक की बिक्री और खाने पर प्रतिबंध है। दरअसल पालीताणा शहर मुख्य रूप से जैन तीर्थ स्थल के रूप में विख्यात है और मांसाहार पर प्रतिबंध लगाने से यहां की पवित्रता बनाए रखने में मददगार होगा। पालीताणा में मांसाहार पूर्ण प्रतिबंध लगाने का ऐतिहासिक निर्णय के पीछे जैन मुनि का लगातार विरोध प्रदर्शन रहा है। वर्ष २०१४ में करीब २०० जैन मुनियों ने शहर में २५० कसाइयों की दुकानें बंद करवाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल की थी। राज्य सरकार ने जैन समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए पालीताणा में मांसाहार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। अब पालीताणा में न केवल मांस बल्कि अंडे की बिक्री भी बंद है। किसी भी पशु का कत्ल करने पर भी रोक है। अगर कोई प्रतिबंधों का उल्लंघन करता है तो दंड का प्रावधान है। पालीताणा में मांसाहार पर पूर्ण प्रतिबंध जैन धर्म के अनुयायियों की बड़ी जीत है और उनकी धार्मिक मान्यताओं के सम्मान का प्रतीक है। साथ ही शाकाहारी जीवनशैली को प्रोत्साहन देने की दिशा में बड़ा कदम है।

विभिन्न विद्यालयों के 125 विद्यार्थियों ने सीखे योग स्पर्धाओं के गुर

बोकारो (ससे): बोकारो जिला योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन की ओर से डीपीएस बोकारो में आयोजित योगासन संबंधी दो-दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का समापन रविवार को हुआ।

दो दिनों की इस अवधि में डीपीएस बोकारो सहित शहर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग १२५ छात्र-छात्राओं को योगासन से संबंधित तकनीकी गुर सिखाए गए। कार्यक्रम में बतौर रिसोर्स पर्सन झारखंड योग-रत्न से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक विकास गोप एवं राष्ट्रीय प्रशिक्षक शंकर राणा ने प्रतिभागी बच्चों को योगासनों से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने अभ्यागत रिसोर्स पर्सन्स के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण, जिला सचिव एवं डीपीएस बोकारो के क्रीड़ा शिक्षक ब्रजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव एवं डीपीएस बोकारो की खेल शिक्षिका निभा कुमारी तथा कोषाध्यक्ष सह दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के प्रशासक राजन सिंह के अलावा विभिन्न विद्यालयों के क्रीडा शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में डॉ. गंगवार ने सभी प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग शरीर, मन एवं आत्मा को एक-दूसरे से जोड़ने की भारत की सनातन व प्राचीन विद्या है।

यह हमारे शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने क्रीड़ा के रूप में योग का प्रचार-प्रसार एक अभिनव प्रयास एवं महत्वपूर्ण बताया। यह भी कहा कि विद्यार्थियों के पठन-पाठन में एकाग्रता तथा उनकी अतः चेतना के विकास में योग काफी आवश्यक है। प्रशिक्षण के समापन पर उन्होंने विद्यालयवार प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र दिया, वहीं रिसोर्स पर्सन को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

रिसोर्स पर्सन विकास गोप ने बताया कि अब शिक्षा नीति में भी योगासनों को शामिल गया है। वर्ष २०२६ में एशियाई खेलों और भारत की मेजबानी में २०३६ होने जा रहे ओलंपिक में योग संबंधी क्रीड़ाएं होंगी। उन्होंने कहा कि बच्चों में योग के प्रति जागरूकता अति आवश्यक है। इस दिशा में इस प्रकार का प्रशिक्षण प्रतियोगिता से पूर्व महत्वपूर्ण है।

रिसोर्स पर्सन श्री गोप व श्री राणा ने कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी बच्चों को योग प्रतियोगिताओं के पैटर्न, खेल के रूप में योग की वैश्विक महत्ता, विभिन्न प्रकार की योग स्पर्धाओं, आसनों के प्रकार, आसन विशेष के निर्धारित समय, आयुवार उसकी आवश्यकता एवं महत्व, शारीरिक संतुलन आदि की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि १२ प्रकार की योग स्पर्धाएं होती हैं और ८४ लाख आसन हैं।

कार्यक्रम में पारंपरिक योग एवं कलात्मक योग की विभिन्न स्पर्धाओं से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। उद्घाटन समारोह का संचालन डीपीएस बोकारो की खेल सचिव अनन्या राज ने किया।

भाजपा नेता ने कार्यकर्ताओं को किया आभार व्यक्त

डुमरी (ससे): भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने रविवार को प्रखंड के निमियांघाट मंडल अन्तर्गत रोशनाटुंडा पंचायत के चकरबरई में पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों से भेंट कर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री एवं चन्द्रप्रकाश चौधरी को दुबारा गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र का सांसद बनाने पर आभार व्यक्त किया.इस दौरान उन्होने ग्रामीणों की जनसमस्याओं को सुना,ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के तहत क्षेत्र में बनाये गये जलमिनार निर्माण कार्य में संवेदक द्वारा भारी अनियमितता बरतने के कारण ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पा रहा है,समस्याओ को सुनने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचे,उसके लिए जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना लाये लेकिन राज्य में इतना ही ना लूट खसोट चल रहा है की यह योजना अन्तर्गत लगा जलमिनार पूरी तरह से सफेद हाथी बनकर रह गया है,कहा कि झारखण्ड सरकार चाहती ही नहीं है की गरीबों के घर में भी नल के तहत पेयजल मिले।इस दौरान तेजलाल सिंह, रामू महतो, गिरधारी महतो बालदेव सिंह सुरेश बंगाली छुट्टू सिंह बासुदेव सिंह तुलसी सिंह साधु सिंह अर्जुन सिंह भुनेश्वर सिंह सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

आवासीय रेसिर्डेंसी में लगाया गया विशेष शिविर

बोकारो (ससे): रविवार को उप विकास विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरिजा शंकर प्रसाद ने फोटो युक्त मतदाता सूची द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एस एस आर २०२४) के तहत ३६-बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या २६८, २८४, २७६ एवं २६४ में होम टू होम (घर - घर जाकर) सर्वे कर मतदाता सूची का सत्यापन किया। वहीं, अब तक किसी कारण से छूटे हुए परिवार के सदस्यों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने एवं सूची में अंकित नाम में त्रुटि में सुधार को लेकर विभिन्न प्रपत्र व प्रक्रिया की जानकारी दी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर रविवार को जिला मुख्यालय स्थित मालती रेसिडेंसी एवं आशियाना गार्डन फेज फोर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जहां आवास करने वाले लोगों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने एवं मतदाता सूची में दर्ज नाम के त्रुटि को सुधारने को लेकर प्रपत्र प्राप्त किया गया। निर्वाची पदाधिकारी बोकारो सह अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता ने शिविर का जायजा लिया। उन्होंने रेसिडेंसी में रहने वाले लोगों का शत-प्रतिशत नाम मतदाता सूची में जोड़ने एवं आने वाले विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का अपील किया। मौके पर सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ चास, सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह आवासीय दंडाधिकारी, एवं कार्यपालक दंडाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

केबी हाई स्कूल में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

डुमरी (ससे): युवा कांग्रेस प्रखंड कमिटी द्वारा केबी हाई स्कूल के मैदान में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन १३जुलाई (शनिवार) की देर संध्या को पुरस्कार वितरण के साथ हो गया।फाइनल मैच परसाबेड़ा और डुमरी के बीच खेला गया जिसमें परसाबेड़ा की टीम एक विकेट से विजयी रहा।

विजेता टीम को २५००० रुपये नगद व ट्रोफी एवं उपविजेता टीम को १५००० रुपये नगद व ट्रोफी दिया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित युवा कांग्रेस के जिला सचिव सरफराज अहमद गुड्डु परसाबेड़ा मुखिया हसमुद्दीन अंसारी, जब्बार अंसारी आदि ने विजेता और उपविजेता टीम को आयोजन कमिटी द्वारा निर्धारित नगद राशि और ट्रोफी देकर सम्मानित किया।जबकि वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि खेल शरीर को जहां स्वस्थ बनाता है साथ ही हमें अनुशासन में रहने के लिए सीखाता है।

कहा कि ऐसे टूर्नामेंट के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी खेल प्रतिभाओं को अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है।इस दौरान अमन कुमार,इमरान अंसारी कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कपिल ठाकुर, रोहित कुमार, सनाउल्लाह अंसारी, सदीक अंसारी, पप्पू कुमार, समीर अंसारी, इकबाल अंसारी, असलम अंसारी, रूपु कुमार, मकसूद अंसारी, सलमान खान, सोहेल, सैफ, सदाम, जाकीर, सुनीता देवी, फुलमनी देवी आदि दर्जनों खेल प्रेमी उपस्थित थे।

उत्पाद विभाग ने किया विदेशी शराब जब्त

बोकारो (ससे): रविवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश एवं सहायक आयुक्त उत्पाद के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने जरीडीह थाना अंतर्गत टांडबालीडीह ग्राम में छापेमारी किया। विधिवत तलाशी क्रम में जीवन लाइन होटल द्वारा उपयोग में लाए जा रहे गोदाम से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद हुआ्। इस मामले में घटनास्थल पर मौजूद भोला साव को उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। छापेमारी अभियान में विदेशी शराब १९९.५ लीटर जब्त किया गया। छापेमारी टीम में निरीक्षक उत्पाद संजीत देव, अवर निरीक्षक सदर कृष्णा प्रजापति, अवर निरीक्षक उत्पाद तेनुघाट दीपिका कुमारी सहित गृहरक्षक बल शामिल थे।

मुहर्रम सौहार्द व शांतिपूर्ण माहौल में मनाये : थाना प्रभारी

.कोडरमा (ससे): कोडरमा सतगावां मुहर्रम त्योहार शांति एवं सौहार्द पूर्वक एवं सम्पन्न कराने को लेकर रविवार को सतगावां थाना परिसर में बीडीओ सौरव कुमार की अध्यक्षता में शांति-समिति की बैठक आयोजित की गयी। जबकि संचालन थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने की। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ सौरव कुमार ने कहा कि प्रत्येक पर्व त्योहार हमें शांति का संदेश देता है।

वहीं उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा एवं सौहार्द के साथ मुहर्रम पर्व मनाने की अपील की तथा शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम पर्व सम्पन्न कराने में सहयोग करने को कहा। वहीं थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने कहा कि किसी तरह के अफवाह पर ध्यान नहीं देना है। अफवाह की जानकारी मिलने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दें्।

छात्रा पर संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा था शिक्षक, गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस); गुजरात के महिसागर जिले के सरकारी स्कूल में नाबालिग लड़की के यौन शोषण का मामला आया है। पुलिस ने स्कूल के एक शिक्षक को १६ वर्षीय छात्रा का यौन उत्पीड़न कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस घटना से गुस्साए लोगों के एक समूह ने रंजीतपुरा गांव में स्थित हाई स्कूल में तोड़फोड़ की है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद ही आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा, आरोपी शिक्षक नाबालिग छात्रा को बार-बार परेशान कर रहा था।

डीडीसी ने केजीएबीवी चास का किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): रविवार को उप विकास विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरिजा शंकर प्रसाद ने द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीएबीवी) चास का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने विद्यालय में गठित बाल संसद के छात्राओं के साथ विद्यालय के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

वहीं, शैक्षणिक कार्यों में आ रही समस्याओं से अवगत हुए एवं समाधान के दिशा में कार्य करने की बात कहीं्। उप विकास आयुक्त ने विद्यालय वार्डन को विद्यालय परिसर की साफ-सफाई आदि का उचित प्रबंध करने को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने विद्यालय समीप निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का भी जायजा किया एवं कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

यूपी में बीजेपी की हार पर नड्डा योगी समेत दिग्गज नेता करेंगे महामंथन

लखनऊ (एजेंसी): भारतीय जनता पार्टी (इगझ) यूपी लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार की लगातार समीक्षा कर रही है. इसी क्रम में रविवार १४ जुलाई को भी हार पर महामंथन होना है. इसके लिए जेपी नड्डा, सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ समेत कई दिग्गज लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के आंबेडकर सभागार में एक दिवसीय बैठक करेंगे.

जेपी नड्डा की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में राजनैतिक प्रस्ताव भी पारित होंगे. साथ ही २०२७ में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर रोडमैप तैयार किया जाएगा. इसके अलावा प्रदेश संगठन के आगामी कार्यक्रमों और अभियानों की रुपरेखा भी तय की जाएगी. पार्टी हाल ही में हुए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देगी. सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में करीब तीन प्रस्ताव रखे जाने की संभावना है. सबसे पहले राजनैतिक प्रस्ताव रखा जाएगा, जिसमें केंद्र में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने के लिए जनता के साथ ही पार्टी के कार्यकर्ताओं का आभार भी जताया जाएगा. इसके अलावा दूसरा आर्थिक प्रस्ताव भी रखा जाएगा. इसमें प्रदेश के आर्थिक विकास के साथ ही डबल इंजन की सरकार के बेहतर कार्यों की भी चर्चा होगी. तीसरे प्रस्ताव के तौर पर सोशल मीडिया को और प्रभावी बनाने से संबंधित हो सकता है.

लोकसभा चुनाव नतीजों की समीक्षा के दौरान शीर्ष नेतृत्व से लेकर प्रदेश सरकार और संगठन ने भी सोशल मीडिया को और सक्रिय रखने के सुझाव आए थे. इसलिए कार्यसमिति की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव पर प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है. कार्यसमिति की बैठक रविवार को सुबह ११ बजे शुरू होगी. बैठक में शामिल वाले प्रतिनिधियों के ङ्म

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश से लेकर नगर पंचायत स्तर तक के नेताओं को भी बुलाया गया है. इसमें यूपी के केंद्रीय और प्रदेश पदाधिकारी, यूपी के केंद्रीय मंत्री, राज्य के मंत्री, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य, स्थायी आमंत्रित सदस्य, सांसदों, विधायकों, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय प्रभारी, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, प्रदेश मोर्चो के अध्यक्ष व महामंत्री, क्षेत्रीय मोर्चों के अध्यक्ष व महामंत्री, पार्टी के जिलाध्यक्ष व जिला प्रभारी, जिला महामंत्री, सभी प्रकोष्ठों व विभागों के प्रदेश संयोजक व सहसंयोजक, सहकारी संस्थाओं के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी शामिल होंगे. इस तरह से बैठक में २५०० से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है.

बीजेपी ने हार की वजह जानने के लिए हर जिले में समीक्षा बैठक की. इसमें कांग्रेस-समाजवादी पार्टी गठबंधन द्वारा बीजेपी के दलित और पिछड़े वर्ग के वोट बैंक में सेंधमारी की बात सामने आई. साथ ही बीजेपी की सीटों में कमी का कारण बेरोजगारी और पेपर लीक को लेकर युवाओं में बढ़ता गुस्सा भी था. अब रोजगार जैसे मुद्दों पर काम करने और दलितों और पिछड़े वर्गों तक पहुंच बनाने का निर्णय लिया है.

पृष्ठ एक का शेषांश

डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा---

सवाल ये कि कैसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली मुल्क के पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक हुई? कैसे हमलावर ट्रंप की चुनावी रैली के इतने करीब हथियार लेकर पहुंच गया? कैसे ट्रंप के सुरक्षा घेरे में तैनात एजेंसी को इसकी भनक तक नहीं लगी? दरअसल, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा का जिम्मा यूएस सीक्रेट सर्विस का होता है। यूएस सीक्रेट सर्विस के एजेंट हर पल पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा में तैनात होते हैं्। वो जहां भी जाते हैं, सीक्रेट सर्विस के एजेंट उनके साथ-साथ रहते हैं्। ऐसे में ट्रंप पर हमले के बाद सवाल उठ रहे है कि जब पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा इतनी चाक चौबंद होती है तो कैसे उन पर गोली चली? क्या उन पर किसी साजिश के तहत हमला किया गया है? महज १०० मीटर की दूरी से कैसे एक शूटर ने ट्रंप को निशाना बनाया? इस दौरान सीक्रेट सर्विस क्या कर रही थी? छत से यदि निशाना बनाया गया तो उसके एजेंट क्या कर रहे थे? रैली की आसपास की बिल्डिंग की छतों पर सीक्रेट सर्विस क्यों नहीं मुस्तैद थी? सवाल कई हैं और एफबीआई सहित कई अमेरिकी एजेंसियां इसकी पड़ताल में जुटी हैं्।

एफबीआई हमले और हमलावर से जुड़ी सभी जानकारियां जुटा रही है। हमलावर के कितने सहयोगी थे, इसकी भी जांच कर रही है। लेकिन बड़ी बात ये है कि अमेरिका ऐसा देश है, जहां पहले ही बड़ी राजनीतिक हत्याएं हो चुकी हैं्। डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के पहले राष्ट्रपति या पूर्व राष्ट्रपति नहीं हैं, जिनकी इस तरह से हत्या की कोशिश की गई है। अमेरिका के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई नाम हैं, जिनकी या तो हत्या कर दी गई, या फिर मारने की कोशिश की गई है। अब्राहम लिंकन, जॉन एफ कैनेडी तक, जैसे राष्ट्रपतियों को हमले में अपनी जान गंवानी पड़ी। रोनाल्ड रीगन जैसे राष्ट्रपति की जान हमले में बाल-बाल बची। ऐसे ही खतरों को देखते हुए, पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा १० साल की गई थी। इससे पहले १९६५ से १९९६ तक अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों को लाइफटाइम सुरक्षा मिलती थी। लेकिन साल १९९४ में इसमें बदलाव किया गया था। पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा को घटाकर लाइफटाइम के बदले १० साल कर दिया गया था।

इसी नियम के तहत सीक्रेट सर्विस ट्रंप की सुरक्षा में लगी हुई थी। इस सुरक्षा के बीच ही ट्रंप पर रैली में फायरिंग हुई्। ये हमला हैरान करने वाला है, क्योंकि सुरक्षा में चूक के चलते ट्रंप की जान बाल-बाल बची है। इसी बीच डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर हुए जानलेवा हमले के बाद बयान जारी किया है। उन्होंने बताया कि वो ५ नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए पेंसिल्वेनिया में रैली कर रहे थे। इसी दौरान उन पर गोली चली, जिसमें वो घायल हो गए हैं्।

५२ साल बाद राष्ट्रपति उम्मीदवार पर हमला

अमेरिका में ५२ साल बाद किसी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर हमला हुआ है। इससे पहले १९७२ में जॉर्ज सी वॉलेस पर गोली चलाई गई थी। वे भी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे। उन पर एक शॉपिंगसेंटर में गोली चलाई गई थी। इसके बाद वे मरते दम तक व्हील चेयर पर रहे। इससे पहले १९७२ में पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी के भाई रॉबर्ट एफ केनेडी पर हमला हुआ था। वे इलेक्शन कैंपेन लॉस एंजिल्स से लौट रहे थे।

नेपाल के राष्ट्रपति ने---

मिला साथ। पिछले हफ्ते की शुरुआत में, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने नयी गठबंधन सरकार बनाने के लिए सात सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि प्रधानमंत्री का शेष कार्यकाल बारी-बारी से उनके बीच साझा किया जाएगा। समझौते के मुताबिक, पहले चरण में ओली १८ महीने तक प्रधानमंत्री बनेंगे। उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ओली सोमवार को एक छोटी मंत्रिपरिषद का गठन करेंगे। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी सहित अन्य राजनीतिक दलों के भी सरकार में शामिल होने की संभावना है। ओली ने ११ अक्टूबर २०१५ से तीन अगस्त २०१६ तक देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। इस दौरान नयी दिल्ली के साथ काठमांडू के संबंध तनावपूर्ण रहे। इसके बाद वह पांच फरवरी २०१८ से १३ मई २०२१ तक फिर प्रधानमंत्री रहे। इसके बाद भी वह तत्कालीन राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी की वजह से १३ मई २०२१ से १३ जुलाई २०२१ तक पद पर बने रहे। बाद में उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया कि ओली का प्रधानमंत्री पद पर बने रहना असंवैधानिक है।

एनडीएक के साथ---

जदयू के शीर्ष नेताओं से वार्ता करने और समन्वय स्थापित कर चुनावों को संपन्न करने के लिए प्रदेश कार्यसमिति ने सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो को अधिकृत किया।

एक्शन में नायडू सरकार---

आरोप लगे हैं्। उनके साथ शिकायत में गुंटूर सरकारी अस्पताल की पूर्व अधीक्षक जी। प्रभावती का नाम भी लिखा है। अब टीडीवी विधायक का आरोप है कि उन्हें अवैध तरीके से १४ मई २०२१ को गिरफ्तार किया गया था। उनके मुताबिक उन्हें एक झूठे मामले में फंसाया गया, फिर धमकाने का काम हुआ और प्रताड़ित तक किया गया। अब मामला गंभीर इसलिए है क्योंकि पीड़ित विधायक ने पूर्व सीएम के साथ वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक साजिश का आरोप लगा दिया है। वैसे आंध्र प्रदेश की राजनीति में अभी जगन मोहन रेड्डी के लिए अच्छे दिन नहीं चल रहे हैं्। हाल के विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था, इसके ऊपर उनके आलीशान बंगले को लेकर भी गंभीर आरोप लग चुके हैं्। इस बीच इस नए मामले ने की उनकी मुश्किलों को और ज्यादा बढ़ाने का काम कर दिया है।

लोकसभा में कांग्रेस के---

मुद्दों को पूरी ऊर्जा के साथ उठाएंगी।

अब ऊंचे इलाकों में---

हमला के बाद जम्मू में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा करने के लिए थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी से भी मुलाकात की। बता दें कि आतंकवादियों ने ९ जून से ३० दिनों के अंदर शांतिपूर्ण जम्मू क्षेत्र के रियासी, डोडा और कठुआ जिलों में पांच हमले किए, जिसमें सात तीर्थयात्रियों और छह सुरक्षाकर्मियों सहित १५ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए्। सुरक्षा बलों ने पांच आतंकियों को भी मार गिराया है।

देवरिया में हड़ताली वकीलों के आगे झुकी सरकार

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में पिछले एक महीने से चल रहे विवाद के बीच प्रदेश शासन ने जनपद के जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह का तबादला कर दिया है. अब अखंड प्रताप सिंह के स्थान पर आईएएस दिव्या मित्तल देवरिया के जिलाधिकारी का पदभार संभालेंगी. दिव्या मित्तल को इससे पहले बस्ती और सोनभद्र जिले की भी कमान मिल चुकी है. आपको बता दें कि अधिवक्ताओं और जिलाधिकारी के बीच विवाद १९ जून को शुरू हुआ था.

देवरिया के डीएम और अधिवक्ताओं के बीच १९ जून को विवाद शुरू हुआ था. वकीलों के अनुसार इस विवाद का कारण जिलाधिकारी द्वारा उनसे मिलने गए अधिवक्ता के साथ दुर्व्यवहार करना है. आपको बता दें कि एक अधिवक्ता एक वकील की निजी जमीन में बनी चकरोड़ के मामले को लेकर शिकायत करने आए थे. इस दौरान डीएम अखंड प्रताप सिंह ने उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए चैंबर से बाहर निकल जाने को कहा. डीएम के ऐसे व्यवहार करने के खिलाफ अधिवक्ता गुस्साते हुए डीएम ऑफिस के बाहर खूब विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के बाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी की अध्यक्षता में अधिवक्ताओं की हुई बैठक में में डीएम का तबादला न होने तक न्यायिक कार्य के बहिष्कार का फैसला किया था.

लगातार विरोध के बीच शनिवार को प्रदेश सरकार ने देवरिया के जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह का तबादला कर दिव्या मित्तल को देवरिया का नया डीएम बनाया है. तबादले के साथ ही सरकार ने पूर्व देवरिया डीएम को उ०प्र० राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण लखनऊ में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर तैनात किया गया है.

वहीं अयोध्या के डीएम को राम पथ टूटने समेत कई शिकायतों के बीच उनके पद से हटा दिया गया है. आपको बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू होने के साथ वहां हुए हजारों करोड़ रुपयों के विकास कार्यों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी. उनके कार्याकाल में अयोध्या राम मंदिर, राम पथ, सरयू किनारे टेंट सिटी, म्यूजियम और शहर की सड़कों के चौड़ीकरण समेत तमाम विकास कार्यों को उनके करीब तीन सालों के कार्यकाल के दौरान कराया गया है.

सीएम योगी ने 4 और डीएसपी के किए तबादले

लखनऊ (एजेंसी): यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव के बाद से लगातार बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल कर रहे हैं. सीएम योगी ने रविवार सुबह चार और डीएसपी के तबादले कर दिए. बृजेश सिंह को संतकबीरनगर से डीएसपी एटीएस भेज दिए गए हैं. वहीं, अजीत सिंह चौहान को कासगंज से डीएसपी संत कबीरनगर भेजे गए हैं. राजकुमार पांडेय को मंडलाधिकारी चित्रकूट से डीएसपी कासगंज भेजा गया है. वहीं, संजय कुमार द्वितीय को प्रयागराज कमिश्नरी से डीएसपी एटीएस लखनऊ भेजा गया है.

इससे पहले १३ जुलाई को भी सीएम योगी ने कई अफसरों के तबादले कर दिए थे. राम पथ टूटने समेत कई शिकायतों के बीच अयोध्या के डीएम नीतीश कुमार को हटा दिया गया था. वकीलों से विवाद के बाद देवरिया के डीएम अखंड प्रताप सिंह को भी हटा दिया गया था.

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू होने के साथ वहां हजारों करोड़ रुपयों के विकास कार्यों की जिम्मेदारी नीतीश कुमार के कंधों पर थी. अयोध्या राम मंदिर, राम पथ, सरयू किनारे टेंट सिटी, म्यूजियम और शहर की सड़कों के चौड़ीकरण समेत तमाम विकास कार्यों को उनके करीब तीन सालों के कार्यकाल के दौरान कराया गया है. हालांकि अयोध्या लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार के बाद हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास से उनकी कहासुनी और उनकी सुरक्षा हटाए जाने का मुद्दा भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचा था. इसके बाद अयोध्या के डीएम को बदल हटा दिया गया.

इंद्रमणि त्रिपाठी को डीएम औरैया बनाया गया है. नीतीश कुमार की जगह अयोध्या का नया डीएम चंद्र विजय सिंह को बनाया गया है. बद्रीनाथ सिंह सोनभद्र के डीएम बनाए गए हैं. दिव्या मित्तल डीएम देवरिया बनाई गई हैं. नीतीश कुमार को एमडी दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम बनाकर भेजा गया है. बदायूं के डीएम मनोज भी हटाए गए हैं.

यूपी के 5 जिलों में बदले गए डीएम कई अफसर हुए इधर से उधर

लखनऊ(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के पांच जिलों में डीएम बदल दिए गए हैं। अयोध्या की जिम्मेदारी चंद्र विजय सिंह सौंप दी गई है। इसी तरह योगी सरकार ने इंद्रमणि त्रिपाठी को औरैया का डीएम बनाया है, वही बद्रीनाथ सिंह को सोनभद्र की जिम्मेदारी मिली है। इसी तरह देवरिया की नई डीएम दिव्या मित्तल को बनाया गया है, वही नीतीश कुमार एमडी दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम बनाए गए हैं।बड़ी बात यह है कि शनिवार को ही यूपी में १० वरिष्ठ अधिकारियों का भी तबादला किया गया था। इस लिस्ट में अभिषेक को बिजनौर का एसपी बनाया गया, इसी तरह नीरज कुमार को जादौन का एसपी बनाया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने मप्र के 55 जिलों में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का किया वर्चुअल शुभारंभ

इंदौर(ईएमएस): मप्र को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इंदौर के अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला व वाणिज्य महाविद्यालय में प्रदेश के ५५ जिलों में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का वर्चुअल उद्घाटन किया है। इन कॉलेजों में छात्र अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लेकर वेद पुराण तक की शिक्षा हासिल कर सकेंगे। यहां रोजगार देने वाले विषय लॉजिस्टिक, हवाई जहाज से संबंधित कोर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मार्केटिंग को पढ़ाने पर फोकस रहेगा। यही नहीं, प्रदेश के पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस को आईआईटी-आईआईएम की तर्ज पर डेवलप किया जाएगा। विद्यार्थी एक रुपए रोज के किराये पर बस से रोज कॉलेज आ-जा सकेंगे। इन कॉलेजों में सेक्टर स्किल काउंसिल के सहयोग से ८ स्किल बेस्ड ग्रेजुएशन कोर्स शुरू होंगे।

इस अवसर पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के जरिये मध्यप्रदेश के ५५ जिलों में शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को नई सौगात दी जा रही हैं। मैं मध्यप्रदेश के सभी विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। हम मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहते हैं, उसी तरह इंदौर मध्य प्रदेश की

आर्थिक राजधानी है। हर्ष की बात है कि इंदौर एजुकेशन हब बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। शाह ने कहा कि देशभर में सबसे पहले मप्र में नई शिक्षा नीति लागू की गई है। इस महत्वपूर्ण कदम के लिए मैं मध्यप्रदेश सरकार को बधाई देना चाहता हूं। वहीं इस प्रदेश में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई का पाठ्यक्रम मातृभाषा हिंदी में लागू किया गया। आज मेरे लिए हर्ष का विषय है कि पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई के नगरी इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक दिन में ११ लाख से अधिक पौधारोपण कर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी का सपना है कि आजादी के १०० वर्ष पूरे होने पर हमारा भारत हर क्षेत्र में अग्रणी रहें। विकसित भारत के निर्माण के लिए मोदी सरकार ने सबसे पहले नई शिक्षा नीति लाने का काम किया है, जो छात्रों को हमारी प्राचीन संस्कृति से जोडऩे का काम करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूरे देश में नई शिक्षा नीति लागू करने वाला राज्य मप्र बना। परंपरागत कोर्स को दायरे तोड़कर नई शिक्षा की शुरुआत की। शिक्षा को लेकर विकल्प खुला है। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस हर जिले में एक कॉलेज बना है। जो इसी सत्र से प्रारंभ हो रहा है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि छात्र अब हमारी संस्कृति को भी जानेंगे, सभ्यता को भी समझेंगे। आज इन कॉलेज के माध्यम से में बीकॉम लॉजिस्टिक, बीकॉम इंटिक ऑपरेशन, बीकॉम इन रिटेल ऑपरेशन, बीएससी इन हेल्थ केयर मैनेजमेंट, बीएससी मार्केटिंग इन सेल्स ऐसे नए कोर्स से हम और तरक्की कर सकता है।

सिनेमा हॉल निवेशकों को मिलेगा 75 लाख रुपए तक का अनुदान

भोपाल/ इन्दौर (ईएमएस): मध्यप्रदेश में सिनेमा के उन्नयन और फिल्म देखने के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एमपी टूरिज्म बोर्ड द्वारा बनाई गई फिल्म पर्यटन नीति, निवेशकों को सिनेमा में निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रही है। मल्टीप्लेक्स और सिनेमा हॉल निर्माण, नवीनीकरण और उन्नयन के लिये फिल्म पर्यटन फिल्म नीति २०२०, अंतर्गत निवेशकों को ७५ लाख रुपए तक का अनुदान दिया जा रहा है। सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए ५० लाख रुपए, मौजूदा सिनेमाघर के उन्नयन के लिए ७५ लाख रूपये और मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिये ७५ लाख रूपये तक का अनुदान दिया जा रहा है।

प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति विभाग) और प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश को फिल्म शूटिंग हब के रूप में स्थापित किया जा रहा है। साथ ही फिल्म से जुड़ी आधारभूत संचरनाएं विकसित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति प्रदेश में सिनेमा से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। साथ ही स्थानीय फिल्म उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय ५० लाख पर १५% अनुदान दिया जाएगा। प्रति सिनेमा हॉल अनुदान की अधिकतम सीमा ५० लाख रुपये है। दो वर्षों में बंद हो चुके सिनेमा हॉल को फिर से क्रियाशील या उन्नयन के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय २५ लाख पर १५% राशि का अनुदान दिया जाएगा। इस अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति सिनेमा हॉल ७५ लाख रुपये है। इसके साथ ही मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिये न्यूनतम पूंजीगत व्यय १ करोड़ रुपए पर १५% अनुदान दिया जा रहा है। इस अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति सिनेमा हॉल ७५ लाख रुपये है।

इच्छुक निवेशक और सिनेमा हॉल ओनर सरल और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन पत्र में आवश्यक जानकारी और दस्तावेजों की सूची उल्लेखित है। आवेदन पत्र के साथ व्यापारिक योजना, वित्तीय विवरण, और सम्पत्ति के स्वामित्व का प्रमाण के साथ आवश्यक दस्तावेज एमपी टूरिज्म बोर्ड के कार्यालय में जमा करना होगा।

आवेदन पत्र के आवश्यक मूल्यांकन उपरांत उचित अनुदान प्रदान किया जाएगा।

पहले भाजपा अयोध्या हारी फिर बद्रीनाथ में भी पराजित

नई दिल्ली(ईएमएस): लोकसभा फिर विधानसभा के हुए उपचुनाव में जिस तरह से भाजपा का परफॉर्म रहा है वो कहीं न कहीं पार्टी के लिए चिंता का विषय बन गया है। लोकसभा चुनाव में ४०० पार का दंभ भर रही भाजपा की स्थिति ये रही कि अकेली दम पर सरकार बनाने के लायक भी नहीं रही। यहां तक की भगवान राम की नगरी अयोध्या भी हार गई। इसके अलावा अयोध्या से सटे बस्ती के साथ राम वन गमन पथ पर आने वाले प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक और रामेश्वरम की सीटें भी उसे गंवानी पड़ी थीं।

अब कुछ ऐसा ही हाल बद्रीनाथ में हुआ है। रही सही कसर बद्रीनाथ में विधानसभा के उपचुनाव ने पूरी कर दी, जहां से भाजपा की कड़ी शिकस्त मिली है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा सरकार धार्मिक स्थलों का विकास करने के बावजूद स्थानीय वोटरों को लुभाने में विफल हो रही है? बताया जा रहा है कि चारधाम को लेकर केंद्र सरकार के मास्टर प्लान से स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बद्रीनाथ मास्टर प्लान को लेकर स्थानीय स्तर पर कोई स्टडी नहीं की गई है। यह जानने का प्रयास ही नहीं किया गया है कि इन निर्माण कार्यों से यहां किस तरह का नुकसान पहुंच सकता है।

बद्रीनाथ सीट पर कांग्रेस परंपरागत तौर पर जीत हासिल करती आई है। राजेंद्र भंडारी ने २०२२ में कांग्रेस के टिकट पर यहां जीत हासिल की थी। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने पाला बदल लिया और भाजपा की तरफ चले गए। भाजपा ने उन्हें बद्रीनाथ सीट से उम्मीदवार भी बना दिया, लेकिन राजेंद्र भंडारी लोगों का भरोसा नहीं जीत पाए। दलबदलू की उनकी छवि भारी पड़ गई और कांग्रेस उम्मीदवार लखपत बुटोला को जनता ने जिता दिया। इससे यह भी संदेश स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के वोटरों को अपनी तरफ नहीं खींच पाई। भाजपा को मंगलौर सीट पर भी नुकसान उठाना पड़ा है जहां कांग्रेस के काजी निजामुद्दीन मात्र ४४९ वोटों से चुनाव जीत गए हैं। दोनों सीटों पर १० जुलाई को उपचुनाव हुए थे। बद्रीनाथ में भाजपा की हार के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा सरकार स्थानीय लोगों और पुजारियों में असंतोष है? कुछ महीने पहले ही बद्रीनाथ में पुजारियों और स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया था। पंडा समुदाय भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल रहा। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि यहां पर वीआईपी दर्शन की सुविधा से आम दर्शनार्थियों को काफी परेशानी हो रही है। यहां के रहने वाले मांग कर रहे थे कि पहले की तरह मंदिर में प्रवेश की सुविधा दी जाए। इसको लेकर काफी ज्यादा हंगामा मचा था।

भाजपा की अगली परीक्षा केदारनाथ में हो सकती है। यहां पर विधायक रहीं, भाजपा की शैला रानी का हाल ही में निधन हुआ है। कुछ वक्त बाद यहां पर भी उपचुनाव का ऐलान होगा। अयोध्या, बद्रीनाथ जैसे तीर्थस्थलों पर स्थानीय लोगों की नाराजगी ने भाजपा का जो हाल किया, उसने पार्टी नेतृत्व के माथे पर बल तो ला ही दिया होगा। बता दें कि केदारनाथ में भी लोगों में कम नाराजगी नहीं है।

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली के चुराड़ी में केदारनाथ धाम के प्रतीकात्मक मंदिर का भूमि पूजन और शिलान्यास किया गया। इसके बाद से उत्तराखंड में संतों के साथ-साथ स्थानीय लोगों में नाराजगी है। केदारघाटी की जनता में भी आक्रोश है। चारों धामों के तीर्थ पुरोहितों ने कहा कि क्या चारों धामों के दर्शन दिल्ली में करवाए जाएंगे? तीर्थ पुरोहितों ने इसे सनातन धर्म के साथ ही संस्कृति का अपमान बताया।

ऐसा भी माना जा रहा है कि यहां पर मनमाने ढंग से हो रहे विकास कार्यों को लेकर नाराजगी ने भी भाजपा की मुश्किल बढ़ाई। असल में इसको लेकर तीर्थपुरोहितों में भी नाराजगी है। उनका कहना है यहां हो रहे निर्माण कार्यों के चलते प्रहलाद धारा और नारायण धारा का रूप बदल गया है। स्थानीय लोगों का कहना है पारंपरिक रूप से इन धाराओं से ही रावल जी का पट्टाभिषेक होता है। इसके अलावा लोगों में अपने घरों और जगहों के पर्यास मुआवजे को लेकर भी गुस्सा रहा है। अब बद्रीनाथ के नतीजे बताते हैं कि यह सारी बातें चुनाव में भाजपा के खिलाफ चली गई हैं। बद्रीनाथ का पूरा अस्तित्व पर शिलाओं पर टिका है। अब इन शिलाओं को रिक्रएंट डेवलमेंट के नाम पर हटाया जा रहा है। इसकी जगह आरसीसी दीवार बन रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह दीवार कभी भी शिलाओं की जगह नहीं ले सकती। भविष्य में नदी का जलस्तर बढ़ा तो फिर यह दीवारें किसी काम की नहीं रहेंगी। वहीं, मॉनसून की पहली बारिश में ही जिस तरह से अलकनंदा नदी में पानी बढ़ा है, उसने भी यहां लोगों को चिंता में डाल दिया है। बद्रीनाथ के स्थानीय निवासियों का दावा है कि अब से पहले कभी भी उन्होंने अलकनंदा नदी में ऐसी बाढ़ नहीं देखी थी।

लोगों का कहना है कि इस बाढ़ की वजह यहां पर हो रहा निर्माण कार्य है। पूरा मलबा नदी के तल में डाला जा रहा है, इससे तल ऊपर उठा है और बाढ़ का संकट है।

फ्री में टैबलेट देने की योजना फर्जी है : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस): लोगों की निजी और बैंक जानकारियों प्राप्त करने के लिए कुछ लोग रोज नई तरकीबें अपनाते हैं। कभी वे बैंक कर्मचारी बनकर लोगों को बेवकूफ बनाते हैं तो कभी कोई मोटा लालच देकर खाता साफ कर देते हैं। अब सोशल मीडिया पर फ्री टैबलेट योजना के नाम पर भी लोगों को फांसने का प्रयास किया जा रहा है। प्रेस इंफोर्मेशन ब्यूरो ने भी तस्दीक की है कि इस योजना के नाम पर फर्जी पोस्ट्स वायरल किए जा रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार ने फ्री में टैबलेट देने को कोई योजना नहीं चलाई है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी तरफ से ऐसी कोई योजना नहीं चलाई जा रही है। पीआईबी ने लोगों से सचेत रहने और इस तरह की पोस्ट पर विश्वास न करने का आग्रह किया है। पीआईबी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा, कहीं आप भी भारत सरकार के नाम पर चलने वाली फ्री टैबलेट योजना से गुमराह तो नहीं हो रहे हैं? यह योजना फर्जी है। ऐसी किसी मुफ्त योजना के झांसे में न आएं। भारत सरकार से जुड़ी योजनाओं की प्रामाणिक जानकारी के लिए आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। गौरतलब है देश के कुछ राज्यों ने हाल ही में लोगों को फ्री टैबलेट बांटे हैं लेकिन केंद्र सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है और न ही ऐसी किसी भी योजना पर विचार चल रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर फ्री टैबलेट स्कीम का बहुत प्रचार किया जा रहा है। कई पोस्ट के माध्यम से यह दावा किया गया था केंद्र सरकार मुफ्त टैबलेट बांटने जा रही है। लोगों से इसके लिए अपने कागज उपलब्ध कराने को भी कहा गया था। इस तरह की फर्जी पोस्ट्स में लोगों से आवेदन करने को कहा जा रहा है। आवेदन के लिए लिंक तक उपलब्ध कराए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन में आधार और बैंक खाते की डिटेल तक मांगी जा रही है।

निलंबित आईएएस टुटेजा को ले गई यूपी एटीएस

रायपुर(ईएमएस): छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में निलंबित आईएएस अनिल टुटेजा को यूपी पुलिस रविवार को ट्रांजिट रिमांड पर मेरठ लेकर निकली है। टुटेजा को यूपी एसटीएफ ने नकली होलोग्राम केस में गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ मेरठ कोर्ट ने वारंट जारी किया था। यूपी एटीएस सोमवार को टुटेजा को मेरठ कोर्ट में पेश करेगी। वहीं अनवर ढेबर और एपी त्रिपाठी को भी पेश किया जाएगा। इससे पहले यूपी एटीएस ने दोनों आरोपियों को ३ दिन की रिमांड पूरी होने के बाद १ जुलाई को मेरठ कोर्ट में पेश किया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों को १५ जुलाई तक जेल भेजा था। जानकारी के मुताबिक, कोर्ट में सुनवाई के बाद टुटेजा को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा सकता है।

अश्लील बातें बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़,6 युवतियां गिरफ्तार

गाजियाबाद(ईएमएस): पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो लोगों से पैसे लेकर महिलाओं वीडियो कॉल पर अश्लील बाते करवाया करता था। इसके लिए ५ से ८ मिनिट तक बात करके लिए ग्राहक को दो सौ रुपए चुकाना पड़ते थे। शालीमार गार्डन पुलिस ने गैंग के सरगना और छह युवतियों को गिरफ्तार किया।

पूरा रैकेट राजेंद्रनगर स्थित एक किराये के फ्लैट में चल रहा था। एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि शिकायत पर पुलिस ने राजेंद्रनगर सेक्टर तीन में एक फ्लैट पर छापेमारी की। इस दौरान गिरोह के मास्टर माइंड युवक और छह युवतियों को गिरफ्तार किया गया। मौके से पुलिस ने सभी के मोबाइल फोन और इस कार्य में प्रयोग होने वाले कई लैपटॉप के अलावा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए। आरोपी रविंद्र ने राजनगर एक्सटेंशन निवासी एक महिला को फाइनेंस एडवाइजर की जॉब देने का झांसा देकर अपने पास बुलाया था। पहले उसने महिला को अपने ऑफिस पर बुलाया और इसके बाद राजेंद्रनगर में फ्लैट पर ले गया। आरोप है कि नौकरी देने की एवज में रविंद्र ने उससे २५ हजार रुपये भी ले लिए। फ्लैट पर जाने के बाद रविंद्र ने महिला से कहा कि उसकी ड्यूटी कैमरे के सामने अश्लील बातें करने की है। महिला का कहना है कि मना करने पर रविंद्र, विवेक और वहां कार्यरत एक महिला ने गाली गलौज करते हुए चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी दी। वह किसी तरह वहां से निकलकर भागी और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मौके पर पहुंचकर छापेमारी की तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अप्रैल से यह काम शुरू किया था। उसने राजेंद्रनगर सेक्टर तीन में एक फ्लैट १६५०० रुपये प्रति महीना किराए पर लिया था। पुलिस के मुताबिक वीडियो कॉल कर अश्लील बातें करने से पहले साइट पर दिए गए लिंक पर पेमेंट करने का विकल्प दिया गया था। लिंक पर पेमेंट करने के बाद ही कोई भी व्यक्ति अश्लील बातें करने वाली युवतियों के साथ जुड़ सकता था। हालांकि इसके लिए ५ से ८ मिनट तक बात करने के लिए लगभग २०० रुपये की पेमेंट चुकानी पड़ती थी।

एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि अश्लील वीडियो कॉल कर बातें करने वाले गिरोह के सरगना समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी नौकरी की तलाश करने वाली महिलाओं और युवतियों को मोटी सैलरी का लालच देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उन्हें इस काम में धकेल देता था। गिरफ्तार महिला और युवतियां वीडियो कॉल पर लोगों से अश्लील बातें करती थीं। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम रविंद्र निवासी राजबाग साहिबाबाद बताया। पूछताछ में उसने बताया कि यह फ्लैट उसने अप्रैल में किराये पर लिया था। पकड़ा गया आरोपी वाहन इंश्योरेंस, एआरटीओ कार्यालय से डीएल और अन्य कागज बनवाने का काम भी करता है। छापेमारी के दौरान पकड़ी गईं युवतियां ९वीं से लेकर एमए तक पढ़ी लिखी है।

एक महिला ने एमए किया हुआ है तो युवती बीकॉम की पढ़ाई कर रही है। वहीं एक युवती १२वीं पास है तो दूसरी युवती ९वीं पास है। युवतियों से पूछताछ में पता चला है कि सरगना रविंद्र ने उन सभी को २० से २५ हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देने की बात कहकर नौकरी पर रखा था।

पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी रविंद्र नौकरी की वेबसाइट से युवतियों और महिलाओं का बायोडाटा और अन्य जानकारी लेता था। इसके बाद वह उन्हें कॉल कर जॉब के लिए बुलाता था।

युवतियों को फाइनेंस एडवाइजर, लोन के लिए कॉल करना ओर दूसरी अच्छी नौकरी का झांसा देकर बुलाता था। फिर उनसे अश्लील बातें कराता था। चैटिंग करने वाले लोगों से ऑनलाइन रुपये लिए जाते थे। पांच से सात मिनट के २०० रुपये तक वसूले जाते थे। पकड़ी गई ज्यादातर युवतियों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। पकड़ी गई युवतियों और महिला का कहना है कि वह मजबूरी में यह काम कर रही थी। उन्हें झांसा देकर यह काम कराया गया।

मुकेश अंबानी के पास है इतनी दौलत खर्च करने में बीत जाएंगी सदियां

नई दिल्ली,(ईएमएस): मुकेश अंबानी दुनिया के अमीर इंसानों में से एक हैं। वह अपनी दौलत और शाही ठाठबाट के चलते अक्सर मीडिया की सुर्खियों में बने रहते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआइएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी के पास १०.२१ लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। यह संपत्ति इतनी है कि अगर मुकेश अंबानी रोज तीन करोड़ रुपए भी खर्च या दान करें तो उनकी संपत्ति सालों तक खत्म नहीं होगी। मुकेश अगर अपनी कुल संपत्ति में से रोज तीन करोड़ रुपए खर्च करते हैं तो उनकी सारी संपत्ति ३,४०,३७९ दिनों में खत्म हो जाएगी। साल में ३६५ दिन होते हैं। ३,४०,३७९ दिनों को साल में बदलने पर उनकी सारी संपत्ति खत्म होने में ९३२ साल और ६ महीने लगेंगे यानी उनकी सारी संपत्ति खत्म होने में सदियां लग जाएंगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक २०२४ में अब तक मुकेश अंबानी की संपत्ति करीब १.९८ लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। मुकेश रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीएमडी हैं। उन्हें अपनी ठाठबाट वाली जिंदगी जीने के लिए जाना जाता है। उनका घर एंटीलिया दुनिया का सबसे महंगा घर है।

बिहार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू : राज्यपाल

पटना (एजेंसी): बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर राज्य के उच्च शिक्षा में आमूल चूल परिवर्तन कर यहां के पुराने गौरव को बहाल करने की दिशा में काम कर रहे हैं. इस दिशा में उनके सामने कई चुनौतियां भी आ रही है. राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि अगले एक वर्ष के अंदर सभी परीक्षा समयबद्ध करने की उनकी प्रतिबद्धता है. यूनिवर्सिटी के माहौल से लेकर शिक्षकों की प्रोन्नति और आगे की योजनाओं पर वो काम कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि मेरा लक्ष्य है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बिहार का जो स्थान था वह गौरव प्राप्त हो. देश विदेश से छात्र यहां उच्च शिक्षा के लिए आते थे वह स्थान फिर से प्राप्त हो. मैंने खुद से प्रश्न पूछा कि देश भर में बिहार का जो साथ था वह फिर से आनी चाहिए और इसका जवाब सकारात्मक पाया.

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आगे कहा कि यहां मेधा है और शिक्षक भी बेहतर करना चाहते हैं सिर्फ इसे चैनलाइज करना है और यह प्रयास मैं पिछले एक वर्ष से कर रहा हूं. इसका अब परिणाम भी दिख रहा है कि शैक्षणिक माहौल बन रहा है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की जरूरत थी. इसके लिए सबसे बात करके एक प्रयास किया है जिसमें सब साथ दे रहे हैं. हर यूनिवर्सिटी में डीन स्टूडेंट वेलफेयर होता है और डीन एकेडमिक भी, डीन एकेडमिक यहां नहीं था जिसे लागू करने का हमने सुझाव दिया और यह हो रहा है. इसके अलावा सभी यूनिवर्सिटी को शोध करने के लिए भी एक संकाय का सुझाव दिया है.

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को यहां लागू किया है, सेमेस्टर पद्धति लागू की है. नए सिलेबस के लिए कमेटी बनाई थी यह भी हो गया है फिलहाल शत प्रतिशत नहीं हो पाया कुछ कमियां है उसको अब पूरा कर रहे हैं. अब हमारे पास आधारभूत संरचना की कमी है इसे ठीक कर रहे हैं. हमारे यूनिवर्सिटी के रैंकिंग सुधार की जरूरत है.यूनिवर्सिटी डरती है कि नैक में जाए या न जाएं अब इसके लिए हमने सभी को निर्देश दिए हैं और ट्रेनिंग भी देने का प्रयास है. परीक्षा में देरी को दुरुस्त करना एक चुनौती है और यह हमारी जिम्मेवारी भी है. अगले एक वर्ष के अंदर सभी परीक्षा समय से होगी यह हमारा दावा है.

राजभवन और शिक्षा विभाग के बीच पिछले दिनों हुए खींच तान को लेकर उन्होंने कहा कि सचिव के पद पर नियुक्ति होती है तो उम्मीद की जाती है कि वे काम सामंजस्य से करें लेकिन सभी उंगलियां समान नहीं होती. सभी अधिकारी के सोच सामान्य नहीं होते हैं. इससे समस्या आती है. जिसका मैंने सामना भी किया लेकिन समस्या का समाधान भी होता है. शिक्षा के लिए सही सोच वाले अधिकारी होने चाहिए. टकराव की स्थिति नहीं है. अधिकारी एक व्यक्ति है और समन्वय का परिणाम यह हुआ कि अब अच्छे सोच वाले अधिकारी आए हैं. छात्रों का भविष्य उज्ज्वल है. उन्हें पढ़ाई के अलावा कुछ और नहीं सोचना चाहिए.

पिछले दिनों परीक्षा के दौरान एक हत्या भी हो गई. ऐसी बातों के लिए बिहार का नाम नहीं आना चाहिए. छात्र हमारे मित्र हैं उनसे निवेदन है कि शिक्षा का माहौल बनाना उनका भी काम है वे पढ़ाई करें इधर उधर की बातों में न आएं.

किसी भी नेता पर कटाक्ष न करें, राजनीति में हार-जीत लगी रहती है: अमेठी सांसद

अमेठी (ईएमएस): कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद अब अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर टिप्पणी करने वालों से कहा कि राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। सांसद किशोरी लाल ने बातचीत के दौरान कहा कि राहुल गांधी हमेशा ही सार्वजनिक जीवन में मर्यादा का पालन करते हैं।

अमेठी सांसद ने कहा कि हमें ऐसी भाषा से बचना चाहिए। राहुल गांधी ने सही बात की है और मैं भी अपने आपको उसी में शामिल करता हूं। कुछ लोग मेरे नाम से भी कर रहे थे, वो भी ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई हारता है, तो कोई जीतता है, लेकिन हमारे ये संस्कार नहीं हैं कि किसी के प्रति इस तरह की भाषा का प्रयोग करें और करना भी नहीं चाहिए। किसी भी राजनेता को इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। कांग्रेस सांसद शर्मा ने इस बार लोकसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हराया था। इसके बाद से पूर्व केंद्रीय स्मृति ईरानी पर हमले बढ़ गए हैं। उन्हें खूब ट्रोल किया जा रहा है। हाल ही में उन्होंने दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास को खाली किया, जिसके बाद एक बार फिर सोशल मीडिया पर उन पर हमले शुरू हो गए।

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर कहा कि स्मृति ईरानी और अन्य नेताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां न करें। जीवन में हार-जीत लगी रहती है। उन्होंने ये टिप्पणी ऐसे समय में की थी, जब अमेठी में हार के बाद स्मृति ईरानी अपना सरकारी बंगला खाली कर रही थीं। इस दौरान लोग सोशल मीडिया पर उन पर कटाक्ष कर रहे थे। स्मृति ईरानी अपने आक्रामक व्यवहार के लिए जानी जाती हैं।

बीमा भारती क्यों दल-बदलुओं के लिए बन गईं नजीर

पटना (एजेंसी): बिहार के सियासी गलियारों से आरजेडी नेत्री बीमा भारती की काफी चर्चा हो रही है. दरअसल, शनिवार को पूर्णिया जिले की रुपौली विधानसभा का उपचुनाव का रिजल्ट आया. इस उपचुनाव में निर्दलीय शंकर सिंह ने दलीय प्रत्याशियों को को मात देकर सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को अचंभे में डाल दिया है. कहा जा रहा है कि जातीय राजनीति की जकड़न में उलझे बिहार को रूपौली के परिणाम ने नई दिशा दी है. रुपौली विधानसभा उपचुनाव में आरजेडी प्रत्याशी बीमा भारती तीसरे नंबर रहीं. उन्हें महज ३० हजार वोट मिले.अब बीमा भारती के सियासी करियर पर संकट खड़ा हो गया है. सियासी गलियारों में चर्चा होने लगी है कि अब बीमा भारती का पॉलिटिकल इंश्योरेंस समाप्त हो गया है.

कहा जा रहा है कि सांसद बनने के चक्कर में पाला बदलने वाली रुपौली की पूर्व विधायक और आरजेडी प्रत्याशी बीमा भारती 'ना घर का रहीं, ना घाट की'. बता दें कि रुपौली की पूर्व विधायक बीमा भारती ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जेडीयू और विधायकी से इस्तीफा देकर आरजेडी ज्वाइन की थी. इस पर लालू यादव ने पप्पू यादव को इशारे करते हुए बीमा को पूर्णिया लोकसभा सीट से टिकट थमा दिया था. जिसके बाद पप्पू ने निर्दलीय पर्चा भर दिया और जीत भी हासिल की. वहीं बीमा तीसरे नंबर पर रहीं. इसके बाद रुपौली उपचुनाव में भी लालू यादव ने बीमा पर ही भरोसा किया. वह इस बार भी भरोसे पर खरी नहीं उतर सकीं.

नीतीश सरकार ने बिहार के इंजीनियरों से मांगा 300 करोड़ का हिसाब

पटना (एजेंसी): बिहार में एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है और गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. इस स्थिति में लोगों की मदद के लिए राहत और बचाव कार्यों की आवश्यकता है. नीतीश सरकार को अतिरिक्त संसाधनों की जरूरत है. इस बीच सरकार उन इंजीनियरों और अधिकारियों से निपटने की तैयारी कर रही है, जिन्होंने पिछले साल का हिसाब-किताब अभी तक नहीं दिया है. बाढ़ के दौरान राहत और बचाव कार्य के लिए इन लोगों को करोड़ों रुपये की राशि दी गई थी. जल संसाधन विभाग के १० इंजीनियरों पर सरकार के पैसे को दबाने का आरोप है और वे ३०० करोड़ रुपये का हिसाब नहीं दे रहे हैं.

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ प्रबंधन कार्यों के लिए यह राशि अप्रिम में दी गई थी, जिसका हिसाब नहीं मिल रहा है. कई बार आग्रह करने के बाद भी कार्यपालक अभियंता ने इन सभी इंजीनियरों को राशि जमा करने की चेतावनी दी है. जिन इंजीनियरों से हिसाब लेना है, उनमें ६ सहायक अभियंता (असिस्टेंट इंजीनियर) और ४ कनीय अभियंता (जूनियर इंजीनियर) शामिल हैं. सरकार को इनसे २९९ करोड़ ४९ लाख ५३ हजार रुपये का हिसाब चाहिए. अगर हिसाब नहीं मिलता है, तो वह बकाया राशि वापस चाहिए.

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकांश राशि कनीय अभियंता दबाए बैठे हैं. सकलदेव सिंह नाम के एक जूनियर इंजीनियर अकेले ही करीब १४२ करोड़ रुपये का हिसाब नहीं दे रहे हैं. साथ ही पुनपुन नदी के क्षेत्र को बाढ़ से बचाव के लिए यह राशि पिछले साल दी गई थी. अभियंताओं ने इसकी अप्रिम निकासी की थी और वे तब पुनपुर बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, करबिगहिया (पटना) और वर्तमान में बाढ़ नियंत्रण व जल निस्सरण प्रमंडल, एकंगसराय (नालंदा) में तैनात थे. नियम के अनुसार उन्हें कार्य से संबंधित हिसाब मिलाकर बकाया राशि कोषागार, बैंक खाता या ऑफिस में जमा करनी होती है, लेकिन उन्होंने अब तक ऐसा नहीं किया है.

ऐसे में आशंका है कि बकाया राशि का दुरुपयोग किया गया होगा. कार्यपालक अभियंता ने लिखित आदेश दिया है कि दर्सो अभियंता बची हुई राशि जल्द से जल्द कार्यालय में जमा करें. यह अस्थायी अग्रिम राशि वर्षों से लंबित है, जिसका अभी तक हिसाब नहीं हुआ है. देरी होने पर कार्रवाई की जाएगी.

रिपोर्ट के मुताबिक विभिन्न अभियंताओं पर लाखों रुपये की बकाया राशि है, जिसमें रामसेवक मउआर, लालबाबू राय, सुरेंद्र प्रसाद यादव, बीबी कुमार, धरनीधर सिंह, मुक्तेश्वर नाथ उपाध्याय, कमाल अहमद, सकलदेव सिंह और एके प्रसाद शामिल हैं.

बीमा भारती को काम नहीं आया लालू का आशीर्वाद

पटना (एजेंसी): पूर्णिया जिले की रुपौली विधानसभा का उपचुनाव का रिजल्ट आ चुका है. इसमें निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह ने बाजी मार ली. उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी जेडीयू के कलाधर मंडल को ८,२०४ वोटों से मात दी. वहीं सांसद बनने के चक्कर में पाला बदलने वाली रुपौली की पूर्व विधायक और आरजेडी प्रत्याशी बीमा भारती 'ना घर का रहीं, ना घाट की'. पूर्णिया लोकसभा सीट के बाद रुपौली विधानसभा उपचुनाव में भी बीमा भारती को तीसरा स्थान मिला. इससे अब बीमा भारती के सियासी करियर पर संकट खड़ा हो गया है. सियासी गलियारों में चर्चा होने लगी है कि अब बीमा भारती का पॉलिटिकल इंश्योरेंस समाप्त हो चुका है.

इतना ही नहीं उनके कारण राजद नेता तेजस्वी यादव को भी लगातार दो बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है.दरअसल, लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बीमा भारती जेडीयू छोड़कर राजद में गई थीं. इस पर लालू यादव ने उन्हें हाथों-हाथ लेते हुए पूर्णिया लोकसभा सीट से टिकट थमा दिया था. जबकि राजद अध्यक्ष से पप्पू यादव सीट छोड़ने की गुहार लगाते रहे. लालू के नहीं मानने पर पप्पू ने निर्दलीय पर्चा भर दिया और जीत भी हासिल की. वहीं बीमा तीसरे नंबर पर रहीं. उनसे ज्यादा वोट जेडीयू के संतोष कुशवाहा को मिले थे. इसके बाद भी लालू यादव ने रुपौली उपचुनाव में बीमा पर ही भरोसा किया. लालू ने राजद कार्यकर्ताओं के सहारे जनता को वीडियो कॉल पर बीमा भारती को वोट देने के लिए आह्वान किया था. इतना ही नहीं पूर्णिया लोकसभा में निर्दलीय चुनाव जीतने वाले पप्पू यादव ने भी बीमा भारती का समर्थन किया था. इसके बाद भी बीमा को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा.

बिहार को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा : जीतन राम मांझी

पटना (एजेंसी): बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांग एक बार फिर से जोर पकड़ रही है. नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने फिर से इस मुद्दे को गरम कर दिया है. एनडीए के साथ और केंद्र में मंत्री चिराग पासवान ने भी विशेष दर्जे की मांग का समर्थन किया है. इससे बीजेपी की मुश्किलें बढ़ गई हैं. वहीं बिहारी नेताओं में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इस पर दो टूक जवाब देते हुए साफ मना कर दिया है. मांझी ने बिहार के नेताओं को समझाया है कि विशेष राज्य के दर्जे की मांग करना बेकार है, ये नहीं मिलेगा. उन्होंने कहा कि नीति आयोग ने स्पष्ट कहा दिया है किसी को विशेष राज्य का हम दर्ज नहीं देंगे. इसके बाद कोई कितनो भी पत्थर पर सिर पटक ले, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने वाला है.

मांझी ने कहा कि बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग बेमानी है. उन्होंने कहा किया कि नीति आयोग ने ये साफ कर दिया है कि किसी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जाएगा. ऐसे में बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग ठीक नहीं है. केंद्रीय चडचए मंत्री ने ये बातें हाजीपुर में कहीं. वह हाजीपुर में खादी उद्योग के एक कार्यक्रम में पहुंचे थे. हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि वह औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण कर देखेंगे और जो कमी होगा उसे दूर करने का प्रयास करेंगे.

वहीं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बयान पर जेडीयू की प्रतिक्रिया भी सामने आ चुकी है. जेडीयू के मुख्य प्रवक्त्त नीरज कुमार ने कहा कि बिहारी बोझ नहीं हैं. वह बोझ उठाते हैं और बिहार विधान मंडल का सर्वसहमति से ये मांग रखी गई है.

पंतनगर में घरों के बाहर चस्पा किए रजिस्ट्री पेपर

लखनऊ (एजेंसी): लखनऊ के अकबरनगर बस्ती ध्वस्त करने के बाद अब लखनऊ विकास प्राधिकरण की नजर कुकरैल नदी के किनारे बसीं अवैध बस्तियों पर है. इन्हीं में से एक है लखनऊ का पंत नगर. पंतनगर के लोगों ने बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में अभियान छेड़ दिया है. पंतनगर के लोगों ने बुलडोजर की कार्रवाई के विरोध में घरों के बाहर रजिस्ट्री पेपर चिपका दिए हैं. स्थानीय नागरिकों ने घरों के बाहर रजिस्ट्री पेपर चिपकाकर विरोध करने का नया तरीका ढूंढ निकाल लिया है. स्थानीय नागरिकों ने कहा कि हम पीछे नहीं हटेंगे.

पंतनगर के लोगों का कहना है कि उनके पास बिजली बिल, नगर निगम से मकान का कर आदि का पूरा ब्योरा है. वह कई वर्षों से यहां रह रहे हैं. अगर उनका घर तोड़ दिया जाएगा तो वह बेघर हो जाएंगे. रहने के लिए उनके पास छत तक नहीं बचेगी. स्थानीय लोगों का कहना है कि वह एलडीए के बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में अभियान चलाएंगे. वह घरों के बाहर रजिस्ट्री पेपर भी चस्पा कर दिया है. सरकार पहले रहने के लिए सब सुविधाएं देती हैं फिर उसी को अवैध बता देती है.

वहीं, पतंनगर के बच्चों ने भी बुलडोजर की कार्रवाई के विरोध में अनोखा तरीका ढूंढ निकाला है. यहां के बच्चों ने सरकार से गुहार लगाई है कि उनके मकान की रजिस्ट्री उनके मां-बाप के पास है. उनका मकान पूरी तरह से वैध है. उनके मकान न तोड़े जाएं वरना वह बेघर हो जाएंगे. बता दें कि रहीमनगर, खुर्मनगर, पंतनगर, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी और अकबरनगर से लेकर स्कॉर्पियो क्लब तक करीब एक हजार से ज्यादा मकान तोड़े जाने हैं.

पुल-पुलियों व तटबंधों पर बढ़ाई निगरानी

पटना (एजेंसी): बिहार की करीब सभी नदियां उफान पर हैं. कोसी, बागमती, गंडक नदी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. इस बीच, पुल-पुलियों के गिरने और धंसने की घटनाओं के बाद पुल, पुलियों, तटबंधों तथा कटाव प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी बढ़ा दी गई है. जल संसाधन विभाग ने सभी संबंधित इंजीनियरों को अलर्ट कर पुल, पुलियों के साथ तटबंधों और कटाव क्षेत्रों की निगरानी के निर्देश दिए हैं. इंजीनियरों को नदियों के जलस्तर के बढ़ने और घटने पर नजर रखने तथा रिसाव वाले क्षेत्रों पर निगाह रखने के भी निर्देश दिए गए हैं. इसके अलावा अप्रोच सड़कों पर पड़ने वाले प्रभावों की भी सतत निगरानी रखने की बात कही गई है.

प्रदेश की सभी नदियों में जलस्तर बढ़ा हुआ है. जल संसाधन विभाग के मुताबिक, वीरपुर बराज में कोसी नदी का जल साव शनिवार सुबह १० बजे १,६३,४५५ क्यूसेक था, जबकि अपराह्न दो बजे १,४३,१२५ क्यूसेक दर्ज किया गया. गंडक नदी के वाल्मीकि नगर बराज में गंडक का जल साव सुबह १० बजे २,५१,२०० क्यूसेक था, जो अपराह्न दो बजे २,३३,००० क्यूसेक पहुंच गया. शुक्रवार को दो बजे यहां गंडक का जलसाव ३,३५,६०० क्यूसेक तक पहुंच गया था.

नेपाल और बिहार के कई क्षेत्रों में हो रही बारिश से गंडक, कोसी, बागमती, कमला बलान और महानंदा कई स्थानों पर लाल निशान से ऊपर बह रही हैं. कमला बलान नदी जयनगर और झंझारपुर रेल पुल के पास खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि बागमती सोनाखान, डूबाधार, कटोंझा तथा बेनीबाद में खतरे के निशान से ऊपर है. महानंदा नदी ठेंगरा घाट के पास लाल निशान को पार कर गयी है, जबकि कोसी बलतारा में तथा गंडक नदी डुमरिया घाट में खतरे के निशान से ऊपर है.

गंगा नदी के जलस्तर में भी वृद्धि देखी जा रही है. प्रमुख नदियों के लाल निशान से ऊपर बहने के कारण कई इलाकों के निचले स्थानों पर बाढ़ का पानी पहुंच गया है.

मुहर्रम में ताजिया के नाम पर खाली नहीं रहेंगी सड़कें : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को प्रदेश कार्यसमिति की लखनऊ में हुई बैठक में फुल फॉर्म में नजर आए. लोकसभा चुनाव में करारी हार से निराश कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए सीएम योगी ने कहा कि बैकफुट में आने की जरूरत नहीं है. मोहर्रम और अन्य त्योहारों को लेकर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कानून का शासन है. किसी भी प्रकार के हंगामे-हुड़दंग या अराजकता की इजाजत नहीं है. नियम-कायदों का पालन करते ही त्योहार मना सकते हैं. सड़कों पर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाने की इजाजत किसी को नहीं है.

भाजपा कार्यकर्ता सेवा को संगठन मानते हुए चुनाव में जुटा रहा है. लोकसभा चुनाव में हमारा वोट प्रतिशत पिछले चुनावों से कम नहीं हुआ है बल्कि शिफ्ट होने से नुकसान हुआ है. विपक्षी खेमे के जोश पर योगी ने कहा, विपक्ष फिर से उछल कूद कर रहा है, लेकिन अति आत्मविश्वास से नुकसान होता है.

सीएम योगी ने कहा, पहले यूपी में मोहर्रम के समय में सड़कें खाली हो जाया करती थीं. आज मुहर्रम आयोजित हो रहा है और इसका पता भी नहीं लग रहा. ताजिया के नाम पर घर तोड़े जाते थे, पीपल के पेड़ काटे जाते थे. सड़कों के तार हटाए जाते थे. आज कहा जाता है किसी गरीब की झोपड़ी नहीं हटेगी. आज हालत है कि नियम के तहत काम होगा. त्योहार मनाने हैं तो नियमों के अंतर्गत मनाओ नहीं तो घर बैठ जाओ.ताजिया के नाम पर पहले घर तोड़े जाते थे. मुहर्रम में पहले सड़क खाली हो जाती थीं. सीएम योगी ने कहा, सपा सरकार में अयोध्या को लहुलुहान किया गया था. उपचुनाव की सभी १० सीट हम जीतेंगे अभी से तैयारी करनी है.जीत का यह सिलसिला २०२७ में भी चलेगा.बीजेपी यूपी में भी हैट्रिक के साथ सरकार बनाएगी.

वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, बीजेपी आज के लिए जितनी महत्वपूर्ण है उतनी ही भविष्य के लिए भी है. देश की जनता ने लगातार मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार हमे मौका दिया है क्योंकि विकसित भारत हमे बनाकर दिखाना है.

पूर्व में पश्चिम में उत्तर में दक्षिण में यदि कोई ऐसी पार्टी है भारतीय जनता पार्टी है जो हर तरफ है. हमारी पार्टी में जो नेता होता है वो पहले कार्यकर्ता होता है. २०२४ के नतीजे पर भी चर्चा करना चाहता हूं मैं यह नहीं कहता कि कौन पास में कौन फेल लेकिन अब देखिए यह कांग्रेस पार्टी जो बहुत उल्लास की स्थिति में है मैं पूछना चाहता हूं कि आप तीनों चुनाव में जितने आप जीत कर आए वह भी हमारे २४० को पार नहीं करते यह उनकी स्थिति है.

इंडिया अलाइंस यह ध्यान रखें ये सारे जोड़कर भी जितने नंबर है वह भारतीय जनता पार्टी के सांसदों से कम है.कांग्रेस आज परजीवी पार्टी है. बैसाखियो पर खड़ी पार्टी है ये अपनी ताकतों पर खड़ी नही होती.आज लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश हुई कि संविधान समाप्त हो जाएगा हम तोड़ मरोड़ देंगे हम संविधान खत्म कर देंगे. संविधान का इतिहास किसका है कौन सी ऐसी पार्टी है जिसको इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कह दिया कि प्रधानमंत्री चुनाव गलत है संविधान बदल देते हैं इमरजेंसी लगा देते हैं और संविधान सहित प्रजातंत्र की हत्या कर देते हैं जो आज संविधान के रक्षक बनने की बात कर रहे हैं ये संविधान की हत्या करने वाले लोग है। बार बार संविधान को किसी ने अघात पहुंचाया तो वो कांग्रेस पार्टी और इनके नेता है.

अखिलेश व कांग्रेस भस्मासुर, आपके मुस्लिम वोट बैंक पर उनकी नजर : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ (ईएमएस): लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खराब प्रदर्शन के बाद रविवार को लखनऊ में भाजपा की एक बड़ी और अहम बैठक हो रही है। बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पहुंच रहे हैं। उनके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केपी मौर्य, राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, स्मृति ईरानी, एसपी सिंह बघेल, राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह और अन्य पार्टी नेता भी बैठक में मौजूद हैं।

बैठक की शुरुआत में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी द्वारा राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया गया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान हमारी प्राथमिकता है जिसके साथ कोई भी समझौता नहीं होगा। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि लखन पासी जी को याद किए बिना बैठक अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा अयोध्या, काशी मथुरा में बसती है। उन्होंने कहा, पहले कांवड़ यात्रा को रोका जाता था। अयोध्या में ५०० साल बाद भव्य राम मंदिर बना। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश आग बढ़ रहा है और पीएम मोदी ने धारा ३७० हटाने का काम किया। कांग्रेस को निशाने पर लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने कहा, कांग्रेस समर्थन से जीत हासिल करती है। कांग्रेस ने कभी किसी का भला नहीं किया कांग्रेस का कोई विचार नहीं है।

बाबा साहब ने कभी कांग्रेस को कुछ नहीं समझा। कांग्रेस लोहिया को आदर्श मानने वाली परिवार की पार्टी है। भाजपा नेता चौधरी ने पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश का नाम लेकर कहा, अखिलेश आपको सावधान कर रहा हूं आप सावधान रहें। कांग्रेस पार्टी की नजर आपके वोट बैंक पर है, कांग्रेस भस्मासुर है और आपके मुस्लिम वोट बैंक पर उनकी नजर है।

बता दें कि इस बैठक दौरान चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन को लेकर भी चर्चा होगी और बैठक के हंगामेदार रहने के भी आसार जताए जा रहे हैं। यूपी कार्यसमिति की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश से केंद्र के सभी मंत्री और यूपी के सभी ३३ सांसद और सभी भाजपा विधायक शामिल हो रहे हैं।

राज्य की खोयी अस्मिता को लौटाना ही हमारा राजनीतिक दायित्व:सुदेश महतो

रांची (ससे): भादुडीह चांडिल में आज रविवार को आजसू पार्टी का ईचागढ़ विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सपन्न हुआ. पार्टी प्रमुख सुदेश महतो ने चूल्हा प्रमुखों को झारखंड के नवनिर्माण और पार्टी के विचारधारा को लेकर शपथ दिलाई. सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि राज्य की खोयीअस्मिता को लौटाने और जनता के साथ विश्वास के संबंध को मजबूत बनाना ही हमारा राजनीतिक दायित्व है.

आजसू पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता अपने दायित्वों के निर्वहन में दिन-रात मेहनत करें.

चूल्हा प्रमुख हर एक परिवार की आवश्यकताओं को नेतृत्व प्रदान करने का काम करेगा. इस दौरान क्षेत्र के कई समाजसेवियों और युवाओं ने पार्टी का दामन थामा.

सुदेश कुमार महतो ने कहा कि हम मिशन २०२४ की शुरुआत ईचागढ़ से कर रहे हैं. हेमंत सरकार को हर मोर्चे पर विफल करार देते हुए कहा कि निशुल्क बिजली का ढिंढोरा पीटने वाली सरकार निर्बाध बिजली देने में असफल है. गांव के लोग बिजली व्यवस्था से त्रस्त हैं. ट्रांसफॉर्मर खराब होने पर उसे बदलने में महीनों लग जाते हैं. यह राज्य में व्याप्त कुव्यवस्था का एक नजारा है.

मौके पर पार्टी के प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस ने कहा कि राज्य की मौजूदा परिस्थिति से समाज का हर एक वर्ग हताश और निराश है.

इस परिस्थिति को बदलने और राज्यवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए हम सभी को मिल कर काम करना होगा. सम्मेलन में रामचंद्र सहीस, हरेलाल महतो, रविशंकर मौर्य, सुनिल सिंह, सत्यानारायण महतो, शुषेण महतो, मांझी साव सहित कइ पार्टी नेता मौजूद रहे

प्रफुल्य गोप, निरंजन गोप, नरेन गोप, सुभाष तंतुवाई, श्याम पदों तंतुवाई, विश्वजीत गोप, सुमन गोप, मनोज गोप, शंकर गोप, गणेश गोराई, प्रकाश गोप, धर्मराज गोप, मोहित गोप, राधेश्याम गोप, अरूप गोप, विश्वनाथ गोप, निमाई गोप, धनंजय गोप, रोहित गोप, मालखान गोप, विशाल गोप, रविन्द्र गोप, सुमित गोप, शिला महतो, रोमनी बेसरा, रेखा हंसदा, सरस्वती देवी, चाँदमनी हंसदा, सुशिल सिंह मुंडा, रजनी मछुआ, शिला मछुआ, पूजा मछुआ, बीना मछुआ समेत कई युवाओं और समाजसेवियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

आदिवासी महिलाओं ने की शिव-पार्वती की पूजा

रांची (ससे): हातमा मौजा के तीन टोला के आदिवासियों ने भगवान शिव और पार्वती की पूजा अर्चना की. सुबह ६ बजे करमटोली से १५ महिलाएं स्वर्ण रेखा, नगड़ा टोली से १७ महिलाएं बोड़ेया नदी, हातमा से ११ महिलाएं जुमार नदी से कसा लोटा में पानी लेने पहुंचीं. महिलाएं विधि विधान से जल देवता को नमन कर कसा लोटा में पानी लेकर करमटोली अखड़ा में पहुंची. यहां हजारों की संख्या में लालपाड़ की साड़ी पहने महिलाओं तथा पुरुषों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ उनका स्वागत किया.

उसके बाद सभी अखडा से कतारबद्ध पैदल मार्च करते हुए हातमा के मड़ई होते हुए, बूढ़ा महादेव पूजा स्थल पहुंचे. यहां मुख्य जगलाल पाहन ने एक बकरे की बलि दी. उसके बाद पुन: हातमा में मंड़ई पूजा करने पहुंचे. यहां लोगों ने पारंपरिक रूप से भगवान शिव और पार्वती को जल, अरवा चावल, बेल पत्ता अर्पित किये .

प्रत्येक वर्ष अच्छी बारिश की कामना की जाती है

आषाढ़ी पूजा कार्यक्रम से जुडे. मुकेश खलखो ने बताया कि इस बार हातमा में आषाढ़ी पूजा की १९ वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, जिसमे भगवान शिव और पार्वती की पूजा की जाती है. प्रत्येक वर्ष अच्छी बारिश की कामना की जाती है, ताकि खेत-खलिहान, नदी तालाब में पानी भरा रहे. गांव-घर में खुशहाली बनी रहे. लोग एक-दूसरे से भाईचारे के साथ जीवन व्यतीत करें. गंवा देवती की कृपा टोला में बनी रहे. मौके पर शिव शंकर खलखो, सुकरा पाहन, चंदन पाहन, मुकेश खलखो, सुरेश तिग्गा, श्याम मोहन खलखो, पंचल तिर्की,पंचम मुंडा, कृष्णा मुंडा, कैलाश मुंडा, सोनू उरांव समेत अन्य उपस्थित थे.

44 साल की सरकार ने क्या किया, बस पैसा ऐंठा और आराम किया : बाबूलाल मरांडी

रांची (ससे): भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि वैसे तो झारखंड को बने अभी महज २४ साल ही हुए हैं, पर लिट्टीपाड़ा में झामुमो की सरकार ४४ साल से है, इसके बाद भी लोगों को पीने का शुद्ध पानी भी नसीब नहीं हो रहा है, उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, लोग आज भी बरसाती नदी और झरने का पानी पीने को विवश हैं, आज भी उनके सिर पर सबसे बड़ा बोझ पानी को ढोना है. सड़कों के जाल के नाम पर सिर्फ और सिर्फ पथरीला रास्ता नजर आता है.

बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि लगातार १० बार से एक ही परिवार और एक ही पार्टी के विधायक है, इसके बाद भी स्थानीय लोगों के लिए स्वास्थ्य सड़क और खेती किसानी के लिए संसाधनों की व्यवस्था नहीं हो पायी है. रोजगार के संसाधन न होने के कारण लोग पलायन करने को मजबूर हैं.४४ साल से लिट्टीपाड़ा में राज कर रही झामुमो पार्टी, इसे अपनी सल्तनत तो समझती है, पर जब बात लोगों के विकास और कल्याण की आती है तो मुस्कुराते हुए बेशर्मी से बात टाल देती है.

बाबूलाल ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि हाईकोर्ट ने कांग्रेस-झामुमो के मुंह पर करारा तमाचा मारा है. राज्य के कई नगर निकायों का कार्यकाल ४ साल पहले ही समाप्त हो चुका है. विगत १ साल से भी अधिक समय से राज्य के सभी नगर निकायों को प्रशासकों के भरोसे चलाया जा रहा है. नगर निकाय के भारी भरकम बजट में भ्रष्टाचार करने की चाहत में इंडी ठगबंधन की सरकार ४ सालों में चुनाव नहीं पायी. कांग्रेस-झामुमो जैसी परिवारवादी पार्टियों ने शहरवासियों का लोकतांत्रिक अधिकार छीनकर नागरिक सुविधाओं से वंचित रखा.संविधान के तथाकथित चैम्पियन राहुल गांधी जी झारखंड में अपनी पार्टी की करतूतों को देखिए और आइंदा से संविधान पर ज्ञान देने से पहले शर्म करिए! लोकतंत्र की हत्यारी इस सरकार को जनता माफ़ नहीं करेगी.

मरांडी ने एक पोस्ट में कहा कि राज्य में सिर्फ पैसों का खेल चल रहा है. कहा कि सरकार में सेटिंग अच्छी हो, तो मूक-बधिर भी बोलने लगता है! मरांडी ने आगे कहा, इस फर्जीवाड़ा में अभ्यर्थी के साथ-साथ सर्टिफिकेट जारी करने वाले अधिकारी, काउंसलिंग टीम के सदस्य, परीक्षा आयोग और सत्ताधारी दलों की भी सहभागिता है. हेमंत सरकार की पैसों की भूख इतनी बढ़ गयी है कि अब एक असहाय, दिव्यांग की नौकरी को भी बेचा जा रहा है.

शहरी निकाय चुनाव नहीं कराये जाने पर हाईकोर्ट नाराज, कहा- यह भी लोकतंत्र की हत्या है

रांची (ससे): झारखंड में शहरी निकाय का चुनाव अब तक नहीं कराये जाने पर हाईकोर्ट ने नराजगी जतायी है. अदालत ने मौखिक टिप्पणी कर कहा कि पिछले चार साल तक चुनाव नहीं कराया जाना भी लोकतंत्र की हत्या है. कोर्ट ने कहा कि प्रशासक के माध्यम से नगर निकाय चलाया जा रहा है. यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है. चुनाव नहीं कराना संवैधानिक तंत्र की विफलता है. अदालत ने पूर्व पार्षद रोशनी खलखो की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की. अब इस मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी. बताते चलें कि राज्य के १३ नगर निकायों में तीन वर्षों से अधिक समय से और शेष सभी निकायों में पिछले साल अप्रैल से नगर निकाय चुनाव नहीं हुआ है. इसको लेकर अदालत ने चार जनवरी २०२४ को सरकार को तीन सप्ताह में निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया था. लेकिन अब तक चुनाव नहीं हुआ है. इधर झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने ट्रिपल टेस्ट के लिए जनगणना कराने संबंधित प्रस्ताव राज्य सरकार के कार्मिक विभाग को भेजा है. आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र महतो ने कहा कि राज्य सरकार ने न्यायालय के निर्देशानुसार, ओबीसी की वास्तविक गिनती कर ट्रिपल टेस्ट कराने को कहा है. निजी एजेंसी द्वारा जनगणना कराने पर उसकी स्वच्छता और पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो सकता है. ऐसे में उपायुक्तों के माध्यम से ही जनगणना कराने का निर्णय लिया गया है.

रांची में गरजे शिवराज, कहा, 99 सीट लाकर न जाने कौन सा तीर मार लिया कांग्रेस ने

रांची (ससे): केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कांग्रेस और जेएमएम के खिलाफ आक्रामक तेवर दिखाये. श्री चौहान राजधानी रांची के धुर्वा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आयोजित विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसा लग रहा है कि ९९ सीटें प्राप्त कर उनने बड़ा तीर मार लिया है. राहुल को चिंदी मिल गयी तो बजाज बन गये. शिवराज सिंह ने कहा कि हमारी २४३ और एनडीए के साथ २९३ सीटें आयू. लोकसभा में जब अध्यक्ष के चुनाव की बारी आयी तो पूरा इंडिया ब्लॉक कांग्रेस और उनके साथी मैदान छोड़कर भाग गये. उनको पता था कि बहुत बुरा हारेंगे. क्योंकि लोकसभा में संसद में भारी बहुमत नरेंद्र मोदी को प्राप्त हुआ है. कहा कि कांग्रेस और जेएमएम झूठ बोलने की मशीन हैं. वे गलत नैरेटिव सेट करते हैं. बीजेपी कार्यकर्ताओं की पार्टी है. राहुल गांधी द्वारा सदन में दिये गये बयान पर कहा कि राहुल गांधी को हिंदू के बारे में पता नहीं है.

चौहान ने कहा, झारखंड में क्या हुआ १४ में से हम ०९ सीटें जीते हैं. और इसी को विधानसभा में बदल दिया जाये तो हम ८१ में से ५२ सीटों पर आगे रहे हैं. कभी अग्निवीर के बारे में झूठ बोलते हैं तो कभी झूठ बोलते हैं कि किसानों को एमएसपी नहीं दे रहे. कहा कि तुम्हारी सरकार(कांग्रेस) जहां होगी वहां गड़बड़ होती होगी. हमारी सरकारें सब जगह दे रही हैं.

चौहान ने कहा कि कभी कहते हैं हिंदू हिसंक हैं. राहुल बाबा हिंदुत्व की पहचान तुम क्या जानो? ये मेरा है, ये तेरा है ये सोच छोटे दिल वालों की होती है. जो विशाल हृदय के होते हैं वो कहते हैं सारी दुनिया ही एक परिवार है. ये हिंदुत्व है. धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो ये हिंदुत्व है. और केवल मनुष्य में नहीं प्राणियों में सद्भावना हो ये हिंदुत्व है. सब सुखी हो, सब निरोग हों, सबका मंगल हो, सबका कल्याण हो ये हिंदुत्व है. और ये भारत की हजारों साल पुरानी परंपरा हैं.

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कितने वादे किये थे. इनके निश्चय पत्र पर सैंकड़ों वादे लिखे हैं. आज मैं जवाब मांग रहा हूं हेमंत सोरेन हो, कांग्रेस हो या गठबंधन के लोग बताओ कौन सा वादा पूरा किया है. नौजवानों को कहा था, सरकारी नौकरी देंगे, नौकरी नहीं दी तो ५ हजार रुपए स्नातक को और ७ हजार रुपए स्नातकोत्तर को बेरोजगारी भत्ता देंगे. बताओ किसी एक को भी बेरोजगारी भत्ता दिया है? नौकरियां मिल रही है? कितने बड़े झूठे हैं ये. बहनों से भी कई वादे किये थे कि घर खर्च के लिए २ हजार रुपया महीना देंगे. मैं पढ़कर बता देता हूं इनने लिखा है पूरे राज्य में महिला बैंक की स्थापना की जायेगी. हर गरीब महिला को अपनी आकस्मिक जरूरतों के लिए ५० हजार का कर्ज़ बिना किसी गारंटी के आधार कार्ड पर देंगे. बताओ किसी को मिला क्या ? मैं नौजवानों से कहता हूं कि जाओ और मांगों ५ हजार रूपया और ७ हजार रूपया बेरोजगारी भत्ता.

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मां के नाम पर लगाया पौधा

कहा-मप्र देश का फेफड़ा, इससे मिलती है ऑक्सीजन

इंदौर (ईएमएस): स्वच्छता का रिकॉर्ड बनाने वाला इंदौर रविवार को हरियाली का विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए सुबह ६ बजे से जुट गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी इस अभियान में शामिल होने इंदौर पहुंचे। पितरेश्वर हनुमान के दर्शन करने के बाद उन्होंने मां के नाम पर एक पेड़ लगाया। शाह ने रेवती रेंज में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कि इंदौर सफाई, स्वाद, सहभागिता के लिए जाना जाता है। अब इंदौर हरियाली के नाम से भी जाना जाएगा। इंदौर स्मार्ट, मेट्रो सिटी बन चुका है। अब ग्रीन सिटी के नाम से जाना जाएगा। मंत्री शाह ने कहा कि ये अभियान सरकारी समारोह नहीं है। समाज इस अभियान से जुड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के एक पेड़ मां के नाम के नारे को देशवासियों से जन आंदोलन बना दिया।

मंत्री शाह ने कहा कि पर्यावरण की चिंता विश्व को है। ओजन लेयर में बड़े-बड़े छेद हो गए हैं। मध्य प्रदेश देश का फेफड़ा है। यह देश को ऑक्सीजन देता है। इस प्रदेश में ३० परसेंट वन क्षेत्र है। पूरे देश का १२ परसेंट ग्रीन कवरेज इस प्रदेश में है। मंत्री शाह ने कहा कि मैं चुनाव के बाद पहली बार प्रदेश में आया हूं। इस प्रदेश की जनता ने २९ सीटें मोदी जी की झोली में डाली हैं। प्रदेश की मोहन सरकार अच्छे काम कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि के क्षेत्र में कई योजनाएं लागू की हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इंदौर जो करता है अलग हटके करता है, इसलिए इंदौर की देश में अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि मालवा के लिए कहावत थी कि मालव माटी गहन गंभीर, पग पग रोटी डग डग नीर, लेकिन काल के प्रवाह में मालवा से पेड़ कम होते गए। अब इंदौर ने मालवा का पुराना स्वरूप लौटने का ठाना है। पेड़ लगाना सबसे बड़ा पुण्य का काम है।

सीएम हेमंत सोरेन ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की, काल भैरव मंदिर में भी माथा टेका

रांची (ससे): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को बनारस (वाराणसी) पहुंचे. यहां उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. इस दौरान सीएम ने बाबा विश्वनाथ महादेव जी से झारखंड वासियों की सुख, शांति, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की. विश्वनाथ मंदिर में पूजा के बाद सीएम काल भैरव के मंदिर पहुंचे और वहां भी माथा टेका. इस दौरान हेमंत की पत्नी और गाडिय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन भी मौजूद रहीं. इससे पहले सीएम बनारस की गलियों में घूमे. उन्होंने कहा कि बनारस की गलियों में दुनिया का सार छिपा है. सीएम हेमंत सोरेने ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर बनारस की सारी तस्वीरें साझा की है. पहले पोस्ट में सीएम बनारस की गलियों में घूमते नजर आ रहे हैं. इस फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा कि बनारस की गलियों में दुनिया का सार छिपा है. दूसरे पोस्ट में हेमंत ने चार तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वो बाबा विश्वनाथ महादेव जी की पूजा अर्चना करते नजर आ रहे हैं. तीसरे पोस्ट में भी हेमंत ने चार फोटोज शेयर किया है. इसमें दोनों पति-पत्नी काल भैरव को हाथ जोड़कर प्रणाम कर रहे हैं.

46 साल बाद खुला जगन्नाथ मंदिर का खजाना

पुरी (ईएमएस): ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर का खजाना रविवार दोपहर १:२८ बजे खोल दिया गया।

ओडिशा मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। इस दौरान भंडार गृह में सरकार के प्रतिनिधि, एएसआई के अधिकारी, श्री गजपति महाराज के प्रतिनिधि समेत ११ लोग मौजूद हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सरकार रत्न भंडार में मौजूद कीमती सामानों की डिजिटल लिस्टिंग करेगी, जिसमें उनके वजन और निर्माण जैसे डिटेल होंगे।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सुपरिंटेंडेंट डीबी गडनायक ने कहा कि इंजीनियर्स मरम्मत कार्य के लिए रत्न भंडार का सर्वे करेंगे। मंदिर का खजाना आधिकारिक तौर पर आखिरी बार ४६ साल पहले १९७८ में खोला गया था।

खजाना खोलने से पहले प्रशासन ने लकड़ी के भारी ६ संदूक मंगाए। एक संदूक उठाने के लिए ८ से १० लोगों को लगना पड़ा। इन्हें रत्न भंडार गृह में भेजा गया है।

भाजपा के लिए बहुत अच्छा संदेश नहीं दे रहे विधानसभा के उपचुनाव

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा चुनाव में झटका खा चुकी भाजपा संभलती इससे पहले ही ७ राज्यों की १३ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों ने एक और बड़ा झटका दिया है। विपक्षी एकता की नींव ने बीजेपी के सभी समीकरणों को बिगाड़ कर रख दिया। इसी वजह से चुनाव में एक तरफ अगर बीजेपी सिर्फ दो सीटों पर जीत दर्ज कर पाई तो वहीं दूसरी तरफ दो राज्यों की ५ सीटों में से चार पर कांग्रे,स बंगाल की चारों सीटों पर टीएमसी और पंजाब की एक सीट पर आम आदमी पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की।

बड़ी बात यह है कि जो पांच दलबदलू नेता इस बार उपचुनाव में हारे हैं, उसमें से चार तो बीजेपी की तरफ से थे। इस कड़ी में सबसे पहले नाम आता है होशियार सिंह का जिन्होंने २०२२ के विधानसभा चुनाव में देहरा सीट पर बतौर निर्दलीय जीत दर्ज की थी। लेकिन २०२४ के मार्च में सबसे बड़ा सियासी खेल हुआ और होशियार सिंह ने बीजेपी का दामन थाम लिया। इस बार बीजेपी को बड़ी उम्मीद थी कि उपचुनाव में होशियार सिंह जीत दर्ज कर लेंगे, लेकिन उन्हें बड़ी हार का सामना करना पड़ा। माना जा रहा है बीजेपी में बड़े पद की वजह से उन्होंने पार्टी ज्वाइन की थी, लेकिन अब तो उनकी विधायकी भी हाथ से छिन चुकी है। बीजेपी की बात करें तो उसे सिर्फ दो ही सीटों पर जीत मिली है। एक तरफ हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से जीत का स्वाद मिला है तो वही कमलनाथ के गढ़ अमरवाड़ा में भी पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। अगर मोटा मोटा समझा जाए तो सात राज्यों की १३ सीटों में इंडिया गठबंधन एनडीए पर पूरी तरह भारी पड़ा है और उसने १० सीटें हासिल की हैं। बिहार की रुपौली इकलौती ऐसी सीट रही जहां पर दोनों इंडिया और बीजेपी को झटका लगा और निर्दलीय उम्मीदवार ने वहां से जीत हासिल की।

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ का धरना प्रदर्शन, मांगें पूरी नहीं होने पर हड़ताल पर जाने की चेतावनी

रांची (ससे): झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ, समाहरणालय संवर्ग ने रविवार को राजभवन के सामने धरना प्रदर्शन किया. धरना के माध्यम से संघ के लोगों ने सरकार से नौ सूत्री मांग की रखी है. इस दौरान झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के राज्याध्यक्ष राजेश रंजन दुबे ने कहा कि अगर हमारी मांग पूरी नहीं होती है तो, हम हड़ताल पर चले जायेंगे.

उन्होंने कहा कि पहले हम चार महीने पहले धरना पर बैठने वाले थे, पर राष्ट्रपति के आने के कारण हमने इसे टाल दिया था और हमने सरकार को एक अवसर दिया कि हमसे बात की जाये. हालांकि सरकार ने हमसे वार्ता करने के लिए कोई पहल नहीं की, जिसके बाद हमें मजबूरन धरने पर बैठना पड़ा.

उन्होंने कहा कि यदि हम हड़ताल पर चले जाते हैं, तो निश्चित रूप से सरकार का सारा काम बाधित हो जाएगा. सरकार जल्द से जल्द हमसे वार्ता करनी चाहिए और हमारी मांगों को सुन कर त्वरित समाधान करना चाहिए.

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ की मांगें

निम्नवर्गीय लिपिक के ग्रेड वेतन को १९०० से बढ़ाकर २४००, उच्चवगीय लिपिक का ग्रेड वेतन-४२००, प्रधान लिपिक का ग्रेड वेतन-४६००, कार्यालय अधीक्षक का ग्रेड वेतन-४८०० व प्रशासी अधिकारी का ग्रेड वेतन-५४०० किया जाए.

२.अविलंब पद सृजन की कार्रवाई की जाये

निम्नवर्गीय लिपिक से उच्चवर्गीय लिपिक के लिए प्रोन्नति निर्धारित कालावधि ०८ वर्ष से घटाकर ०४ वर्ष किया जाए और अन्य उच्चतर पदों के लिए प्रोन्नति के मामले में कालावधि में पचास प्रतिशत की छूट दी जाए. पद रिक्त नहीं रहने की स्थिति में एमएसीपी के माध्यम से पदक्रम के अनुसार वेतनमान का लाभ दिया जाए.

एमएसीपी की कालावधि १० वर्षों से घटाकर ०८ वर्ष की जाए और पद सोपान के अनुरूप एमएसीपी की संख्या व वेतनमान अनुमान्य किया जाये.

निम्नवर्गीय/कनीय आदि शब्दों को हटाते हुए समाहरणालय लिपिकों/प्रधान लिपिकों के पदनाम में निम्न प्रकार संशोधित किया जाये. निम्नवर्गीय लिपिक के स्थान पर समाहरणालय सहायक, उच्चवर्गीय लिपिक के स्थान पर समाहरणालय वरीय सहायक. प्रधान लिपिक के स्थान परमुख्य अनुसचिवीय पदाधिकारी सहायक प्रशासी अधिकारी कार्यालय अधीक्षक.

समाहरणालय एवं उसके अधीनस्थ सभी कार्यालयों में कार्यालय अधीक्षक (सहायक प्रशासी अधिकारी) का पद सृजित करते हुए कार्यालय अधीक्षक के पद को राजपत्रित पद घोषित किया जाए.

झारखंड प्रशासनिक सेवा की २५ प्रतिशत मूल कोटि के लिए उपसमाहर्ता सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्धारित शर्त यथा-४२०० का ग्रेड वेतन तथा समय / उम्र सीमा आदि को समाप्त करते हुए समाहरणालय संवर्ग के सभी लिपिकीय कर्मियों के लिए अनुमान्य किया जाय उपसमाहर्ता सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में समाहरणालय संवर्ग के लिपिकों के लिए ५० प्रतिशत सीट सुरक्षित की जाए.

चतुर्थवर्गीय कर्मियों को योग्यता व वरीयता के आधार पर बिना किसी परीक्षा के समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग के १५ प्रतिशत आरक्षित पदों दी जाए या प्रोन्नति प्रदान की जाए. साथ ही समाहरणालय एवं संलग्न कार्यालयों में कार्यरत संविदा कर्मियों की सेवा नियमित की जाए और आउटसोर्सिंग के आधार पर कार्यरत कर्मियों की सेवा को अनुबंध पर लेते हुए उनकी सेवा राज्य सरकार के अधीन की जाए.

कार्यालय अधीक्षक (सहायक प्रशासी अधिकारी) व प्रशासी अधिकारी के कार्यों एवं दायित्वों को पुनर्निर्धारित किया जाए. कर्मियों की सेवा निवृत्ति उम्र सीमा ६० वर्ष से बढ़ाकर ६५ वर्ष की जाए.

संपादकीय

आंदोलन और अवरोध...

किसान आंदोलन को दबाने की जैसी कोशिश हरियाणा सरकार ने की, वैसी देश में कहीं नहीं देखी गई। तीन कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन शुरू हुआ तो हरियाणा सरकार ने पंजाब और हरियाणा की तरफ से दिल्ली की तरफ बढ़ रहे किसानों को रोकने के लिए सड़कें खुदवा दी थीं। फिर जब तीनों कानूनों को वापस लेते वक्त केंद्र सरकार की तरफ से किए गए वादे पूरे न किए जाने पर, पांच महीने पहले, दूसरी बार पंजाब और हरियाणा के किसानों ने दिल्ली की तरफ कूच किया तो हरियाणा सरकार ने शंभू सीमा पर उन्हें रोक दिया। राजमार्ग पर दीवारें खड़ी कर दी गईं, मोटी-मोटी कीलें गाड़ दी गईं।किसानों ने वहीं डेरा डाल दिया, तो कई दिन तक उन पर ड्रोन से आंसू गैस के गोले बरसाए गए, ताकि वे वापस लौट जाएं। उस दौरान हरियाणा पुलिस की तरफ से गोलीबारी भी की गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। राजमार्ग पर अवरोध खड़े किए जाने की वजह से रोजाना हजारों आम लोगों को तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उस इलाके के व्यापारियों की परेशानियों का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने वहां के उच्च न्यायालय में गुहार लगाई। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य सरकार एक हफ्ते के भीतर राजमार्ग से अवरोधक हटा ले। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी कह दिया है कि हरियाणा सरकार को इस तरह राजमार्गों पर बाधा खड़ी करने का कोई हक नहीं है। राज्य सरकार की तो यातायात को सुगम बनाने की जिम्मेदारी होती है। दरअसल, गोलीबारी में मारे गए युवक की न्यायिक जांच कराने के पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी। उसी की सुनवाई

करते हुए अदालत ने कहा कि शंभू सीमा से अवरोधक तुरंत हटाए जाएं। किसान भी नागरिक होते हैं और उन्हें सरकार के सामने अपनी मांग रखने का हक है। इसी तरह तीन कानूनों के विरोध में उठे आंदोलन को दबाने के लिए दिल्ली की सीमाओं पर किसानों को रोकने के लिए बड़ी-बड़ी कीलें ठोंक दी गई थीं। तब भी सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि किसानों को अपनी मांग रखने का अधिकार है और राजमार्गों को किसी भी रूप में रोका नहीं जाना चाहिए। मगर लगता है कि अदालतों के बार-बार यह रेखांकित करने के बावजूद सरकारों को इस लोकतांत्रिक तकाजे की कोई परवाह नहीं है। किसान कोई किसी दूसरे देश के सिपाही तो हैं नहीं कि उनके दिल्ली पर हमला कर देने का खतरा है। उन्होंने तो लोकतांत्रिक तरीके से दिल्ली के रामलीला मैदान में इकट्ठा होकर अपनी मांगें रखने की अनुमति मांगी थी। मगर हरियाणा सरकार ने उनके साथ अपनी जोर आजमाइश शुरू कर दी। ये सवाल अब भी अपनी जगह बने हुए हैं कि तीन कानूनों को वापस लेते समय प्रधानमंत्री ने जिन मांगों को पूरा करने का वादा किया था, वे अभी तक पूरी क्यों नहीं की गईं। राहुल गांधी ने भी यह मुद्दा संसद में उठाया था, मगर उसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। किसानों की सबसे अहम मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी का कानून बनाने को लेकर है। इसका वादा प्रधानमंत्री ने भी किया था, मगर इस दिशा में कोई पहल नजर नहीं आई। इसके अलावा आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ दायर मुकदमे वापस लेने और कर्ज माफी की मांग है। सरकार अपने वादों पर भी आगे कदम नहीं बढ़ा रही, तो आंदोलन तो सिर उठाएंगे ही।

दिल्ली में लापरवाही की बाढ़

राजधानी दिल्ली के कई इलाकों से कभी लोगों के पानी के लिए तरसने की खबर आती है, तो कभी यहां के कुछ क्षेत्रों में पानी भर जाता है। पिछले महीने दिल्ली के कई हिस्सों में पेयजल का गंभीर संकट पैदा हो गया था। तब दिल्ली सरकार का कहना था कि हरियाणा से यमुना में उसके हिस्से का पूरा पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। अब यमुना की एक नहर में इतना पानी आ गया कि दिल्ली के बवाना में तटबंध टूट गए और आसपास के क्षेत्र जलमग्न हो गए। यहां लोगों के लिए पेयजल का भी संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि बाढ़ से जलशोधन संयंत्रों को नुकसान पहुंचा है।सरकार इस समस्या से जल्द निजात दिलाने का दावा कर रही है, लेकिन क्या समय रहते इस खतरे को टाला नहीं जा सकता था? दरअसल, हर साल बरसात में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली में बाढ़ का खतरा बना रहता है। पिछले साल भी यमुना के उफान से राजधानी के कई इलाके जलमग्न हो गए थे। जब सब कुछ पहले से अंदाजा रहता है, तो बाढ़ से बचने के दीर्घकालिक उपायों पर काम क्यों नहीं किया जाता? दिल्ली के बवाना में जिस नहर के तटबंध टूटने से पानी भरा है, वह हरियाणा के करनाल से यमुना नदी से निकलने वाली मुनक नहर का हिस्सा है। दिल्ली सरकार का तर्क है कि इस नहर की देखरेख का जिम्मा हरियाणा सरकार का है। पर जो नहर दिल्ली से होकर जा रही है, क्या उसकी निगरानी करने का कर्तव्य यहां के शासन-प्रशासन का नहीं बनता है? दिल्ली सरकार का कहना है कि संबंधित इलाकों में बाढ़ की स्थिति से निपटने के बाद हरियाणा सरकार के साथ मिलकर नहर के क्षतिग्रस्त होने के कारणों की जांच की जाएगी। अगर इस नहर की नियमित निगरानी की जाती, तो इसके तटबंध टूटने से बचाने के उपाय समय रहते किए जा सकते थे। आशंका है कि ज्यादा बरसात के समय यमुना और इससे निकलने वाली नहरों में जलस्तर और खतरनाक रूप ले सकता है। ऐसे में दिल्ली और हरियाणा सरकारों को बाढ़ के संभावित खतरों से निपटने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल के नुकसान से बचा जा सके।

आज का कार्टून

यूएन रिपोर्ट: भारत की आबादी 2085 में चीन से दोगुनी हो जाएगी

आईएनएलडी-बसपा गठबंधन से तीसरे मोर्चे को एक-बार पुनः पंख लगेंगे?

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा और कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने और सरकार चलाने के लिए क्षेत्रीय मित्र दलों पर निर्भर रहने से इलाकाई पार्टियों के हौसले बुलंद हैं।इनका कहना है कि एक दशक बाद ही सही, पर गठबंधन राजनीति का दौर एक बार फिर से लौट आया है। अलबत्ता, भाजपा के कमजोर होने और कांग्रेस की मजबूती के बाद इन दोनों दलों के खिलाफ काम करते रहने वाले तीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट भी तेज हो चुकी है। वर्षों कि चुनावों में जब भी त्रिकोणात्मक संघर्ष की नौबत आती है तो प्रायः सत्तापक्ष लाभान्वित होता है। इस वर्ष के अंत में तीन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखाई पड़ेगा, जिसकी शुरुआत हरियाणा से हो चुकी है। देखा गया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर वहां पर कभी सत्तारूढ़ रही इंडियन लोकदल और कभी यूपी में सत्ता में रही बहुजन समाज पार्टी ने एक-दूसरे से हाथ मिला लिया है। साथ ही, दोनों दलों के गठबंधन ने तीसरे मोर्चे की संभावनाओं को तलाशने के लिए एक कमेटी भी गठित कर दी है, जो एलडीए के साथ रही जननायक जनता पार्टी और इंडिया ब्लॉक के साथ रही आप आदि दलों को इस तीसरे गठबंधन के साथ लाने की कोशिश करेगी।

कमलेश पांडेय

इस गठबंधन ने यह भी ऐलान कर दिया है कि वह भाजपा और कांग्रेस से समान दूरी बनाकर चलेगी और अन्य सभी दलों को साथ लेकर चलेगी। समझौते के मुताबिक, 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा के चुनाव में इनैलो 53 और बसपा 37 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, जब जजपा और आप इनके साथ होंगे तो इनैलो और बसपा अपनी सीटों में से उन्हें भी सम्मानजनक सीटें देंगी, ताकि तीसरा मोर्चा मजबूत हो।

इसलिए सियासी हल्के में यह चर्चा जोर पकड़ चुकी है कि भारत के उपप्रधानमंत्री रहे और हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे चौधरी देवीलाल द्वारा स्थापित इंडियन लोकदल ने अपने पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के पुत्र और पार्टी के इकलौते विधायक अभय चौटाला के नेतृत्व में दलितों की पार्टी बसपा से जो हाथ मिलाने की पहल की है, उसका दूरगामी असर हरियाणा विधानसभा चुनाव समेत अन्य चुनावों पर पड़ेगा। क्योंकि बसपा के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के भतीजे आकाश आनन्द ने यह घोषणा की है कि उनका गठबंधन अब बहुत दूर तक चलेगा।

चर्चा है कि जब 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से यह पता चल गया कि स्थानीय जाट और एससी वर्ग ने बड़े पैमाने पर कांग्रेस को वोट दिया है, जिससे वह राज्य में मजबूती से पैर जमा चुकी है, तो उसे कमजोर करने के लिए राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर जाट परिवार के नेतृत्व वाली आईएनएलडी और दलित नेता मायावती के नेतृत्व वाली बीएसपी 10 साल बाद राज्य में सियासी लड़ाई के लिए एक साथ आई हैं।

जिस तरह से अचानक इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) ने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए अपने गठबंधन की औपचारिक घोषणा करने के लिए फिर से एक साथ आए हैं, उसके सियासी मायने साफ हैं। वह यह कि कांग्रेस को वहां मजबूत होने से रोका जाये, अन्यथा उनकी राजनीति पुनः खतरे में पड़ जाएगी। बताते चलें कि अप्रैल 2018 में आईएनएलडी ने 2019 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले मायावती के नेतृत्व वाली बसपा पार्टी के साथ गठबंधन किया था और सकारात्मक परिणाम भी हासिल किया था। लेकिन 2018 में आईएनएलडी में विभाजन के बाद और 2019 के जींद उपचुनावों में आईएनएलडी के खराब प्रदर्शन के बाद ही बीएसपी ने गठबंधन खत्म करने का फैसला किया था। जो दोनों दलों के लिए आत्मघाती साबित हुआ। क्योंकि इससे पहले जब दोनों पार्टियों ने 1998 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन किया था, तो हरियाणा में इनैलो ने 7 और बीएसपी ने 3 सीटों पर चुनाव लड़ा था और दोनों ने क्रमशः4 और 1 सीट जीती थी थी। जबकि वर्तमान में आलम यह है कि 90-सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में इनैलो के एकमात्र विधायक अभय चौटाला हैं, जबकि बीएसपी का कोई सदस्य नहीं है।यही वजह है कि गत गुरुवार को हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इनैलो महासचिव अभय चौटाला और मायावती के भतीजे व बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने घोषणा की कि हरियाणा स्थित पार्टी इनैलो 90 विधानसभा सीटों में से 53 पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शेष 37 सीटें बीएसपी को

दी गई हैं। वहीं, इस गठबंधन के हिस्से के रूप में नेताओं ने इनैलो नेता अभय चौटाला को अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने का फैसला किया है, जो एक मजबूत सियासी कदम है।

इस दौरान सीएम इन वेटिंग अभय चौटाला ने कहा कि हमने हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है। क्योंकि आज आम लोगों ने भी भाजपा को सत्ता से बाहर करने और कांग्रेस को दूर रखने का मन बना लिया है, जिसने दस साल तक राज्य को लूटा है। वहीं, बसपा नेता आकाश आनंद ने घोषणा की कि उनका गठबंधन केवल विधानसभा चुनाव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे भविष्य में भी राज्य में अन्य चुनाव मिलकर लड़ेंगे। इससे साफ है कि बसपा जाट लैंड समझे जाने वाले पश्चिमी उत्तरप्रदेश से लेकर राजस्थान तक इस गठबंधन को भुनायेगी और खुद को और अधिक मजबूत बनाएगी।

उल्लेखनीय है कि इस गठबंधन की घोषणा के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ◦एक्स◦ पर पोस्ट किया कि बसपा और इनैलो मिलकर जनविरोधी पार्टियों को हराने और नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए काम करेंगी। इससे यह साफ हो गया कि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा का परोक्ष समर्थन करके बसपा को शून्य पर आउट करवाने वाली मायावती लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर से सक्रिय हो चुकी हैं और यह उनका सबसे तगड़ा धमाका है। इससे अन्य राज्यों में भी बसपा को गठबंधन साथी मिलने के मार्ग प्रशस्त हो चुके हैं। बकौल मायावती, ◦बहुजन समाज पार्टी व इण्डियन नेशनल लोकदल मिलकर हरियाणा में होने वाले विधानसभा आमचुनाव में वहाँ की जनविरोधी पार्टियों को हराकर अपने नये गठबन्धन की सरकार बनाने के संकल्प के साथ लड़ेंगे, जिसकी घोषणा मैं पूरे आशीर्वाद के साथ आज चण्डीगढ़ में संयुक्त प्रेसवार्ता में की गयी।◦ वहीं, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां तक उम्मीद जताई कि दोनों दलों के बीच एकता से विरोधियों को हराने और नई सरकार बनाने में बहुत मदद मिलेगी।

उनकी इस घोषणा के बाद दिल्ली से हरियाणा तक यही चर्चा है कि भाजपा की बी टीम की तरह काम करने वाली मायावती अब क्या हरियाणा में कांग्रेस का खेल बिगाड़ेंगी? क्योंकि बीते आम चुनावों में हरियाणा में भाजपा की सीटें 10 से घटकर 5 रह गई, जबकि कांग्रेस ने 5 सीट झटक ली। कहने का तात्पर्य यह कि वहां कांग्रेस ने बराबर-बराबर सीटें बांटीं। वहीं, खास बात यह कि सूबे में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित दो संसदीय सीटें अंबाला और सिरसा भी कांग्रेस के खाते में गई है, जबकि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 17 विधानसभा क्षेत्रों में से 13 सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं।

इस प्रकार आम चुनाव 2024 के नतीजों से साफ पता चलता है कि जाटों और अनुसूचित जातियों ने बड़े पैमाने पर कांग्रेस को वोट दिया है। हालांकि अब जिस तरह से जाट परिवार की अगुआई वाली पार्टी इनैलो और दलित नेत्री मायावती की अगुआई वाली बसपा फिर से एक साथ आ गई है, तो सियासी हलकों में इस बात पर चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या इनैलो-बसपा गठबंधन हरियाणा में कांग्रेस का खेल बिगाड़ पाएगा, जो कि इस चुनाव को 10 साल बाद सत्ता में वापसी के एक सुनहरे अवसर के रूप में देख रही है।

इस बारे में स्थानीय राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि उन्हें इस गठबंधन से बहुत उम्मीद नहीं है, क्योंकि यहां के जाट परिवार शुरू से ही दो खेमों में बंटे रहते हैं, जिसका मजबूत भड़ा हमेशा कांग्रेस के साथ रहता है। अभी कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा यहां के कांग्रेस चेहरा हैं, इसलिए कांग्रेस की स्थिति जाटों के बीच मजबूत बनी रहेगी। वहीं, संविधान बचाने के लिए दलित और लोकतंत्र बचाने के लिए मुस्लिम अल्पसंख्यक भी उसके साथ बने रहेंगे। हालांकि, किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले इनैलो-बसपा यानी दोनों पार्टियों के पिछले चुनावी प्रदर्शन को देखना होगा।

जहां आम चुनाव 2024 में उनका संयुक्त वोट शेयर महज 3.15 प्रतिशत था, वहीं यदि 2019 के विधानसभा चुनाव के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो बसपा को मात्र 4.21 फीसदी और इनैलो को 2.44 फीसदी वोट मिले थे। इसी प्रकार 2014 के आम चुनाव में बसपा का वोट शेयर महज 4.4 फीसदी था, जबकि इनैलो को 24.1 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन वह अविभाजित इनैलो था। बहरहाल, 2018 में इनैलो के विभाजन के बाद से ही पार्टी काफी कमजोर हो गई है। यही वजह है कि गत लोकसभा चुनाव में जाट और दलित कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े थे और जब तक राज्य सियासत में कुछ नाटकीय परिवर्तन नहीं होता है, तब तक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन खोना असंभव है। वहीं, अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आरक्षित सीटों पर कांग्रेस के प्रदर्शन से पता चलता है कि दलितों ने भी इस बार पार्टी का समर्थन किया है।

इसके अलावा, आम चुनाव 2024 में इनैलो और बसपा ने क्रमशः 7 और 9 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी और दोनों ही दलों की सीटें खाली रहीं, क्योंकि इनका खाता भी यहां नहीं खुला। जहां तक वोट शेयर की बात है तो इनैलो का वोट शेयर मात्र 1.87 फीसदी रहा, जबकि बसपा को 1.28 फीसदी वोट मिले। इससे साफ है कि नया गठबंधन राज्य में सरकार बनाने में सफल होगा या नहीं, यह तो बाद की बात है, लेकिन कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं पर तुषारापात कर सकता है। मायावती का प्राथमिक लक्ष्य भी यही है, क्योंकि भाजपा की मजबूती में ही उनका परोक्ष हित निहित है।

तकनीकी बातचीत ने खत्म किया आपसी संपर्क

कहावत है कि दीवारों के भी कान होते हैं। कई जगह यह भी कहा जाता है कि दीवारें बोलती हैं। मगर ये बातें और कहावतें अब पुरानी हो गई हैं, क्योंकि अब ऐसा लगता है कि इंसान ने भी सुनना और बोलना बंद कर दिया है। हास्यास्पद स्थिति यह है कि एक ही जगह बैठे परिजन एक दूसरे से वाट्सएप पर संदेशों के जरिए या मोबाइल फोन के माध्यम से बातें करते दिख जाते हैं। इस डिजिटल दुनिया में आदमी इंसानियत, भावनाओं और संवेदनाओं से मानो शून्य होता जा रहा है। संवाद करने की कला, एक दूसरे की भावनाओं का आदर, किसी की तकलीफ, क्रोध, दुख या खुशी को चेहरा देखकर पहचानने की कला लुप्त होती जा रही है।

शिखर चंद जैन

डर यह है कि कहीं हम एक दिन इंसान को सामने देख कर भी पहचानना, उसकी बातों को समझना और सुनना, अभिवादन करना या अपनी भावनाएं प्रकट करना भूल न जाएं। जब हम लंबे समय तक चलते-फिरते नहीं, हाथ-पैरों का उपयोग नहीं करते तो वे सुन्न पड़ने लगते हैं और शिथिल होने लगते हैं, क्योंकि उनकी क्रियाशीलता प्रभावित होती है। ऐसा ही दिमाग के मामले में भी होता है। मशीनरी भी लंबे समय तक न चले तो उसकी क्रियाशीलता प्रभावित होती है। इसीलिए चिंता है कि हमारी जीभ, स्वर-तंत्र, दिमाग का भावनात्मक हिस्सा भी इसी शिथिलता का शिकार न हो जाए।

विशेषज्ञ कहते हैं कि जैसे हमारी शारीरिक मांसपेशियां होती हैं, ठीक वैसे ही सामाजिक मांसपेशियां भी होती हैं। जब हम उनका इस्तेमाल नहीं करते तो ये सुन्न होने लगती हैं। संवाद या बातचीत कम करने पर हमारी याददाश्त और दिमागी सक्रियता पर इसका बुरा प्रभाव पड़ना बहुत हद तक संभव है। हमने देखा भी होगा कि घर के बुजुर्ग लंबे समय तक अकेले रहने के कारण और जब उनसे कोई संवाद नहीं करता, बच्चे दूर हो जाते हैं और जीवनसाथी से बिछोह हो चुका होता है, वे कई बार चाहकर भी अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए सही

शब्दों और हाव-भाव का इस्तेमाल नहीं कर पाते। अकेलापन उनसे उनका स्वाभाविक व्यवहार छीन लेता है।

संवादहीनता, अकेलेपन और संवेदनहीनता का ऐसा ही उदाहरण युवाओं में भी स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है, जो अकेलापन और उपेक्षित महसूस करने के कारण अवसाद में चले जाते हैं। इनमें से ज्यादातर वे युवा होते हैं जो इलेक्ट्रानिक उपकरणों, इंटरनेट और स्मार्टफोन के जाल में फंस कर वास्तविक दुनिया से दूर होते चले जाते हैं। ये स्नेह या प्यार भरे स्पर्श, सुखद या मनमोहक दृश्य और मधुर व अपनेपन भरी आवाज के जादुई प्रभाव को महसूस ही नहीं कर पाते।

आजकल पति-पत्नी के बीच 'साइलेंट ट्रीटमेंट' यानी चुप्पी और अबोला या शीत युद्ध की विषैली प्रवृत्ति में बढ़ोतरी देखी जा रही है। एक तरफ परस्पर बातचीत करने और अपनी आशंकाएं, नाराजगी, डर या समस्याएं साझा करने से मन हल्का होता है, वहीं पति-पत्नी के बीच यह अबोला शीतयुद्ध उनके संबंध, घर के माहौल, सेहत और बच्चों के मिजाज को बिगाड़ने वाला साबित होता है। संवादहीनता और चुप्पी के कई दुष्प्रभाव होते हैं। कई बार हम किसी के प्रति नाराजगी जताने या उसे सजा देने के लिए उससे बात करना बंद कर देते हैं। कभी-कभी यह सिलसिला लंबा खिंच जाता है तो इसके कई दुष्प्रभाव सामने आने लगते हैं।

बीस साल तक 'आस्ट्रेलिज्म' यानी बहिष्कार का अध्ययन करने वाले परडयु यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के प्रोफेसर किपलिंग विलियम्स का कहना है कि किसी व्यक्ति की अनदेखी करना, अपनी गतिविधियों या आम दिनचर्या से उसे दूर रखना और उसकी किसी बात का जवाब न देना अक्सर उसके प्रति नाराजगी जताने और उसे सजा देने के लिए किया जाता है। इससे प्रभावित व्यक्ति को न सिर्फ भावनात्मक, बल्कि शारीरिक नुकसान भी पहुंच सकता है।

बहिष्कार को प्रभावित व्यक्ति आसानी से समझ सकता है। वह इसकी पीड़ा का अनुभव कर सकता है। चुप्पी, बहिष्कार या 'साइलेंट ट्रीटमेंट' के असर से प्रभावित व्यक्ति के दिमाग का वह हिस्सा (एंटीरियर सिंगुलेट कोरटेक्स) सक्रिय हो जाता है जो शारीरिक पीड़ा के दौरान होता है। कम्युनिकेशन स्टडीज के प्रोफेसर पाल श्रीडेट ने अपने एक विश्लेषण में पाया कि 'साइलेंट ट्रीटमेंट' से किसी भी रिश्ते को बहुत बड़ी क्षति पहुंच सकती है। इसके प्रभाव से युगल के बीच अंतरंगता खत्म होती है और स्वस्थ व सार्थक संवाद की स्थिति नहीं रहती। युगल के बीच गुस्सा जताने का यह बहुत आम तरीका है, लेकिन इसका प्रभाव झगड़े से कहीं ज्यादा नुकसानदायक होता है।

एक समय था जब लोग पारिवारिक शादी या अन्य अनुष्ठानों में दो-तीन दिन इकट्ठा ठहरते थे। एक ही कमरे, हाल या शामियाने में कई लोग एक साथ रहते और खूब गप करते थे। अब कोई दूर से जाता भी है तो होटल में अलग कमरे दे दिए जाते हैं। रिश्तेदार की मृत्यु पर शोक की घड़ी में भी बहुत मुश्किल से कोई घंटे-आधे घंटे ठहरता है या बातचीत करता है। पहले लोग सामान लेने बाजार जाते थे तो दो-चार लोगों से बातचीत होती थी।

अब आनलाइन खरीदारी के कारण वह सिलसिला भी बंद होता जा रहा है। आदमी अकेला होता जा रहा है। इस अकेलेपन का चयन वह खुद करता है, फिर अकेलेपन से दुखी होता है। राशन, कपड़े भोजन ही नहीं, शिक्षा और चिकित्सा भी 'आनलाइन' होने लगी है। मगर इस क्रम में इंसान की जिंदगी 'आफलाइन' होने यानी पटरी से उतरने लगी है। अगर हम एक सुखी जीवन जीना चाहते हैं तो जरूरत है लोगों से मिलने-जुलने और संवाद की। संवाद के माध्यम से ही संवेदनाएं और भावनाएं पुनर्जीवित की जा सकती हैं।

खाना पकाने के लिए जैतून का तेल कितना स्वस्थ है?

यदि आप अपने दिल की फिक्र रहती है, तो अपना खाना पकाने के तेल चुनते समय भी तेल की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

हेल्दी और अनहेल्दी फैट क्या है

भोजन में चार प्रमुख आहार वसा होते हैं। खराब वसा, जिसमें संतृप्त और ट्रांस वसा होते हैं, कमरे के तापमान (जैसे मक्खन) पर अधिक ठोस होते हैं, जबकि मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड वसा अधिक तरल होते हैं (जैसे कैनोला तेल)। अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट के विपरीत, अच्छे वसा शरीर में रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं, इसलिए, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करते हैं। यह हृदय रोग से जुड़े ट्राइग्लिसराइड्स को भी कम करता है और सूजन से लड़ता है। अच्छे मोनोअनसैचुरेटेड वसा के कुछ अच्छे स्रोत हैं- जैतून, कैनोला, मूंगफली और तिल का तेल।

जैतून का तेल कितना स्वस्थ है?

जैतून का तेल हेल्दी खाना पकाने का तेल है। जैतून से संतृप्त वसा पर बहुत कम है और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से युक्त होते हुए अच्छे वसा (मोनोअनसैचुरेटेड वसा) में ज्यादा समृद्ध है। कहा जाता है कि स्वस्थ खाना पकाने के तेल में 14% संतृप्त तेल, 11% पॉलीअनसेचुरेटेड, जैसे ओमेगा -6 और ओमेगा -3 फैटी एसिड और 73% मोनोअनसैचुरेटेड वसा होता है। जैतून के तेल में प्रमुख फैटी एसिड को ओलिक एसिड कहा जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, जैतून के तेल में बड़ी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, जो आपके पुराने रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं।

किसमें है ज्यादा फैट

जैतून से जैतून का तेल निकाला जाता है, वैसे ही नारियल से नारियल का तेल निकाला जाता है। दोनों फायदों से भरपूर है। एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर वेट लॉस फ्रेंडली तेल भी है। विशेषज्ञों के अनुसार नारियल तेल में इसमें 80 से 90 प्रतिशत संतृप्त वसा (अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) होता है, जिसका अर्थ है कि नारियल के तेल के एक चम्मच में जैतून के तेल की तुलना में लगभग छह गुना अधिक संतृप्त वसा होती है।

कौन-सा तेल है बेहतर

जब हार्ट-स्वस्थ खाना पकाने के तेल की बात आती है, तो जैतून का तेल नारियल के तेल और खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले कई अन्य तेलों की तुलना में काफी बेहतर होता है। जैतून का तेल एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग के जोखिम को कम करता है, नारियल के तेल के विपरीत, जिसमें उच्च संतृप्त वसा होता है, जिसे हृदय रोग के जोखिम को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। जैतून का तेल टाइप 2 डायबिटीज और कुछ कैंसर के खतरे को कम करता है।

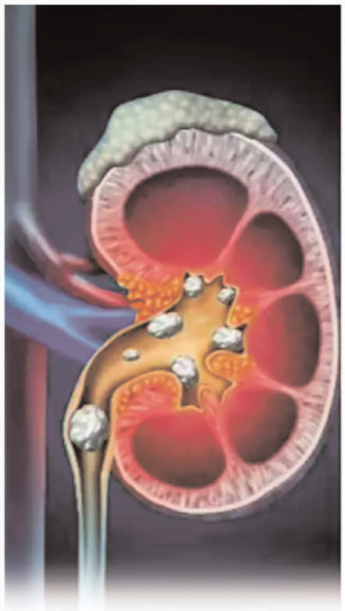

घरेलू उपचारों के जरिए बाहर निकाली जा सकती है किडनी की पथरी

गलत खान-पान और पानी की कमी से किडनी में पथरी बन सकती है। यह गंभीर समस्या है जिसका तुरंत इलाज किया जाना चाहिए। इसमें मरीज को गंभीर दर्द होता है। मेडिकल में इसके कई इलाज हैं लेकिन कुछ घरेलू उपचारों के जरिए किडनी की बाहर निकाला जा सकता है।

किडनी मानव शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। किडनी का मुख्य काम शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना और पानी, अन्य तरल पदार्थ, रासायनिक और खनिज के स्तर को बनाए रखना है। यह शरीर में खून को भी फिल्टर करती है। स्वस्थ जीवन के लिए व्यक्ति के पास ठीक से काम करने वाली किडनी होनी चाहिए। मनुष्य रोजाना विभिन्न खाद्य पदार्थों का सेवन करता है, जो बाद में ऊर्जा में बाल जाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान कई तरह के विषाक्त पदार्थ शरीर में जमा होते रहते हैं। ऐसे जहरीले पदार्थों का जमा होना मानव शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है। शरीर में पानी की कमी से गुर्दे की पथरी यानी किडनी स्टोन बन सकती है। ये पत्थर या तो मटर के आकार के हो सकते हैं या गोल्फ की गेंद जितने बड़े हो सकते हैं। पथरी आमतौर पर कैल्शियम ऑक्सालेट और कुछ अन्य यौगिकों से बने होते हैं और इनकी बनावट क्रिस्टल होती है। गुर्दे की पथरी बनने से वजन कम होने, बुखार, मतली, रक्तमेह और पेट के निचले हिस्से में गंभीर दर्द के साथ पेशाब करने में परेशानी हो सकती है। गुर्दे की पथरी ज्यादातर सर्जरी द्वारा हटा दी जाती है। लेकिन कुछ प्रभावी और प्राकृतिक तरीके हैं जिनके जरिए किडनी की पथरी को बाहर निकालने में मदद मिल सकती है।

खूब पानी पिएं

जल को जीवन का अमृत माना गया है। यह हाइड्रेशन के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। पानी गुर्दे को खनिजों और पोषक तत्वों को भंग करने में मदद करता है, और पाचन और अवशोषण की प्रक्रिया को तेज करता है। पानी शरीर से अनावश्यक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है जिससे किडनी को और नुकसान हो सकता है। जिन लोगों को गुर्दे की पथरी है उन्हें इन पत्थरों को पेशाब के माध्यम से बाहर निकालने के लिए दिन में 7-8 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है।

नींबू का रस और जैतून का तेल

नींबू के रस और जैतून के तेल का मिश्रण सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन यह किडनी की पथरी को शरीर से बाहर निकालने का एक बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय साबित हो सकता है। जो लोग अपनी किडनी से पथरी को प्राकृतिक रूप से हटाना चाहते हैं उन्हें इस तरल को रोजाना तब तक पीना चाहिए जब तक कि पथरी निकल न जाए। जबकि नींबू का रस गुर्दे की पथरी को तोड़ने में मदद करता है, जैतून का तेल बिना किसी समस्या या जलन के सिस्टम से गुजरने के लिए लुब्रिकेंट के रूप में कार्य करता है।

सेब का सिरका

सेब के सिरके में साइट्रिक एसिड होता है जो किडनी स्टोन को छोटे-छोटे कणों में तोड़ने और घुलने की प्रक्रिया में मदद करता है। यह मूत्रमार्ग के माध्यम से गुर्दे की पथरी को हटाने में मदद करता है। सेब के सिरके का सेवन विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और किडनी को भी साफ करने में मदद करता है। दो बड़े चम्मच सेब का सिरका रोजाना गर्म पानी के साथ तब तक लिया जा सकता है जब तक कि किडनी से पथरी पूरी तरह से निकल न जाए।

कॉर्न हेयर या कॉर्न सिल्क

मक्के के बाल या मक्के का रेशम मक्के की भूसी में पाया जाता है और आमतौर पर इसे फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किडनी स्टोन को सिस्टम से बाहर निकालने के मामले में यह बेहद कारगर है। मक्के के बालों को पानी में उबालकर बाद में छानकर सेवन किया जा सकता है। यह नए पत्थरों के निर्माण को भी रोकता है और एक मूत्रवर्धक है जो मूत्र के प्रवाह को बढ़ाता है। मकई के बाल गुर्दे की पथरी के साथ होने वाले दर्द को कम करने में भी मदद करते हैं।

अनार का रस

नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार, अनार कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अनार का रस सबसे अच्छे प्राकृतिक पेय में से एक है जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। यह गुर्दे की पथरी को प्राकृतिक रूप से दूर करने में मदद करता है। इसमें अच्छे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करते हैं।

सुबह की शुरुआत करने के लिए बेस्ट ड्रिंक है शहद-पानी

सुबह की शुरुआत अक्सर लोग चाय-कॉफी से करते हैं। हालांकि कुछ लोग वजन घटाने के लिए शहद का पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पानी कई तरह से आपकी हेल्थ के लिए फायदेमंद है। शहद में एंटी इंफ्लामेटरी, औषधीय और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो अलग बीमारियों को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा भी ये काफी तरह से फायदेमंद हो सकता है।

इम्यूनिटी के लिए बेहतरीन

शहद में फाइबर होता है ऐसे में ये पाचन के लिए अच्छा साबिक होता है। शहद का पानी सूजन को कम करता है और आपके पाचन में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में मौजूद हानिकारक केमिकल की मात्रा को कम करता है जो ब्लॉटिंग और गैस के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा शहद एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो हमारी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद कर सकता है।

सामान्य सर्दी जुकाम छू मंतर

अध्ययनों से पता चला है कि एक गिलास गर्म शहद का पानी पीने से सामान्य सर्दी, बुखार और खांसी से बचा जा सकता है। ऐसे में आप हर सुबह इस जादुई मिश्रण को पी सकते हैं। तेजी से वजन घटाने के लिए बेस्ट है लौकी का पानी, यहां सीखें बनाने का तरीका

वजन घटाने में मददगार

ज्यादातर मामलों में, वजन बढ़ने से खराब पाचन, कब्ज, स्लो मेटाबॉलिज्म और पाचन संबंधी दूसरी समस्याएं होती हैं। शहद का पानी इन सभी समस्याओं से लड़ता है और आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जो आपको वजन कम करने में मदद करता है। इसी के साथ खाली पेट एक गिलास गर्म शहद का पानी पीना से आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

दिल की बीमारी में फायदेमंद

शहद का पानी पीने से शरीर में ब्लड के थक्कों को बनने से रोका जा सकता है। अगर आप अपने ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और कोलेस्ट्रॉल को कम करना चाहते हैं, तो अपने दिन की शुरुआत इस जादुई ड्रिंक से करें।

डल और ड्राई स्किन होगी दूर

डिहाईड्रेशन आपकी स्किन को डल और ड्राई बना सकता है। इसलिए, सुबह सही मात्रा में पानी पीने से आपकी त्वचा दिन भर फ्रेश और सॉफ्ट दिखेगी।

कैसे बनाएं शहद का पानी

इसे बनाने के लिए एक पैन में एक गिलास पानी गर्म करें। फिर इसमें एक बड़ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें। अच्छे रिजल्ट के लिए आप इसमें 1 चम्मच नींबू का रस भी मिला सकते हैं। इस ड्रिंक को रोज सुबह खाली पेट पिएं।

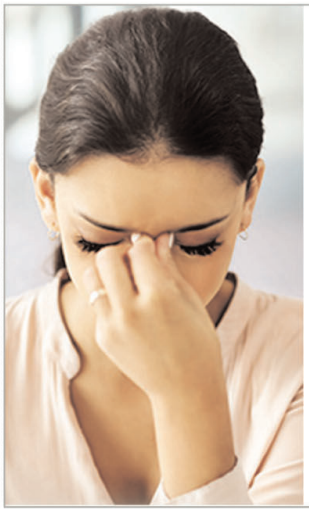

इन घरेलू तरीकों से ठीक करें सिरदर्द, नींद भी आएगी अच्छी

सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं।

सिरदर्द सबसे आम परेशानी। शायद ही दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होता जिसे कभी सिरदर्द नहीं हुआ होगा। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं, जिनकी सुबह की शुरुआत ही सिरदर्द से होती है। सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। ऐसे में कई लोग तो सिरदर्द होने पर हमेशा पेनकिलर का सहारा लेते हैं। उन्हें पेनकिलर्स खाने की इतनी आदत पड़ जाती है कि माइल्ड पेन होने पर भी वे बार-बार पेनकिलर्स लेने लगते हैं जबकि हमेशा पेनकिलर खाना सेहत पर भारी पड़ सकता है। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं सिरदर्द होने पर आप क्या उपाय कर सकते हैं

हेड मसाज

सिर की मालिश को कभी भी लाइट न लें, खासकर अगर आपके सिर में दर्द हो रहा है, तो आपको किसी भी ऑयल से हेड मसाज जरूर करानी चाहिए। इससे आपकी नसों को काफी आराम मिलता है और सिरदर्द से भी राहत मिलती है।

आइस पैक

बर्फ के टुकड़ों को किसी कपड़े में लपेटकर माथे पर हल्के हाथों से दबाएं। इससे आपको दर्द से आराम मिलेगा। आप थोड़ी-थोड़ी देर में भी आइस पैक को माथे पर लगा सकते हैं। सिरदर्द को ठीक करने में यह सबसे कारगर उपाय है।

हॉट राइस बैग

इसके लिए आपको कच्चे चावल को तवे पर गर्म करना है। इसके बाद इन चावलों को किसी पॉलीबैग में भर लें। इससे आप माथे पर सेक लगा सकते हैं। इससे भी आपका सिरदर्द काफी हद तक ठीक हो जाता है।

पानी

कभी-कभी पानी की कमी से भी शरीर खासकर सिर में दर्द होता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखें और तेजी से कम से कम दो गिलास ठंडा पानी पिएं। इससे भी सिरदर्द में काफी आराम मिलता है।

लैवेंडर ऑयल

लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल अरोमा थेरेपी में किया जाता है। इससे आपको शांति और सुकून मिलता है। इसके लिए सबसे पहले लैवेंडर ऑयल को गर्म कर लें और इसे किसी ऐसी जगह पर रख दें, जिससे इसकी महक अच्छी तरह आए।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को कम से कम 10 मिनट तक करें। इस एक्सरसाइज को करने से आपको काफी आराम मिलता है। ब्रीदिंग एक्सरसाइज से नसें काफी रिलेक्स हो जाती हैं।

आयुर्वेदिक चाय

आयुर्वेदिक चाय भी सिरदर्द को ठीक करने में कारगर मानी जाती है। आप मसाला चाय भी पी सकते हैं। कोशिश करें कि चाय को गर्म सिप-सिप करके पिएं। ठंडी चाय आपका सिरदर्द बढ़ा सकती है।

बिना डिग्री के इन फील्ड में बना सकते हैं अपना करियर

कई बार पैसों की तंगी के कारण कई लोग अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप बिना किसी डिग्री या कोर्स के इन नौकरियों को कर सकते हैं। इन फील्ड में नौकरी कर आप हर महीने अच्छी कमाई कर सकते हैं।

हर इंसान की यही चाहत होती है कि कॉलेज खत्म होने के बाद उनको एक अच्छी सी जॉब मिल जाए। ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। लेकिन कई बार ऐसा नहीं हो पाता है। वहीं कुछ परिस्थितियों के कारण हम आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण अच्छी नौकरी मिलने में दिक्कत होती है। अगर आप भी ऐसी ही किसी समस्या से परेशान हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको कुछ ऐसी नौकरियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप बिना किसी डिग्री के भी पा सकते हैं।

मेकअप आर्टिस्ट

आज के दौर में हर कोई अच्छा दिखना चाहता है। ऐसे में लोग मेकअप का सहारा लेते हैं। वहीं मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। बता दें कि मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए किसी तरह की डिग्री की जरूरत नहीं होती है। हालांकि आप कुछ ऑनलाइन कोर्सेज जरूर कर सकती हैं। इन ऑनलाइन कोर्स की मदद से आप मेकअप की हर बारीकी को अच्छे से समझ सकती हैं। मेकअप के बारे में अच्छी जानकारी होने के बाद आप बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना करियर शुरू कर सकती हैं। इसके अलावा चाहे तो खुद का सैलून भी खोल सकती हैं। इसमें आपको कमाई के अच्छे अवसर मिलेंगे।

स्टाइलिस्ट

अगर आपको भी डिजाइन में रुचि है तो आप स्टाइलिस्ट को बतौर करियर शुरू कर सकती हैं। बता दें कि यह फील्ड ऐसा है, जहां आपको डिग्री से ज्यादा काम करना आना चाहिए। इस तरह आप वॉरड्रोब स्टाइलिस्ट और फैशन स्टाइलिस्ट बन अपने करियर को नई उड़ान दे सकती हैं। भले ही यह प्रोफेशन थोड़ा अलग है, लेकिन इस फील्ड में आपको शानदार सैलरी दी जाती है।

सेलिब्रिटी मैनेजर

हर एक सेलेब्स अपने काम को मैनेज करने के लिए मैनेजर रखते हैं। क्योंकि अक्सर सेलेब्स को एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना होता है। इस नौकरी के लिए किसी डिग्री की जरूरत नहीं होती है। इस तरह बिना डिग्री के आप आसानी से सेलिब्रिटी मैनेजर बन सकती हैं। इस फील्ड में सैलरी सुन आप दंग हो जाएगी।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी

अगर आपको भी फोटोग्राफी का शौक है तो वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को बतौर करियर चुन सकते हैं। इसके लिए किसी डिग्री या कोर्स की आवश्यकता नहीं होती है। बेहतरीन फोटोग्राफी कर आप सोशल मीडिया पर इस फोटोज को सेल कर सकती हैं।

प्रोफेशनल ब्लॉगर

आपने भी कई ब्लॉगर को देखा होगा। जो अलग-अलग विषयों के बारे में जानकारी देते हैं और लोग उनके काम को खूब पसंद भी करते हैं। बता दें कि ब्लॉगिंग आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में आप बिना किसी डिग्री व कोर्स के लाखों रुपए कमा सकते हैं।

लॉ से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्रों के पास कई सारे करियर विकल्प होते हैं। उनमें से सबसे अच्छे ऑप्शंस के बारे में हमनें इस आर्टिकल में बताया है। अगर आपने भी स्नातक की है और इनके बारे में जानने में इंटरेस्ट रखते हैं, तो यह आर्टिकल जरूर पढ़ें। आप अपने इंटरेस्ट के अनुसार इनमें से एक ऑप्शन चुन सकते हैं।

ये हैं लॉ ग्रेजुएट्स के लिए सबसे ज्यादा सैलरी वाली नौकरियां

लॉ के छात्रों के पास वैसे तो कई सारे करियर ऑप्शन हैं, पर अपने इंटरेस्ट के अनुसार एक ऑप्शन चूज करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। परंपरागत रूप से कानून के छात्रों से ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुकदमेबाजी की प्रैक्टिस करने की अपेक्षा की जाती थी। हालाँकि, समय के साथ लॉ में करियर के अवसर बढ़े हैं, जिसने युवाओं को भारत में लॉ को करियर विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

जज

वकील के अलावा छात्रों के पास जज बनने का भी एक बेहतरीन अवसर होता है। जज बनने के लिए आपको उस राज्य में होने वाली जुडिशरी की परीक्षा को पास करना होता है। यह एक बहुत ही प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। न्यायाधीश के रूप में आपके ऊपर कानूनी व्यवस्था को सँभालने और उसे लागू करने, महत्वपूर्ण कानूनी निर्णय लेने की जिम्मेदारी होती है।

कॉर्पोरेट वकील

अगर आपको बड़े कॉरपोरेट हाउस में काम करने का मन है, तो आप कॉरपोरेट लॉयर बनकर अपना सपना पूरा कर सकते हैं। कॉर्पोरेट वकील व्यवसायों को उनके कानूनी अधिकारों, दायित्वों और लेनदेन पर सलाह देते हैं। वे सीधे निगमों के लिए या कॉर्पोरेट कानून में विशेषज्ञता वाली कानून फर्मों के लिए काम कर सकते हैं। आपके अनुभव के अनुसार इसमें आपको सैलरी भी काफी अच्छी मिलती है।

लिटिगेशन/ट्रायल वकील

अगर आप कोर्ट में जाकर अपनी दलालत प्रैक्टिस करना चाहते हैं तो आप ट्रायल वकील बन सकते हैं। ट्रायल वकील सिविल और क्रिमिनल मुकदमों में क्लाइंट का प्रतिनिधित्व करते हैं और अदालत में उनकी ओर से वकालत करते हैं। हाई-प्रोफाइल मामलों को संभालने से आपको पैसे और शोहरत दोनों मिलती हैं। कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू करने से पहले आपको अपनी रूचि खत्म करने के बाद ऑल इंडिया बार काउंसिल की परीक्षा पास करनी होती है और फिर उसके बाद अपने संबंधित राज्य में उसके बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

सरकारी वकील

सरकारी वकील सरकार की तरफ से केस लड़ते हैं। वे स्थानीय, राज्य या संघीय स्तर पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों के लिए काम करते हैं। वे कानूनी मामलों पर सलाह देते हैं और मुकदमेबाजी में सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन एक तरीका है जिसमें विवादों को सुलझाने के लिए कोर्ट के बाहर के विकल्पों का उपयोग किया जाता है। इसमें कोर्ट की लंबी प्रक्रिया और लागत से बचा जा सकता है। इसके तहत कई प्रकार के तरीके शामिल होते हैं, जैसे मीडिएशन और आरबिट्रेशन। इसका उद्देश्य विवाद को जल्दी से सुलझाना होता है। इसमें आप एक मिडिएटर के रूप में काम कर सकते है।

कंटेंट राइटर

अनुभव और एक मजबूत पोर्टफोलियो वाले कानून के छात्रों के लिए लीगल कंटेंट राइटिंग एक प्रोमिसिंग और डायनामिक करियर ऑप्शन है। इसमें आपको काफी हाई पेइंग जॉब्स मिल जाते हैं जो आपके एक्सपीरियंस के अनुसार बढ़ती रहती है। आप सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट बन सकते हैं। इसके साथ-साथ आप लीगल कंसलटिंग और जर्नलिज्म में भी काम कर सकते हैं।

लीगल एडवाइजर

लीगल एडवाइजर के रूप में आप व्यवसायों और संगठनों को कानूनी मामलों पर एक्सपर्ट एडवाइस प्रदान करते हैं। आप इंडिपेंडेंट या कंसल्टेंसी फर्म के जरिए काम कर सकते हैं। लीगल एडवाइजर्स की आज के टाइम में बहुत ज्यादा डिमांड है। सभी बिजनेस को विभिन्न कानूनी मुद्दों पर विशेष ज्ञान और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

लॉ प्रोफेसर

लॉ प्रोफेसर लॉ स्कूलों में पढ़ाते हैं और लीगल रिसर्च करते हैं। टीचिंग हमेशा से एक नोबल प्रोफेशन रहा है और आप एक लॉ टीचर बन के छात्रों के साथ हमेशा जुड़े रह सकते हैं और उन्हें सही मार्गदर्शन दे सकते हैं। सरकारी कॉलेज में टीचर की सैलरी पैकेज भी बहुत अच्छे होते हैं।

जज एडवोकेट जनरल अधिकारी

यदि आपका सपना इंडियन आर्म्ड फोर्सज ज्वाइन करने का है तो आप लॉ की पढ़ाई के बाद भी इसे ज्वाइन कर सकते हैं। आप जज एडवोकेट जनरल बनकर सेना में शामिल हो सकते हैं। भारतीय सेना का JAG अधिकारी मेजर होता है जो सेना के कानूनी और न्यायिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है। एक JAG अधिकारी सैन्य कानून या नीतियों की व्याख्या और उन्हें लागू करने में कोर्ट-मार्शल के पीठासीन अधिकारियों की मदद करता है।

बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस कौन-सा कोर्स बेहतर है

अगर आप भी करना चाहते हैं इंजीनियरिंग तो यह खबर आपके लिए है। बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। किस इंजीनियरिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

12वीं पास छात्र इंजीनियरिंग में करियर बनाने का सपना देख रहे हैं। लेकिन समझ नहीं आ रहा किस ब्रांच का चुनाव करना सही है। चिंता छोड़िए और हम आपको बताएंगे कि बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। बीटेक कंप्यूटर साइंस के साथ अब बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स भी मार्केट में काफी डिमांड में है। किस इंजीनियरिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

बीटेक कंप्यूटर साइस

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं तो आप कंप्यूटर एप्लीकेशन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डेटा बेस एनालिसिस के लिए बीटेक कंप्यूटर साइस कोर्स कर सकते हैं।

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

जब से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तब से इसकी काफी डिमांड हो गई है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के जरिए लोग फोटो, लिखना और वॉइस आवाज निकाल रहे हैं। इसकी मांग काफी बढ़ रही है। कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे कोर्स शुरू किए गए हैं।

किस कोर्स में सबसे ज्यादा कमाई

आज के समय को देखा जाए तो बीटेक कंप्यूटर साइंस डिग्री वालों को हाई सैलरी पर नौकरी मिलती है। वहीं, आने वाले समय में बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डिमांड बढ़ने वाली है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस की जानकारी रखने वाले को लाखों का पैकेज मिल सकता है।

कौन कोर्स बेस्ट?

12वीं के बाद छात्रों को टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस का कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के कई शॉर्ट टर्म कोर्स भी शुरू किए हैं। जिसे आप कर सकते हैं और आपको नौकरी मिल जाएगी।

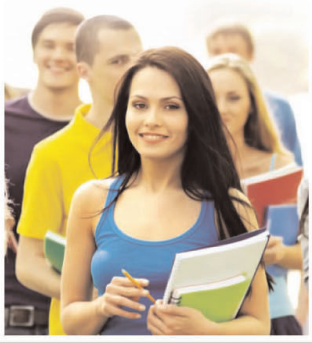

दुनिया में हर प्रकार का प्राणी है। कई लोग मेहनती होते हैं तो कुछ महा-आलसी होते हैं। वहीं, कई तो लोग नौकरी के लिए ऑफिस का हर काम करने के लिए तैयार रहते हैं तो कुछ ऑफिस जाने के नाम से ही जी चुराने लगते है। अगर आप भी भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते तो आप घर बैठे इन नौकरियों से कमा सकते हैं लाखों रुपये।

भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते तो घर बैठे कमा सकते हैं लाखों रुपये

कोरोना काल के बाद से वर्क फॉम होम का कल्चर काफी चल गया है। तब से वर्क कल्चर काफी बदल गया। आज भी कुछ जगह हाइब्रिड मोड में काम चल रहा है। आज भी कंपनियों ने एंप्लॉइज को परमानेंट घर से काम करने की सुविधा दे रखी है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो फिर से ऑफिस में जाकर काम नहीं करना चाहते हैं। इन लोगों को आप चाहे आलसी कहो या फिर घर से काम करने की आदत हो गई है। आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसी नौकरियां जिन्हें आप कर सकते हैं। जहां आपको ऑफिस जाने की जरुरत नही है।

शॉपिंग कंसल्टेंट

आमतौर पर शॉपिंग कंसल्टेंट काफी डिमांड में हैं। बता दें कि, इन्हें आप पर्सनल शॉपर भी कहा जाता है। अगर आपको शॉपिंग का शौक है और स्टाइलिंग तो यह जॉब आपके लिए ही है। नामी इंफ्लुएंसर्स, एक्टर्स, एक्ट्रेसेस और बिजनेसमेन मार्केट में पहचाने जाने की वजह से और बिजी लाइफस्टाइल की वजह से खुद शॉपिंग करने नहीं जाते हैं। यह शॉपिंग कंसल्टेंट या पर्सनल शॉपर हायर कर लेते हैं। आप भी कर सकते हैं यह मजेदार जॉब।

बुक रिव्यू जॉब

अगर आप बुक पढ़ने के शौकीन हैं तो आप अपने शौक को अच्छी कमाई में बदल सकते हैं। इस कार्य को आप प्रोफेशनली भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि आप जहां से चाहें, वहां से बुक्स रिव्यू कर सकते हैं। इसके लिए आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है। आप खुद भी लेखकों से टाई अप कर सकते हैं या किसी पब्लिशिंग हाउस से बात कर सकते हैं। आप बुक रिव्यू के ब्लॉग्स भी बना सकते हैं।

फूड क्रिटिक

आप खाना-पीने के शौकीन हैं तो यह जॉब आपके लिए है। शुरुआत में आपको अपना नाम बनाने के लिए थोड़ी मेहनत करनी होगी, फिर आपको रेस्त्रां और कैफे वाले खुद ही इनविटेशन भेजने लगेंगे। फूड क्रिटिक का काम होता है, खाने-पीने की चीजों का रिव्यू देना। इस कार्य में ईमानदारी होनी चाहिए तभी लोग आपको आपके काम से पहचानेंगे। इस नौकरी में कोई वर्किंग आवर्स निश्चत नहीं होते हैं। आप अपनी मर्जी और शेड्यूल के हिसाब से यह काम कर सकते हैं।

मैट्रेस टेस्टर जॉब

सोना तो सभी को पसंद है, अगर आप भी कुंभकरण की तरह सोते हैं, तो यह जॉब आपके लिए है। आपको सोने के पैसे भी मिलेंगे। दरअसल, गद्दे, तकिए बनाने वाली कई कंपनियां मैट्रेस टेस्टर हायर करने लगी हैं। इनका काम होता है गद्दे पर सोकर इसकी क्वालिटी टेस्ट करना और आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी। वहीं स्लीपिंग पैटर्न पर रिसर्च करने वाले एक्सपर्ट भी लोगों को सोने के बदले लाखों रुपये देते हैं।

वाइन टेस्टिंग जॉब

अगर आप वाइन पीते हैं तो यह नौकरी आपके लिए है। इसे टेस्ट करने से आप अपना घर चला सकते है । विदेशों की तरह अब भारत में भी टेस्टिंग जॉब्स खूब हैं। बता दें कि वाइन बनाने वाली कंपानियां और बार आदि में वाइन टेस्टर बुलाए जाते हैं। इन्हें नई वाइन पर अपना फीडबैक देना होता है। फेशर के तौर पर आप 10-20 हजार रुपये कमा सकते हैं। कुछ सालों बाद जब अनुभव हो जाएगा तब आप 50 हजार रुपये कमा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वियतनाम के उत्तरी पर्वतीय इलाके में भूस्खलन,11 लोगों की मौत

हनोई, एजेंसी। वियतनाम के उत्तरी प्रांत ह गियांग में शनिवार सुबह भूस्खलन से दबकर एक मिनीबस में सवार कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वियतनाम समाचार एजेंसी के ताजा अपडेट में यह जानकारी दी गई। जब बाक मी जिले में एक सड़क पर भूस्खलन के कारण वाहन फंस गया, तो उसमें सवार सभी लोग मदद के लिए बाहर निकल आए।

बताया जा रहा है कि मिनीबस में लगभग 16 लोग सवार थे।इसी दौरान ऊपर से हजारों घन मीटर मिट्टी सड़क पर आ गई, जिससे सभी लोग दब गए। राष्ट्रीय जल-मौसम पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार, जिस क्षेत्र में दुर्घटना हुई, वहां शुक्रवार शाम 7 बजे से शनिवार सुबह 7 बजे तक तक 280-290 मिमी बारिश दर्ज की गई।

सोमालिया में जेल से भाग रहे कैदियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी, आठ लोगों की मौत

मोगादिशु, एजेंसी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में सुरक्षाबलों और भागने का प्रयास कर रहे कैदियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। इस घटना में पांच कैदियों और तीन सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य कैदी घायल बताए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कस्टोडियल कोर कमांड के प्रवक्ता अब्दिकानी मोहम्मद खलफ ने शनिवार को बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान तीन सैनिक भी घायल हुए हैं।

सेंट्रल जेल से भागने का प्रयास कर रहे हथियारों से लैस कैदी अल-शबाब आतंकवादी समूह के सदस्य थे। जेस से भागने के प्रयास के दौरान जेल अधिकारियों और कैदियों के बीच गोलीबारी हुई। जेल अधिकारियों ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि कैदियों ने भागने के लिए हथियार और हथगोले कैसे हासिल किए। रिपोर्ट के अनुसार, :अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने अल-शबाब सदस्यों के खिलाफ अभियान पूरा कर लिया है। फिलहाल स्थिति शांत है और सुरक्षा बलों ने सभी पांच कैदियों को मार गिराया है। हमने घटना की जांच शुरू कर दी है। अल-शबाब आतंकवादियों ने हमार सेंट्रल जेल पर हए ताजा हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यह मोगादिशु में जेल पर समूह के कैदियों द्वारा किया गया दूसरा घातक हमला है।

पाकिस्तान के कराची में दिमाग खाने वाले अमीबा ने ली युवक की जान

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में दिमाग खाने वाले अमीबा ने एक व्यक्ति की जान ले ली। वहां इस तरह का यह तीसरा मामला है। ताजा मामले में मृतक की पहचान औरंगजेब के रूप में हुई। वह बीती 7 जुलाई को कायदाबाद के एक फार्महाउस में अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। जहां उसने तैराकी भी की। इसके बाद उसमें इस बीमारी के लक्षण दिखने लगे। 10 जुलाई को उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 11 जुलाई को वायरस की पुष्टि हुई थी। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, औरंगजेब का जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर (जेपीएमसी) में इलाज चल रहा था।

गौरतलब है कि इस बीमारी को अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (पीएएम) नाम से जानते हैं जो नेगलेरिया फाउलेरी नामक अमीबा की वजह से होती है। जब पानी के जरिये यह अमीबा शरीर में पहुंचता है तो महज चार दिन के अंदर यह इंसान के नर्वस सिस्टम यानी दिमाग पर वार करना शुरू कर देता है।

बता दें कि 22 वर्षीय औरंगजेब इस साल शहर में घातक संक्रमण का तीसरा शिकार था। इससे पहले दो मामले कोरंगी और मालिर में सामने आए थे। यह संक्रमण पहले भी पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की जान ले चुका है। पिछले साल नेगलेरिया फाउलेरी से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई।

जंगली जानवरों के लिए जानलेवा साबित हो रही बढ़ती गर्मी

ओटावा, एजेंसी। बढ़ती गर्मी की वजह से कनाडा से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक जंगली जानवरों की मौत हो रही है. कहीं आसमान से मरे हुए पक्षी गिर रहे हैं, तो कहीं पेड़ों से गिरकर बंदर मर रहे हैं. आखिर उन्हें इससे कैसे बचाया जा सकता है?जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में भीषण गर्मी पड़ रही है. इसका असर न सिर्फ इंसानों, बल्कि जानवरों पर भी हो रहा है. मेक्सिको में हाउलर बंदर पेड़ों से गिरकर मर रहे हैं. कनाडा के समुद्री किनारे पर अरबों सीप, झींगे और घोंघे गर्मी की वजह से मर रहे हैं. अर्जेंटीना में एक ही दिन में सैकड़ों पेंगुइन मर गए. तापमान में बढ़ोतरी जीवों की कई प्रजातियों के लिए जानलेवा साबित हो रही है. इन हालिया घटनाओं ने दुनिया भर में अलग-अलग जीवों की प्रजातियों को प्रभावित किया और इन सब में एक बात समान है कि वे अत्यधिक गर्मी की वजह से मर रहे हैं. खौलती गर्मियों के लिए कितनी तैयार है दुनिया औद्योगिक क्रांति के बाद से दुनिया भर में तापमान लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि वातावरण को गर्म करने वाली ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ा है. 2023 अब तक का सबसे गर्म साल दर्ज किया गया है. इसके साथ ही, जलवायु परिवर्तन की वजह से गर्मी बहुत ज्यादा और लंबे समय तक पड़ रही है. वन्यजीव भी इस बढ़ती गर्मी का शिकार हो रहे हैं. हालांकि, जानवरों पर इसका असर कैसे होता है, यह कई बातों पर निर्भर करता है. जैसे, वे कहां रहते हैं, वे लगातार गर्म लहरों का सामना कर रहे हैं या सिर्फ कभी-कभी, और वे किस तरह के जानवर हैं.

आकाश से पक्षी और चमगादड़ मरे हुए गिर रहे हैं काफी ज्यादा गर्मी जानवरों के लिए जानलेवा साबित होती है. स्वीडन स्थित लुंड यूनिवर्सिटी में पारिस्थितिकीविद् आद्रेयास नॉर्ड कहते हैं, 'च्यह खासतौर पर उन जगहों पर होता है जहां पहले से ही बहुत गर्मी और सूखा रहता है और जानवर इससे ज्यादा गर्मी बर्दाश्त नहीं कर पाते. ऑस्ट्रेलिया इसका एक बड़ा उदाहरण है. वहां हालात बहुत ही ज्यादा खराब हो गए हैं. पक्षी और फ्लाइंग फॉक्स आसमान से मरे हुए गिर रहे हैं. कुछ मामलों में गर्मी से भले ही वन्यजीवों की मौत न हो, लेकिन इससे उनका व्यवहार इस तरह से बदल सकता है कि इसका असर उनकी आबादी पर पड़ सकता है. अमेरिका के चैपल हिल में स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के पारिस्थितिकीविद् एरिक रिडेल कहते हैं, च्मरने का एक और बहुत ही खतरनाक तरीका है, जिसमें कोई लाश तक नहीं मिलती. काफी ज्यादा प्यास लगने, पानी की कमी या गर्मी की वजह से जानवर ज्यादा सक्रिय नहीं हो पाते. वे उस साल उनके पैदा नहीं करते हैं. ऐसे में जानवर तो जिंदा रहते हैं, लेकिन उनकी आबादी नहीं बढ़ती है. 2023 के एक अध्ययन में पाया गया है कि जब गर्मी बहुत ज्यादा पड़ती है, तो बीटल कम बच्चे पैदा कर पाते हैं. गर्मी के साथ संतुलन बनाने की कोशिश जब जानवर गर्मी या ठंड से बचने के लिए अपना व्यवहार बदलते हैं, तो वैज्ञानिक इसे थर्मल रेगुलेट्री बिहेवियर कहते हैं. गर्मी के मौसम में, इसमें छाया में रहना, पानी में जाना या ज्यादा आराम करना शामिल हो सकता है. ऑस्ट्रेलिया में कुआला पेड़ों की ठंडी डालियों को पकड़कर ज्यादा गर्मी से बचते हैं. कैलिफोर्निया में भालू कुछ अलग तरीके से गर्मी से खुद का बचाव करते हैं. कई वीडियो में यह देखने को मिलता है कि जब तापमान बहुत बढ़ जाता है, तो वे आम लोगों के स्विमिंग पूल में नहाने लगते हैं. हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि लगातार गर्म हो रही धरती के साथ रूप से जमीन के भीतर रहती हैं. वे ज्यादातर रात में सक्रिय होती हैं. ऐसे में उन पर गर्मी का कम असर पड़ता है. वहीं, पक्षी ज्यादातर दिन में सक्रिय होते हैं और वे जमीन के ऊपर रहते हैं. इससे उन्हें गर्मी का ज्यादा सामना करना पड़ता है. इस वजह से पिछले 100 वर्षों में जलवायु परिवर्तन की वजह से पक्षियों पर काफी ज्यादा असर पड़ा है. दीर्घकालीन उपाय इंसानों के पास जानवरों को अल्पधिक गर्मी से बचाने के लिए बहुत कम आपातकालीन उपाय हैं. कुछ संरक्षणवादियों ने जानवरों पर पानी का छिड़काव करके या उन्हें आश्रय देकर उनकी मदद करने की कोशिश की है, लेकिन यह बहुत बड़ी समस्या का छोटा सा समाधान है. नॉर्ड और रिडेल कहते हैं कि भविष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारें जानवरों के प्राकृतिक आवासों को लंबे समय तक सुरक्षित रखें. जानवरों के प्राकृतिक वातावरण में ऐसे संसाधन होंगे जो उन्हें ज्यादा गर्मी से बचा सकेंगे. जैसे, छायादार पेड़, पानी, खाना और छिपने की जगहें. नॉर्ड ने कहा, च्जितने कम जीव जंतु बचेंगे, जलवायु परिवर्तन और ज्यादा गर्मी का उन पर उतना ही बुरा असर पड़ेगा।

दक्षिणी गाजा में इजरायल में किए बड़े हमले, बच्चों समेत 90 लोगों की मौत, 300 लोग घायल

गाजा, एजेंसी। इजराइल ने शनिवार को कहा कि उसने दक्षिणी गाजा पट्टी में एक बड़े हमले में हमास के एक सैन्य कमांडर को निशाना बनाया। हालांकि स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है इस हमले में बच्चों सहित कम से कम 90 लोग मारे गए हैं। हमास ने इजराइल के इस दावे को खारिज कर दिया कि उसका सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ उस क्षेत्र में था, जहां इजराइली हमला हुआ।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संवाददाताओं से कहा कि 'यह अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि दीफ और हमास के दूसरे कमांडर राफा सलामा की इस हमले में मौत हो गई है। यह हमला उस क्षेत्र में हुआ जिसे सेना ने हज़ारों फलस्तीनियों के लिए सुरक्षित घोषित किया था। मोहम्मद दीफ के बारे में कई लोगों का मानना ?ै कि वह सात अक्टूबर के हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। उक्त हमले में दक्षिणी इजराइल में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे जिसके बाद इजराइल-हमास युद्ध शुरू हो गया था।

दीफ कई वर्षों से इजराइल की अति वांछित सूची में सबसे ऊपर है और माना जाता है कि वह अतीत में कई इजराइली हमलों में बच निकला है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमले में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

यूएन प्रमुख की फलस्तीन के लिए धन मुहैया कराने की अपील, कहा- गाजावासी दर-दर भटकने को मजबूर

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (संरा) प्रमुख एंतोनियो गुतेरेस ने शुक्रवार को गाजा और पश्चिम एशिया के अन्य हिस्सों में फलस्तीनी शरणार्थियों की मदद करने वाली संरा की संकटग्रस्त एजेंसी का वित्तपोषण करने की अपील की है। उन्होंने इजराइल पर निकासी आदेश जारी करने का आरोप लगाया, जिससे फलस्तीनियों को 'विनाश और मौत के परिदृश्य में 'मानव पिनबॉल बनने से आशय लोगों को अचानक एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना है।

संरा के महासचिव गुतेरेस ने दान दाताओं के एक सम्मेलन में कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए के रूप में जानी जाने वाली एजेंसी को वित्तपोषण में काफी कमी का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र राहत कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के कमिश्नर जनरल फिलिप लाजारिनी ने सम्मेलन की शुरुआत में कहा कि एजेंसी के पास केवल अगस्त तक काम करने के लिए धन था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कुल शेष राशि अगले सप्ताह से पहले ज्ञात नहीं होगी, लेकिन उन्हें विश्वास है कि एजेंसी को सितंबर के अंत तक कार्यरत रखने के लिए 85 करोड़ अमेरिकी डॉलर के वार्षिक बजट में पर्याप्त नई धनराशि आएगी। यूएनआरडब्ल्यूए के 30,000 कर्मचारी गाजा, वेस्ट बैंक, जॉर्डन, लेबनान और सीरिया में लगभग 60 लाख फलस्तीनी शरणार्थियों को शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल मुहैया कराने के अलावा अन्य विकास गतिविधियां में शामिल रहते हैं। लाजारिनी ने कहा कि आने वाले महीनों में यूएनआरडब्ल्यूए अपने संचालन को दिसंबर तक जारी रखने के लिए धन की मांग करेगा।

उन्होंने कहा कि गाजा युद्ध के लिए आपातकालीन अपील के तहत 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर और सीरिया संकट के लिए 46 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मांग की जाएगी, ये दोनों केवल 20 प्रतिशत वित्त पोषित हैं। महासचिव ने कहा कि जब हमने सोचा कि गाजा में स्थिति इससे बदतर नहीं हो सकती, तब भयावह रूप से नागरिकों को नरक के और भी गहरे घेरे में धकेला जा रहा है। गुतेरेस ने कहा कि गाजा शहर में इजराइल के नवीनतम निकासी आदेश से नागरिकों को अधिक पीड़ा और रक्तपात का सामना करना पड़ा है।

अमेरिकी फ्लाइट में नशे में धुत शख्स ने पेशाब किया: आरोपी ने कपड़े भी उतारे

क्रू मेंबर को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी

वाशिंगटन, एजेंसी। नशे में धुत एक यात्री ने बुधवार को अमेरिकन एयरलाइंस की एक फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिंग करने के लिए मजबूर कर दिया। यात्री ने फ्लाइट में यात्रियों के सामने अपने कपड़े उतार दिए और गलियारे में ही पेशाब कर दी थी। नील मैक्काथी (25) नाम के इस शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। उस पर पब्लिक में अभद्र प्रदर्शन करने के आरोप लगाए गए हैं। ओरेगन के रहने वाले मैक्काथी ने माना है कि उसने व्हिस्की की कई बोतलें पी रखी थीं।

फॉक्स बिजनेस की रिपोर्ट के मुताबिक ये घटना अमेरिकन ईगल फ्लाइट 3921 में हुई। विमान शिकागो से मैनचेस्टर जा रही थी। नील मैक्काथी के पेशाब कर देने के कारण विमान की बफैलो, न्यूयॉर्क में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

फ्लाइट पर चढ़ने से पहले खूब पिया शराब: विमान के एयरपोर्ट पर लैंड करते ही मैक्काथी को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने कहा कि विमान में सवार एक यात्री से सबूत के तौर पर एक फोटो मिली है जिसमें मैक्काथी गलियारे में पेशाब करता हुआ दिखाई दे रहा है।

पुलिस ने विमान में मौजूद क्रू और अन्य लोगों के भी बयान लिए हैं। कस्टडी में मौजूद मैक्काथी ने पुलिस को बताया कि उसने उड़ान भरने से पहले खूब शराब पी ली थी। उड़ान के दौरान जब फ्लाइट शिकागो में ठहरी थी तब भी उसने कई पैग पिये।

आरोपी को हो सकती है 6 महीने की जेल: मैक्काथी ने सफाई देते हुए कहा कि जब वह बाथरूम से लौटा तो पेशाब से जुड़ी समस्या के कारण अचानक उसे बेचैनी होने लगी। जिसके बाद उसे गलियारे में ही पेशाब करने पर मजबूर होना पड़ा। एयरलाइंस ने उसका बयान दर्ज कर लिया है। एयरलाइंस ने अपने बयान में कहा कि विमान को बफैलो में इमरजेंसी लैंडिंग कराने के बाद उसे कुछ ही देर वापस मैनचेस्टर रवाना कर दिया गया। एयरलाइंस ने अपने कर्मचारियों के प्रोफेशनल रवैये की तारीफ की है। इसके साथ ही यात्रियों को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी होंगे गिरफ्तार, चुनाव आयोग ने जारी किया वारंट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री और पीटीआई नेता फवाद चौधरी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने गुरुवार को फवाद चौधरी के खिलाफ चुनाव आयोग के खिलाफ अवमानना के एक केस में जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पाकिस्तान के अखबार डॉन की खबर के मुताबिक, फवाद चौधरी के ऊपर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अभद्र भाषा और अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसी मामले में फवाद चौधरी लगातार अदालत में पेश नहीं हो रहे थे, जिसके बाद सिंध से सांसद निसार अहमद दुर्रानी की अध्यक्षता वाली आयोग की चार सदस्यीय पीठ ने चौधरी के खिलाफ वारंट जारी किया।

अवमानना के मामले की सुनवाई फिर से शुरू: आयोग की पीठ ने फवाद चौधरी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान के खिलाफ अवमानना के मामलों की सुनवाई फिर से शुरू कर दी है।

इमरान खान के वकील हाई कोर्ट में व्यस्त: डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक एक जूनियर वकील ने पीठ को बताया कि उनके पास पावर ऑफ अटॉर्नी है, क्योंकि इमरान खान के वकील इस्लामाबाद हाई कोर्ट में व्यस्त हैं। इसपर चुनाव

आयोग ने पूछा कि फवाद चौधरी या उनके वकील कहां हैं पीठ ने कहा कि क्योंकि फवाद चौधरी जेल में नहीं हैं, इसलिए हम उनके लिए वारंट जारी कर रहे हैं। वकील की उपस्थिति से छूट दी जाएगी, लेकिन फवाद चौधरी कहां हैं। इसके साथ ही पीठ ने चौधरी की गिरफ्तारी का वारंट जारी करते हुए सुनवाई 7 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

इद्दत मामले में बरी हुए इमरान खान और बूशरा बीबी, पांच घंटे के अंदर फिर गिरफ्तारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अवैध शादी के मामले में दोनों को बरी कर दिया गया है। बता दें कि इस मामले में इमरान और पत्नी बूशरा बीबी को 7 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि इस राहत के बाद भी इमरान खान को जेल में ही रहना होगा। कोर्ट के फैसला सुनाने के पांच घंटे बाद ही इमरान खान और उनकी पत्नी को तोशखाना मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं उनको दंगा भड़काने के केस में भी सजा सुनाई गई है। फिलहाल इमरान खान जेल में ही हैं।

इस्लामाबाद के जिला और सत्र न्यायालय ने खान और उनकी पत्नी के खिलाफ इद्दत मामले में सभी आरोप

खारिज करते हुए उन्हें बरी कर दिया। फरवरी में चुनाव से पहले ही उन्हें इस मामले में सात साल की सजा सुनाई गई थी। 71 साल के इमरान खान और उनकी पत्नी बूशरा बीबी दोनों ही को जेल हो गई थी। उनके खिलाफ याचिका में कहा गया था कि उन्होंने पहली पत्नी से तलाक और दूसरी शादी करने में उतने दिनों का गैप नहीं रखा जितना इस्लामिक कानून के मुताबिक जरूरी होता है।

वहीं इस्लामाबाद कोर्ट के जज अफजल माजोका ने कहा कि इमरान खान और बूशरा बीबी की अपील को स्वीकार कर लिया गया है। बता दें कि इमरान खान पर चुनाव से पहले ही तीन केस चला दिए गए थे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इमरान खान अदियाला जेल में हैं। बताया गया कि उनके बरी होने के बाद ही एनएबी की दो टीमें उन्हें अरेस्ट करने अदियाला जेल पहुंच गई। वह लगभग एक साल से रावलपिंडी की अदियाला जेल में हैं।

5 अगस्त 2023 को इस्लामाबाद की ही एक अदालत ने तोशखाना मामले में उन्हें दोषी करार देते हुए सजा सुना दी थी। इसके बाद लाहौर के जमान पार्क स्थित घर से उन्हें गिरफ्तार करलिया गया था। बाद में दो अन्य मामलों में उन्हें सजा दी गई। हालांकि इन मामलों में अब वह बरी हो चुके हैं। इसके बावजूद खान का जेल से आना मुश्किल है। उनके खिलाफ 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। जैसे ही एक मामले में बरी होते हैं अन्य किसी मामले में गिरफ्तार कर लिया जाता है।

खान पर 100 से ज्यादा मामले

खान की पहले से ही रिहाई मुमकिन नजर नहीं आ रही थी। उन पर 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। अंग्रेजी अखबार डॉन के मुताबिक, अगर इमरान जेल से बाहर आते हैं तो, वे पाकिस्तान में दोबारा चुनाव की मांग को उठाएंगे। इस साल हुए आम चुनाव में इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी आधिकारिक तौर पर हिस्सा नहीं ले पाई थी। इमरान खान के एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर 5 जुलाई को हुई एक पोस्ट में इस साल 8 फरवरी को हुए आम चुनावों को फर्जी बताया गया था। ऐसे में शहबाज सरकार या फौज नहीं चाहेगी की खान किसी भी कीमत पर रिहा हों।

जेल में रहकर भी सबसे ज्यादा सीटें जीतीं

पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव हुए। इनसे पहले खान को एक के बाद एक लगातार 3 मामलों में दोषी करार दे दिया गया था। इससे वे चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाए थे। चुनाव से पहले उनका पार्टी चुनाव चिह्न छीन लिया गया था। पार्टी के सभी नेता निर्दलीय चुनाव लड़े थे। इसके बावजूद खान की पार्टी PTI के समर्थकों को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की 342 सीटों में से 93 सीटें मिलीं।

साइफर केस: इसे केस की वार्ज़ीशों में पूर्व प्रधानमंत्री के पास एक सीक्रेट लेटर यानी साइफर होने की बात कही गई। खान पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने देश की गोपनीय जानकारी का गलत इस्तेमाल किया। इस साइफर को पिछले साल मार्च में अमेरिका में तैनात पाकिस्तानी एम्बेसेडर असद मजीद खान ने विदेश मंत्रालय को भेजा था। खान ने इसे पढ़ने के बहाने अपने पास रख लिया और बाद में कहा कि यह लेटर खो गया है। हालांकि, वो साइफर को कई रैलियों में खुलेआम लहरा चुके हैं।

तोशाखाना केस: इमरान पर आरोप थे कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी।

विंबलडन 2024

विंबलडन फाइनल की टिकट खेल इतिहास में सबसे महंगी, 8.35 लाख से शुरू थी

जोकोविच और अल्काराज के बीच विंबडलन 2024 का हुआ पुरुष फाइनल

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्काराज के बीच विंबलडन 2024 पुरुष एकल फाइनल के लिए टिकट की कीमतें उच्च मांग के कारण रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। रविवार का खिताबी मुकाबला जोकोविच और अल्काराज के बीच पिछले साल के फाइनल का रीमैच हुआ, जहां स्पेनिश खिलाड़ी ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल कर अपना पहला ग्रास-कोर्ट मेजर हासिल किया था।

अब तक का सबसे महंगा टिकट –अमेरिकी खेल कमेंटेटर डैरेन रोवेल का दावा है कि यह इतिहास का सबसे महंगा गेट-इन फाइनल हुआ, जिसमें ऑनलाइन टिकट रीसेलिंग प्लेटफॉर्म पर सबसे सस्ते टिकट की कीमत 10,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 8,35,193 रुपये) होगी। रोवेल ने एक्स पर लिखा, %जोकोविच-अल्काराज विंबलडन फाइनल खेल के इतिहास में सबसे महंगा फाइनल टिकट होगा। अभी, रविवार के लिए सबसे खराब सीट के टिकट की कीमत 10,000 डॉलर से अधिक है।

ऑफिसियल टिकट 30 हजार से शुरू हुई थी - विंबलडन की आधिकारिक मूल्य सूची में फाइनल के लिए सेंटर कोर्ट सीट के टिकट की कीमत 275 पाउंड (लगभग 29,172.56 रुपये) दिखाई गई है। रविवार को जोकोविच अल्काराज से बदला लेने की कोशिश करेंगे और द ऑल इंग्लैंड क्लब में रोजर फेडरर के आठ ट्रॉफियों के रिकॉर्ड की बराबरी करने का लक्ष्य रखेंगे। यदि वह खिताब जीतते हैं, तो 37 वर्षीय खिलाड़ी टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज चैंपियन बन जाएंगे और रिकॉर्ड 25 मेजर खिताब तक पहुंच जाएंगे। सर्बियाई खिलाड़ी को अल्काराज के खिलाफ 3-2 की करियर बढ़त हासिल है। इस साल वह अभी तक एक भी ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाए हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में हराने के बाद जोकोविच फ्रेंच ओपन के बीच से चोट की वजह से हट गए थे। पूर्व नंबर 1 सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविक ने पूरे आयोजन में अच्छा प्रदर्शन किया है और अपने 10वें विंबलडन फाइनल तक पहुंचने में केवल दो सेट गंवाए थे।

अगर प्लेयर सुरक्षित महसूस नहीं करते तो न जाएं पाकिस्तान : हरभजन सिंह

नईदिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में फरवरी माह में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की भागीदारी पर पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह ने बयान दिया है। 103 टेस्ट के अनुभवी खिलाड़ी ने कहा कि अगर भारत अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित महसूस नहीं करता है तो वह उन्हें पाकिस्तान नहीं भेजेगा। वहीं, पाकिस्तान आगे बढ़ सकता है और भारत के बिना ही टूर्नामेंट को आगे बढ़ा सकता है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में

बोलते हुए हरभजन ने कहा कि यदि हमारे खिलाड़ी पाकिस्तान में सुरक्षित नहीं हैं, तो हम टीम नहीं भेजेंगे। यदि आप खेलना चाहते हैं, तो खेलें; यदि नहीं, तो न खेलें। भारतीय क्रिकेट पाकिस्तान के बिना भी जीवित रह सकता है। यदि आप लोग भारतीय क्रिकेट के बिना जीवित रह सकते हैं, तो इसे करें।बीते दिनों खबर आई थी कि बीसीसीआई पाकिस्तान टीम भेजने पर विचार कर रहा है। लेकिन इस पर फौरन बाद ही बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बयान सामने आ गया। उन्होंने इस विषय पर उठ रही तमाम अफवाहों पर विराम लगाने की कोशिश की है। शुक्ला ने एक चैनल पर दी इंटरव्यू में कहा कि हमें नहीं पता कि किस स्रोत ने ऐसी जानकारी दी। बीसीसीआई ने इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। बता दें कि 2008 के एशिया कप के बाद टीम इंडिया ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। समय के साथ दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। इनके बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से, आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप ही ऐसे आयोजन हैं जहां प्रशंसकों को कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच मैच देखने को मिलता है। अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी से हटती है, तो श्रीलंका उनकी जगह लेगा, जो 2023 वनडे विश्व कप स्टैंडिंग में 9वें स्थान पर रहा था।

इंग्लैंड को एंडरसन की कमी खलेगी, उनके दुर्लभ कौशल की भरपाई करना मुश्किल: इयान चैपल

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना ??है कि इंग्लैंड को टेस्ट क्रिकेट में जेम्स एंडरसन की कमी खलेगी, क्योंकि गेंद को स्विंग कराने के उनके दुर्लभ कौशल की भरपाई करना मुश्किल है। इंग्लैंड के लिए अपना 21 साल का टेस्ट करियर 188 मैचों में 26.45 की औसत से 704 विकेट लेकर तीसरे सबसे सफल गेंदबाज के रूप में समाप्त हुए, जब मेजबान टीम ने इस सप्ताह की शुरुआत में लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज को एक पारी और 114 रनों से हराया था। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, जिमी एंडरसन खेल के सबसे महान स्विंग गेंदबाज के रूप में संन्यास लिया। कई अन्य बेहतरीन स्विंग गेंदबाज हुए हैं, लेकिन किसी ने भी उच्चतम स्तर पर इतने लंबे समय तक अपने कौशल का प्रदर्शन नहीं किया है। एंडरसन के पास अपनी गेंदबाजी क्रिया में बहुत कम बदलाव करके गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की दुर्लभ क्षमता थी। जहां अन्य अच्छे गेंदबाज अपने हाथ के स्लॉट में बदलाव करके बल्लेबाज को संकेत दे देते थे, वहीं एंडरसन बिना किसी पूर्व चेतावनी के दोनों तरफ स्विंग कराने में सक्षम थे। उन्होंने लिखा, यह एक उल्लेखनीय कौशल है और इसने एंडरसन को एक बेहद कठिन प्रतिद्वंद्वी बना दिया है। इंग्लैंड को एंडरसन की कमी खलेगी क्योंकि उनके दुर्लभ कौशल की भरपाई करना मुश्किल है। हालांकि, महत्वपूर्ण बात यह है कि एंडरसन का करियर अब एक प्रतिष्ठित करियर बन गया है, जहां उन्हें खेल के सर्वश्रेष्ठ स्विंग गेंदबाज के रूप में पहचाना जाता है।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपनी लंबी अवधि को बनाए रखने और अपनी परीक्षण लाइनों और लंबाई से भटके नहीं रहने के मामले में एंडरसन की कड़ी मेहनत की भी सराहना की। उन्होंने लिखा, शीर्ष पर 21 साल उनकी फिटनेस, कौशल और सीखने की क्षमता का सम्मान है। बड़े जीवन परिवर्तन, जैसे कि पत्नी और बच्चे होना, आसानी से टेस्ट क्रिकेट की प्राथमिकता को पार कर सकते थे, तब भी वे खेलते रहना चाहते थे। उनके सूक्ष्म कौशल अधिक स्पष्ट हो गए क्योंकि वे उसी सहज लय के साथ दौड़ते रहे और परीक्षण लाइन पर जांच करने वाली डिलीवरी करते रहे। उन्होंने ऐसा करना जारी रखा, चाहे वे दाएं या बाएं हाथ के बल्लेबाज को गेंदबाजी कर रहे हों। यह एक और कौशल था जो उन्हें कई स्विंग गेंदबाजों से अलग करता था - इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि वे किस तरह के बल्लेबाज का सामना कर रहे हैं। चैपल ने एंडरसन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी सख्त गेंदबाजी के बावजूद धैर्य बनाए रखा, जो उनके हिसाब से पेसर की सफलता का अहम कारक था। उन्होंने लिखा, एंडरसन के लिए कई तरह की तारीफें की गई हैं, जिसमें न केवल उनकी गेंदबाजी की निःसंदेह क्षमता बल्कि उनके चिड़चिड़ापन, हेयरस्टाइल में बदलाव और बल्लेबाजी के दौरान उनकी जिद भी शामिल है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि वे कभी-कभी चिड़चिड़ा हो जाते थे, जिसके कारण अजीबोगरीब टिप्पणी की जाती थी।

चैपल आगे लिखते हैं, अधिकांश लोगों के धैर्य की कड़ी परीक्षा होगी यदि वे नियमित रूप से गेंदबाजी करने के लिए आते हैं। कभी-कभार गुस्सा करने के बावजूद एंडरसन ने अपना धैर्य बनाए रखा, जो उनकी आश्चर्यजनक सफलता के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार था। जब रिटायरमेंट की बात करीब आ रही थी, तो एंडरसन की अक्सर अनिच्छुक टिप्पणियों में सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि वे जीतने की इच्छा रखते थे। यह उनकी सफलता में एक महत्वपूर्ण प्रेरक कारक था।

हर कोई भूल गया कि मैंने ही रोहित शर्मा को कप्तान बनाया था : सौरव गांगुली

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया। बंगाली दैनिक के साथ बातचीत में, गांगुली ने 2021 टी20 विश्व कप से भारत के जल्दी बाहर होने के बाद सभी प्रारूपों से विराट कोहली के इस्तीफे के बाद रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान नियुक्त करने के अपने फैसले का बचाव किया। भारतीय क्रिकेट में उथल-पुथल भरे दौर के दौरान, कोहली के सार्वजनिक बयान के बाद गांगुली को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्होंने उन्हें भारतीय वनडे कप्तान के पद से हटाने का दावा किया था।

गांगुली ने शुरू में मीडिया को बताया था कि कोहली और बीसीसीआई के बीच सौहार्दपूर्ण चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है। इसके बाद गांगुली ने अपने विरोधियों से रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम द्वारा हासिल की गई सफलता को स्वीकार करने का आग्रह किया। गांगुली ने टी20 विश्व कप 2024 पर करते हुए सभी को याद दिलाया कि उन्होंने ही मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी को कप्तान नियुक्त किया था। गांगुली ने कहा कि जब मैंने रोहित शर्मा को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी तो सभी ने मेरी आलोचना की। अब जब भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया है तो सभी ने इसके लिए मुझे गाली देना बंद कर दिया है। वास्तव में, मुझे लगता है कि हर कोई भूल गया है कि वह मैं ही था जिसने उन्हें भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया था।

आंशुमन गायकवड़ के इलाज के लिए आगे आया बीसीसीआई, जारी किए एक करोड़ रुपए

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्लड कैंसर से जूझ रहे पूर्व क्रिकेटर आंशुमन गायकवड़ के इलाज के लिए बीसीसीआई ने एक करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। लंदन में इलाज करवा रहे आंशुमन के लिए बीते दिनों ही कपिल देव ने अपने समकालीन क्रिकेटरों के साथ बीसीसीआई से मदद की गुहार लगाई थी। कपिल ने कहा था कि बीसीसीआई को अपने पुरने प्लेयरों को भी देखना चाहिए। हो सकते तो एक ट्रस्ट का गठन कर देना चाहिए ताकि क्रिकेटरों की मदद हो सके। कपिल देव ने इस दौरान अपनी पेंशन तक आंशुमन के परिवार को देने की बात कही थी। अब बीसीसीआई ने इनका संज्ञान लेते हुए मदद जारी कर दी है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बीसीसीआई को कैंसर से जूझ रहे भारत के अनुभवी क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल प्रभाव से 1 करोड़ रुपए जारी करने का निर्देश दिया। शाह ने गायकवाड़ के परिवार से भी बात की और स्थिति का जायजा लिया और सहायता प्रदान की। बीसीसीआई ने आश्वासन दिया है कि वे इलाज के दौरान गायकवाड़ की प्रगति पर बारीकी से नजर रखेंगे और इस चुनौतीपूर्ण चरण से उबरने की उनकी क्षमता के बारे में आशावादी बने रहेंगे। क्रिकेट बोर्ड ने इस कठिन समय में पूर्व खिलाड़ी और उनके परिवार के प्रति अपना अटूट समर्थन व्यक्त किया है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया : बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला

नईदिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हिस्सा लेने के लिए टीम इंडिया क्या पाकिस्तान जाएगी, यह बड़ा विषय बन गया है। पाकिस्तान के पास चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के पूरे राइट्स हैं लेकिन भारत की इसमें भागीदारी पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। कथित तौर पर क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित करने या भारत के मैचों को किसी तटस्थ स्थान पर शेड्यूल करने का अनुरोध किया था, लेकिन शीर्ष क्रिकेट बोर्ड ने इस दिशा में कोई काम नहीं किया है। इसी बीच खबर आई कि टीम इंडिया पाकिस्तान जा सकती है। मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला आगे आए हैं। उन्होंने इस विषय पर उठ रही तमाम अफवाहों पर विराम लगाने की कोशिश की है। शुक्ला ने एक चैनल पर दी इंटरव्यू में कहा कि हमें नहीं पता कि किस स्रोत ने ऐसी जानकारी दी। बीसीसीआई ने इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। बता दें कि 2008 के एशिया कप के बाद टीम इंडिया ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। समय के साथ दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। इनके बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से, आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप ही ऐसे आयोजन हैं जहां प्रशंसकों को कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच मैच देखने को मिलता है। अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी से हटती है, तो श्रीलंका उनकी जगह लेगा, जो 2023 वनडे विश्व कप स्टैंडिंग में 9वें स्थान पर रहा था। पिछले साल, पाकिस्तान के पास एशिया कप 2023 की मेजबानी का अधिकार था लेकिन भारत सरकार ने टीम को यात्रा करने की मंजूरी नहीं दी और उनके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिए गए।

भारतीय ओलंपिक अभियान का जश्न मनाने के लिए 'पेरिस में भारत' मैराथन शुरू

पेरिस (एजेंसी)। भारत के ओलंपिक अभियान और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) से ईस्पोर्ट्स को मान्यता मिलने का जश्न मनाने के लिए रविवार को यहां 'पेरिस में भारत' मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और सांसद मनोज तिवारी ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई।

भारत के कुल 118 खिलाड़ी 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे। इनमें भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं। आइओसी ने हाल में ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान की थी। आईओसी और सऊदी अरब सरकार के बीच अगले साल सऊदी अरब में ईस्पोर्ट्स ओलंपिक के आयोजन को लेकर करार भी हुआ है।

युवराज सिंह ने अपनी सर्वकालिक प्लेइंग 11 का खुलासा किया, धोनी और खुद को रखा बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी युवराज सिंह ने हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप लीग के फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद अपनी ऑल टाइम सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन का चयन किया। दक्षिणपंथी ने अपनी ऑल-टाइम प्लेइंग इलेवन में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एडम गिलक्रिस्ट जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया। युवराज सिंह की सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन में ना तो वह खुद थे और ना ही एमएस धोनी को शामिल नहीं किया गया जो आश्चर्य की बात थी। टीवी एंकर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शेफाली बग्गा के साथ एक इंटरव्यू में युवी ने अपने 11 खिलाड़ियों के नाम बताए जिनमें सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, रोहित शर्मा और विराट कोहली उनके शीर्ष क्रम के खिलाड़ी हैं। इसके अलावा युवराज ने एबी डिविलियर्स और एडम गिलक्रिस्ट को भी शामिल किया है।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना चैंपियन

वर्ल्ड चैंपियंस लीजेंड्स फाइनल में 5 विकेट से हराया, रायडू की फिफ्टी; अनुरीत ने लिए 3 विकेट

बर्मिंघम (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स में शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। बर्मिंघम में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान यूनुस खान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 156 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 19.1 ओवर में 5 विकेट पर 159 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत की ओर से अंबाती रायडू ने सर्वाधिक 50 रन बनाए। युसूफ पठान फ्लैग ने टूर्नामेंट के 7 मैच में 221 रन बनाए।

भारत की पारी से शुरुआत - 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। उथप्पा और अंबाती के बीच पहले विकेट के लिए 34 रन की साझेदारी हुई। सुरेश रैना सिर्फ 4 रन ही बना सके। आमिर यामिन ने एक ही ओवर में दोनों खिलाड़ियों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। अंबाती रायुडू ने 30 गेंद में 5 चौके और दो छक्के की मदद से 50 रन बनाए। गुरकीरत सिंह ने 33 गेंद में 34 रन की पारी खेली। इसके बाद युसूफ पठान ने 16 गेंद में 30 रन की धमाकेदार पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने तीन छक्के और एक चौका लगाया। कप्तान युवराज सिंह ने 22 गेंद में 15 रन बनाए। इरफान 5 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से आमिर ने दो विकेट, अजमल, रियाज और शोएब को 1-1 विकेट मिला।

पाकिस्तान ने 157 का टारगेट दिया - पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 156 रन बनाए। शोएब

मलिक ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। भारत की ओर से अनुरीत सिंह ने तीन विकेट झटके। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के सलामी बल्लेबाज शरजील खान 10 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे ओवर में ही पवेलियन लौटे। मकसूद ने 12 गेंद में 21 रन बनाए। कामरान अकमल 19 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान यूनिस खान 11 गेंद में सात रन ही बना सके।

अनुरीत सिंह के 3 विकेट - भारत की तरफ से अनुरीत सिंह ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। उन्होंने ओपनर बल्लेबाज शरजील खान को 12 रन पर आउट किया। उसके बाद उन्होंने आमेर यामीन और पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शोएब मालिक का विकेट लिया।

अंबाती रायडू की फिफ्टी - भारत के लिए ओपनिंग करने रॉबिन उथप्पा और अंबाती रायडू आए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े। उसके बाद उथप्पा को आमेर यामीन ने आउट कर दिया। लेकिन रायडू ने एक छोर संभाले रखा और शानदार बल्लेबाजी करते हुए 30 बॉल पर 50 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 2 सिक्स लगाया। शोएब मालिक के 41 रन पाकिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा 41 रन शोएब मालिक ने बनाए। 36 बॉल की पारी में मालिक ने 3 सिक्स लगाए। 2007 के प्लेयर ऑफ द फाइनल और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट ने जिताया मैच जब भारत ने जीत दर्ज की तब भारत की तरफ से युवराज सिंह और इरफान पठान बैटिंग कर रहे थे। युवराज जब भारत पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता था तब वे 2007 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे। वहीं इरफान पठान को 2007 के फाइनल मैच में प्लेयर ऑफ द फाइनल चुना गया था।